खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 02 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-151

ममता की खुशामद में बंगाल की अदालतें भी मुस्लिम तुष्टिकरण पर उतरीं

पाकिस्तान को कोसने पर 22 साल की लड़की को उठा ले गई पुलिस

गुरुग्राम, 01 जून (एजेंसियां)। पहलगाम हमले में हिंदुओं को चुन-चुन कर मारे जाने पर पाकिस्तानियों और इस्लामिक कट्टरपंथियों का सोशल मीडिया पर जवाब देने वाली 22 साल की लड़की शर्मिष्ठा पनौली से ममता बनर्जी इतनी खफा हो गईं कि कोलकाता पुलिस को हरियाणा के गुरुग्राम (गुड़गांव) भेज कर उस लड़की को उठवा लिया। मुस्लिम तुष्टिकरण की यह इंतिहा हो गई।

कोलकाता पुलिस की यह कार्रवाई लोगों को और भी नागवार इसलिए लगी कि जिस जगह आकर कोलकाता पुलिस ने 22 साल की लड़की को सार्वजनिक तरीके से उठाया, वह हरियाणा राज्य भाजपा शासित राज्य है।

पाकिस्तान को सोशल मीडिया पर कोसने वाली पुणे के सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज की 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा का वीडियो देख कर बंगाल के इस्लामी कट्टरपंथियों और उनकी आका ममता बनर्जी को गुस्सा आ गया। शर्मिष्ठा को पकड़ने के कोलकाता पुलिस 1500 किलोमीटर दूर गुरुग्राम पहुंच गई और शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया।

शर्मिष्ठा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से बॉलीवुड कलाकारों को भी पहलगाम हिंसा पर चुप्पी साधे रखने के लिए धिक्कारा था। फिर कट्टरपंथियों को गुस्सा आना स्वाभाविक था। कट्टरपंथियों ने छोटी बच्ची शर्मिष्ठा का सिर तन से जुदा करने की धमकियां देनी शुरू कर दीं। इससे भी मन नहीं भरा तो उसका बलात्कार करने की सार्वजनिक धमकियां दी गईं।

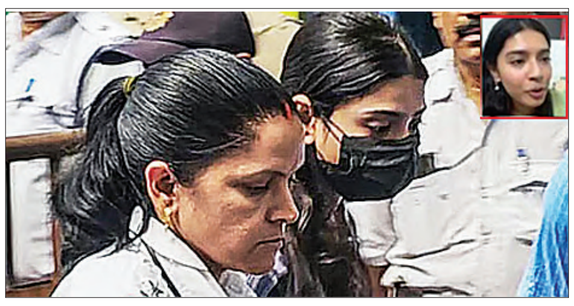

पहलगाम हमले पर बोली तो नाराज हो गए थे ममता के मुस्लिम गुर्गे

रेप करने और सिर काटने की धमकी देने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं

इससे भी मन नहीं भरा तो उसे पुलिस भेज कर गिरफ्तार करा लिया। सिर तन से जुदा करने या बलात्कार करने की धमकियां देने वाले लोगों पर कार्रवाई करने में इस देश की अदालतों ने कोई ध्यान नहीं दिया। हां, उस लड़की को गिरफ्तार करने में अदालत ने भी अत्यधिक रुचि दिखाई। यह साफ-साफ दिखा कि अदालतें और पुलिस किसकी चाकर हैं।

कोलकाता पुलिस ने सिर तन से जुदा और रेप करने की धमकी देने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय शर्मिष्ठा को गिरफ्तार करने के लिए गुरुग्राम तक का सफर तय करना ज्यादा पसंद किया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा को शुक्रवार 30 मई को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी तब हुई जब शर्मिष्ठा को इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ऑनलाइन डॉक्सिंग का शिकार बना रही थी और उनके साथ रेप करने से लेकर सिर तन से जुदा की धमकियां दे रही थी।

शर्मिष्ठा को सिर तन से जुदा करने या बलात्कार करने जैसी गंभीर और गंधी धमकियां देने वाले इस्लामी कट्टरपंथी सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय ममता बनर्जी की पुलिस ने शर्मिष्ठा को ही पकड़ लिया। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सुनैना होले का कहना है कि कोलकाता पुलिस के पास कोई उचित दस्तावेज या वारंट नहीं था, लेकिन फिर भी वे मजिस्ट्रेट का आदेश लेने में कामयाब रहे और हरियाणा सरकार या प्रशासन मुंह बाए देखता रह गया।

▶10पर

विवादास्पद यूनुस को ब्रिटेन में मिलेगा विवादास्पद पुरस्कार

कुख्यात आतंकवादी लादेन के धन से सना सम्मान!

सूफी यायावर

लंदन/ढाका, 01 मई। आतंकी संगठन अल कायदा के कुख्यात सरगना रहे ओसामा बिन लादेन के परिवार के अकूत धन से शुरू हुआ ब्रिटेन का किंग चार्ल्स हार्मोनी अवार्ड बांग्लादेश की हार्मोनी को तहस-नहस करने वाले मोहम्मद यूनुस को मिलने जा रहा है। ब्रिटेन के मौजूदा नरेश किंग चार्ल्स-3 अपने उन्हीं हाथों से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को पुरस्कार देंगे, जिन हाथों से उन्होंने लादेन परिवार से अकूत धन और बहुमूल्य उपहार लिए थे। यूनुस अपने देश में इस पुरस्कार को ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित बताने का पूरा प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। जबकि आतंकवादी सरगना के परिवार से मिले धन से यह पुरस्कार वर्ष 2024 में ही शुरू हुआ। मजाकिया और विडंबना भी है कि पहला पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून को दिया गया था।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को ब्रिटेन का किंग चार्ल्स हार्मोनी अवार्ड-2025 मिलने जा रहा है। पुरस्कार प्राप्त करने के लिए यूनुस ब्रिटेन जाने वाले हैं जहां ब्रिटेन के मौजूदा किंग चार्ल्स-3 उन्हें यह पुरस्कार देंगे। यूनुस को यह पुरस्कार ऐसे समय मिलने जा रहा है, जब वे बांग्लादेश के लोगों के मुख्य शत्रु के रूप में कुख्यात हो रहे हैं। बांग्लादेश में बहुप्रतीक्षित आम चुनाव को स्थगित करके अवैध रूप से अनिश्चित काल तक सत्ता में बने रहने का नापाक प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र विरोधी हरकतें कर रहे हैं और मानवाधिकारों का उल्लंघन, पत्रकारों पर दमन और हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों बर्बर

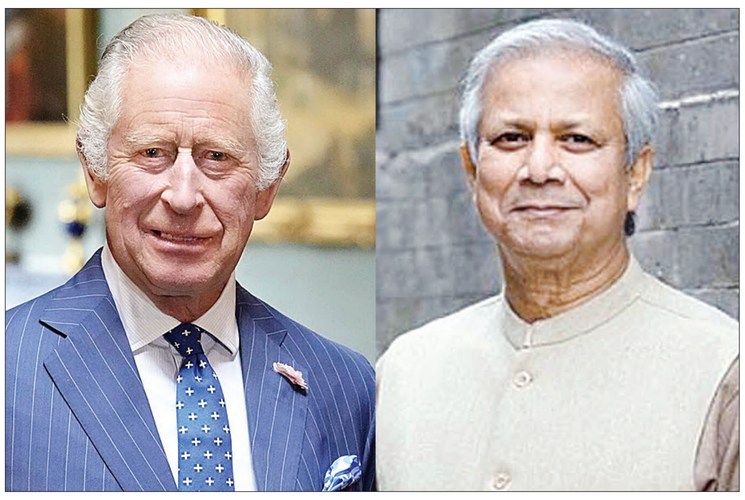

लादेन के भाई से प्रिंस चार्ल्स ने लिया था अकूत धन

घोटालों से घिरा सम्राट यूनुस को देगा हार्मोनी अवार्ड

हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, यूनुस पर कट्टर इस्लामवादियों और जेहादियों को सरकारी सुविधाएं देने और यूएस डीप स्टेट, पाकिस्तानी आईएसआई और विदेशी हितों को बांग्लादेश में लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप हैं। यूनुस की इन हरकतों से बांग्लादेश छद्म युद्ध, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और नार्को-तस्करी के खतरनाक दलदल में धंसता जा रहा है।

किंग चार्ल्स हार्मनी अवार्ड हाल ही वर्ष 2024 में शुरू किया गया है, लेकिन यूनुस इसे ऐतिहासिक पुरस्कार बताने के प्रचार-प्रसार में लगे हैं। इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून थे। एक साल पहले शुरू हुआ यह पुरस्कार ऐतिहासिक और सर्वाधिक प्रतिष्ठित कैसे हो गया, यह यूनुस या किंग चार्ल्स-3 ही बता सकते हैं। खुद गंभीर विवादों में घिरे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-3 विवाद-पुरुष यूनुस को विवादास्पद पुरस्कार देने जा रहे हैं। आतंकवादी सरगना परिवार से प्राप्त धन से शुरू हुआ यह पुरस्कार बांग्लादेश को आतंकवाद में झोंक रहे मोहम्मद यूनुस को दिया जा रहा है।

अधिक दिन पहले की बात नहीं है। ब्रिटेन के तब के राजकुमार चार्ल्स को 2011 और 2015 के बीच कतर के एक विवादास्पद नेता से लाखों डॉलर की नकदी से भरे सूटकेस और शॉपिंग बैग मिलने का खुलासा हुआ था। यह भी पर्दाफाश हुआ था कि वर्ष 2013 में राजकुमार चार्ल्स ने अमेरिका पर 9/11 को हुए हमलों के मास्टरमाइंड आतंकी संगठन अल कायदा के कुख्यात सरगना ओसामा बिन लादेन के सौतेले भाई से एक मिलियन पाउंड (1.7 मिलियन डॉलर) लिया था। इस लेनदेन के दो साल पहले ही ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने पाकिस्तान में घुस कर मारा था। जब मामला उजागर हुआ तो कहा गया कि वह धन प्रिंस ऑफ वेल्स चैरिटेबल फंड (पीडब्लूसीएफ) को दान में मिला था। प्रिंस चार्ल्स ने ओसामा बिन लादेन के सौतेले भाई बकर बिन लादेन और शफीक बिन लादेन से यह पैसा सऊदी अरब स्थित ब्रिटिश क्लेरेंस हाउस में लिया था। चार्ल्स ने 2013 में लंदन में बकर बिन लादेन से मुलाकात की थी और उसका उपहार स्वीकार करने पर सहमति जताई थी।

वर्ष 2021 में ब्रिटिश मीडिया ने यह उजागर किया था कि चार्ल्स की चैरिटी संस्था प्रिंस फाउंडेशन से जुड़े लोगों ने दान के बदले में एक सऊदी अरबपति को सम्मान के नागरिकता दिलाने में सक्रिय रोल अदा किया था। वह सऊदी अरबपति महफूज मारेई मुबारक बिन महफूज था, जिसने चार्ल्स को बड़ी रकम दान की थी। आरोपों की आंतरिक जांच के बाद फाउंडेशन के प्रमुख माइकल फॉसेट ने 2021 में इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले, द संडे टाइम्स ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रिंस चार्ल्स ने 2011 और 2015 के बीच एक विवादास्पद कतर के नेता से लाखों डॉलर की नकदी से भरे सूटकेस और शॉपिंग बैग व्यक्तिगत रूप से स्वीकार किए थे। प्रिंस ऑफ वेल्स के एक पूर्व सलाहकार ने लंदन के संडे टाइम्स को बताया कि

▶10पर

सभी सैन्य रेंजों पर भारतीय सेना कर रही सघन युद्धाभ्यास

सेना परख रही है अपनी ताकत और तकनीक

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)। पोखरण के रेगिस्तान से लेकर जोशीमठ के पहाड़ तक, सभी महत्वपूर्ण फायरिंग रेंजों में युद्ध का माहौल है। एयर डिफेंस और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के साथ भारतीय सेना अपनी ताकत परख रही है और अभ्यास कर रही है। इसके साथ ही भारत सरकार ने शनिवार 31 मई को जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात, पंजाब और राजस्थान तक पाकिस्तान सीमा से सटे राज्यों में ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। ऑपरेशन शील्ड मॉक ड्रिल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद का पहला नागरिक सुरक्षा अभ्यास है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जिसके बाद यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

युद्ध की तैयारी के तहत देश में हुआ नागरिक सुरक्षा अभ्यास

पाकिस्तान सीमा वाले राज्यों में चलाया गया ऑपरेशन-शील्ड

भारतीय सेना इन दिनों देशभर में अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े सैन्य अभ्यास कर रही है। यह अभ्यास पोखरण, बबीना और जोशीमठ जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर हो रहा है। इसके साथ ही, आगरा और गोपालपुर में हवाई सुरक्षा उपकरणों का भी विशेष अभ्यास किया जा रहा है। यह अभ्यास असली युद्ध जैसी स्थितियों में किए जा रहे हैं, जिनमें दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक हमलों का भी सिमुलेशन शामिल है। इसका मकसद नई रक्षा प्रणालियों की ताकत और विश्वसनीयता को परखना है। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले दिनों बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में इन अभ्यासों का जायजा लिया और रक्षा अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। इन अभ्यासों से भारतीय सेना अपनी आधुनिक युद्ध क्षमताओं को मजबूत कर रही है, ताकि भविष्य की सुरक्षा जरूरतों के लिए तैयार रहा जा सके।

उधर, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और कश्मीर में नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास किए गए। ऑपरेशन शील्ड के तहत यह अभ्यास आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आपातकाल या युद्ध जैसी स्थिति में तेजी से और सही ढंग से बचाव करना और जवाब देना है।

राजस्थान और हरियाणा में सायरन प्रणाली ठीक रखने और प्रतिक्रिया समय को कम करने के निर्देश दिए गए। बारामुला में हुई मॉक ड्रिल में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग और एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की तैयारी करना है।

ऑपरेशन शील्ड के तह मॉक ड्रिल का सिलसिला आगे भी होता रहेगा। सरकार ने नागरिकों से मॉक ड्रिल के दौरान संयम बनाए रखने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। यह अभ्यास नागरिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता का परीक्षण करने और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए महत्व-पूर्ण है।

इस मॉक ड्रिल के माध्यम से भारत ने सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक सुरक्षा उपायों की तैयारी और प्रभावशीलता की जांच की गई, जिससे भविष्य में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए बेहतर रणनीतियां विकसित की जा सके।

तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के बयान पर विवाद

सेना का अपमान कर रहे हैं रेड्डी : भाजपा

हैदराबाद, 01 जून (एजेंसियां)।

रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की आलोचना किए जाने पर भाजपा की तेलंगाना इकाई ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। भाजपा ने रेड्डी के बयानों को पाकिस्तान के प्रचार से मिलता-जुलता बताया है। भाजपा के तेलंगाना प्रमुख प्रवक्ता एनवी सुभाष ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही ओवैसी भाजपा के आलोचक हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के धोखेबाज चरित्र को समझते हैं। मगर रेवंत रेड्डी का रवैया पाकिस्तान के दावों का समर्थन करता है।

भाजपा नेता ने कहा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जानबूझकर ऐसे बयान दे रहे हैं, जो भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं। उन्होंने रेड्डी की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर टिप्पणी की निंदा की और कहा कि यह सेना का अपमान है। रेड्डी का बयान गैर-ज़िम्मेदाराना से अधिक राष्ट्रविरोधी है। सुभाष ने कहा, रेड्डी वही झूठे दावे दोहरा रहे हैं, जो एक अखबार ने छापे थे, लेकिन रक्षा मंत्रालय के खंडन के बाद वापस लिए गए। ▶10पर

पहलगाम में हिंदुओं की हत्या का विरोध करने पर मिली जेल!

दोगले मापदंडों पर चल रहा है देश?

इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा सार्वजनिक तौर पर की गई घिनौनी साइबर लिंचिंग के बाद 22 साल की शर्मिष्ठा ने न केवल वीडियो डिलीट किया बल्कि सार्वजनिक रूप से बिना किसी शर्त माफी भी मांग ली। इसके बावजूद ममता बनर्जी की पुलिस ने गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में बंगाल पुलिस को कतई शर्म नहीं आई। उसने मुर्शिदाबाद और मालदा के दंगों में भी अपनी मुस्लिम परस्त घिनौनी भूमिका अदा की थी। तो उसे शर्म क्यों आए?

जब भी अभिव्यक्ति की आजादी और धर्मनिरपेक्षता की बात आती है, तथाकथित उदारवादी सेकुलर गिरोह और वोक लिबरल्स सबसे पहले कूद कर सामने आ जाते हैं। नैतिकता का नकाब ओढ़ कर ये लोग बाकी दुनिया को भाषण देने में माहिर हैं। लेकिन जब बात हिंदू भावनाओं और हिंदू समाज पर हमलों की आती है, तब न तो इन्हें बलात्कार की धमकियां दिखाई देती

हैं, न सिर तन से जुदा जैसे नारे सुनाई देते हैं और न हिंदू देवी-देवताओं को खुलेआम

शुभ-लाभ चिंता

दी जाने वाली गालियां सुनाई देती हैं। ऐसा क्या होता है कि जब भी बात हिंदुओं पर आती है तो यह जमात मौन व्रत धारण कर लेती है? इस दोगले मापदंड के बारे में ऐसी दोगली जमातें कभी आत्मविश्लेषण नहीं करतीं। भारत में ऐसे बहुतेरे कट्टरपंथी और हिंदू-विरोधी तत्व खुलेआम जहर उगल रहे हैं, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान कर रहे हैं, देश और राष्ट्र की संस्कृति पर हमला कर रहे हैं, सेना को गालियां दे रहे हैं, लेकिन उन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होती। न उन्हें गिरफ्तार किया जाता, न उनसे कोई पूछताछ होती। बल्कि इन लोगों को बचाया जाता है, क्योंकि इनकी पीठ पर राजनीति की छत्रछाया है। तुष्टिकरण की राजनीति का इन्हें खुला संरक्षण प्राप्त है।

अब सवाल है कि अगर 22 साल की शर्मिष्ठा के साथ कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या इसके लिए जिम्मेदार जज या शिकायतकर्ता को फांसी की सजा दी जाएगी?

▶10पर

बंगाल भाजपा की सांगठनिक सभा में बोले अमित शाह

ममता को सिंदूर की ताकत दिखाएं बंगाल के लोग

कोलकाता, 01 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वहां की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर आज जमकर निशाना साधा। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर ममता और उनकी सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले पर ममता ने चुप्पी साध ली। जब भारतीय सेना ने उस हमले का बदला लिया तो ममता और उनके नेताओं ने फर्जी टिप्पणियां कर ऑपरेशन सिंदूर का अपमान किया। बंगाल की जनता को ममता बनर्जी को सिंदूर की ताकत दिखानी चाहिए। ▶10पर

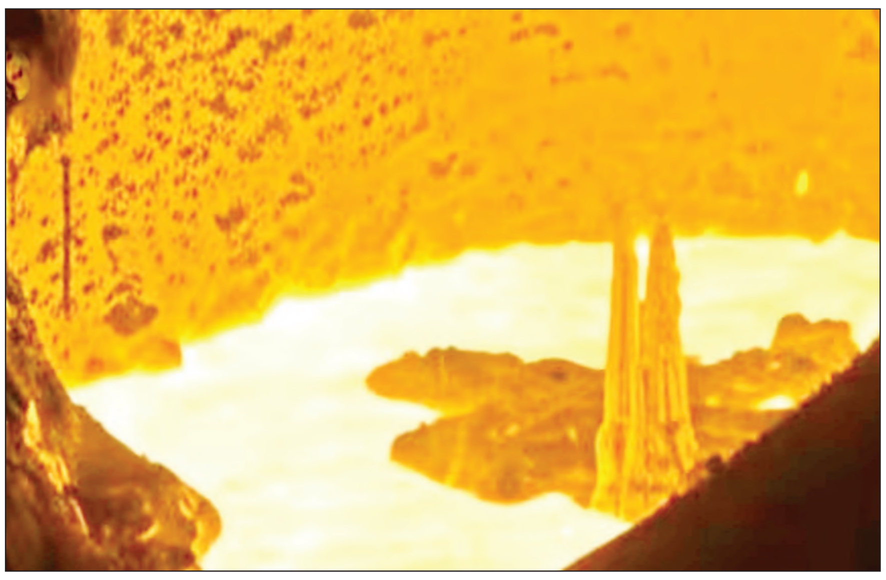

पृथ्वी का सबसे गहरा हिस्सा कोर जहां से लीक हो रहा सोना व अन्य कीमती धातुएं

नए अध्ययन से हुआ खुलासा, कुछ धातुएं कोर से बाहर निकल सतह तक पहुंच रहीं

हवाई, 01 जून (एजेंसियां)।

पृथ्वी का कोर जो हमारे ग्रह का सबसे गहरा हिस्सा है, सोना और अन्य कीमती धातुएं लीक कर रहा है। पृथ्वी का 99.9 फीसदी सोना इसके केंद्र में छिपा है, जो हज़ारों किलोमीटर मोटी चट्टानों के नीचे है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि कुछ धातुएं कोर से बाहर निकलकर पृथ्वी की सतह तक पहुंच रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने हवाई द्वीप के ज्वालामुखी चट्टानों की जांच की। इनमें उन्हें रूथेनियम नाम की कीमती धातु मिली, जो सिर्फ़ पृथ्वी के कोर-मैन्टल सीमा से आ सकती है। यह सीमा पृथ्वी की सतह से 2900 किलोमीटर नीचे है। एक वैज्ञानिक ने कहा कि हमें लगा जैसे हमने सचमुच सोना खोज लिया है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी तीन मुख्य परतों से बनी है। क्रस्ट यह पृथ्वी की सबसे ऊपरी पतली परत है। मैन्टल यह बीच की परत है, जो चट्टानों से बनी है और ग्रह का सबसे बड़ा हिस्सा है। कोर यह पृथ्वी का वह केंद्र है, जिसमें दो हिस्से हैं- बाहरी कोर जो पिघली हुई धातुओं का समुद्र है। वहीं आंतरिक कोर जो ज्यादातर ठोस लोहे की गेंद है। कोर में सोना, रूथेनियम और अन्य कीमती धातुएं हैं, जो पृथ्वी के बनने के समय वहां जमा हुई थीं। वैज्ञानिकों ने हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी की चट्टानों में रूथेनियम की जांच की। उन्होंने पाया कि यह रूथेनियम कोर से आया है, न कि मैन्टल से। इसका मतलब है कि कोर से कुछ धातुएं मैन्टल के रास्ते सतह तक पहुंच रही हैं। यह सोना और अन्य कीमती धातुएं जो हम आज खनन करते हैं, शायद कोर से ही आई हों। यह स्टडी बताती है कि पृथ्वी का कोर उतना अलग-थलग नहीं है, जितना पहले सोचा जाता था। कोर से गर्म चट्टानें और धातुएं मैन्टल के रास्ते ऊपर आ रही हैं। हवाई जैसे द्वीप इन्हीं गर्म चट्टानों के कारण बने हैं, जिन्हें मैन्टल प्लूम कहते हैं। यह प्लूम कोर-मैन्टल सीमा से शुरू होता है और सतह तक पहुंचता है, जिससे ज्वालामुखी बनते हैं। यह खोज न सिर्फ़ पृथ्वी के कोर के रहस्यों को खोलती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारे ग्रह का सोना और कीमती धातुएं कोर से सतह तक का लंबा सफर तय करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन के ऋण जाल में फंसे 75 देश, अब कर्ज चुकाने में निकल रहा दम

वाशिंगटन। दुनिया के कई गरीब देशों के लिए अब सिर्फ गरीबी नहीं, चीन का कर्ज भी संकट बनता जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंकटैंक लॉय इंस्टीट्यूट ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें खुलासा हुआ हैं कि इस साल 75 सबसे गरीब देशों को चीन को रिकॉर्ड स्तर की कर्ज किस्त चुकानी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने इन गरीब देशों को कुल 35 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज दे रखा है। ये कर्ज अब धीरे-धीरे आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि कूटनीतिक हथियार में बदल रहा है। रिपोर्ट में बताया कि ये देश अब उस मोड़ पर हैं, जहां उनकी अर्थव्यवस्थाएं स्थिर नहीं, बल्कि कर्ज चुकाने की चिंता में डूबती दिख रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि इतनी बड़ी रकम वापस करना इन देशों की विकास योजनाओं को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। पिछले एक दशक में चीन ने दर्जनों देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर प्रोजेक्ट और बंदरगाहों के लिए भारी निवेश किया। शुरुआत में यह निवेश आर्थिक सहयोग की तरह दिखा, लेकिन शर्तें इतनी सख्त थीं कि कई देश ऋण जाल में फंसते गए। श्रीलंका, जाम्बिया, पाकिस्तान और केन्या जैसे देशों के उदाहरण सामने हैं जहां चीन को कर्ज न चुका पाने के चलते रणनीतिक परिसंपत्तियों पर उसका कब्जा बढ़ा। श्रीलंका का हम्बनटोटा पोर्ट इसका उदाहरण है, इस 99 साल की लीज पर चीन को देना पड़ा।

मध्यपूर्व में शांति प्रयासों को झटकाः अमेरिकी दूत विटकॉफ ने हमास की प्रतिक्रिया को अस्वीकार्य बताया

वाशिंगटन/गाजा। गाजा संघर्ष के बीच चल रही संघर्षविराम वार्ताओं को लेकर अमेरिका ने हमास की

प्रतिक्रिया को पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। अमेरिका के मध्यपूर्व विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हमास के ताजा जवाब पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमास की प्रतिक्रिया हमें पीछे ले जाती है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, हमास को उस रूपरेखा को स्वीकार करना चाहिए जिसे हमने आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया है, ताकि इस सप्ताह से ही प्रॉक्सिमिटी टॉक्स (परोक्ष वार्ता) शुरू की जा सके। विटकॉफ ने यह भी कहा कि प्रस्तावित 60 दिन के संघर्षविराम के भीतर आधे जीवित बंधकों और मृतकों के शवों की वापसी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह एकमात्र रास्ता है जिससे हम सार्थक और सद्भावनापूर्ण स्थायी संघर्षविराम तक पहुंचने के प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले, हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने संघर्षविराम प्रस्ताव के जवाब में कुछ संशोधन सुझाए हैं। हमास ने यह स्पष्ट किया कि उसका जवाब स्थायी संघर्षविराम, इजराइली सेना की पूर्ण वापसी और मानवीय सहायता की अबाध आपूर्ति की मांगों के दायरे में है। प्रस्ताव के तहत हमास 10 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करने और 18 शवों को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते एक तय संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाए।

गाजा में 13 मई को सिलसिलेवार एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास नेता मुहम्मद सिनवारः आईडीएफ

तेल अवीव/गाजा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि बीते 13 मई को गाजा के दक्षिणी क्षेत्र

खान यूनिस में किए गए एक बेहद सटीक हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ नेता मुहम्मद सिनवार मारे गए। इस हमले में 30 सेकंड में 50 से अधिक बम गिराए गए थे। आईडीएफ के अनुसार, यह हमला खान यूनिस स्थित यूरोपीय अस्पताल के नीचे फैले हमास के भूमिगत सुरंग नेटवर्क और कमांड सेंटर को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में सिनवार के अलावा राफा ब्रिगेड के कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन के कमांडर महदी क्वारा भी मारे गए। सेना ने यह भी दावा किया कि सभी मिसाइलें सटीक थीं और अस्पताल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस पुष्टि के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल कात्ज ने एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अब यह आधिकारिक है कि हत्यारा मुहम्मद सिनवार, राफा ब्रिगेड प्रमुख मुहम्मद शबाना और उनके साथियों के साथ मारा गया। उसे अपने भाई के पास नर्क के दरवाजे पर भेज दिया गया। कात्ज ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के गाजा सिटी कमांडर इज्ज अल-दीन हद्दाद और विदेश में बैठे नेता खलील अल-हय्या तथा अन्य उनके साथी भी तैयार रहें, आप अगली पंक्ति में हैं।

दोस्त से खाया धोखा! चीन ने पाकिस्तान को थमाए हल्की क्वालिटी के हथियार

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में चीनी मिसाइलों को किया था ध्वस्त

बीजिंग, 01 जून (एजेंसियां)।

क्या चीन ने पाकिस्तान को घटिया हथियार देकर धोखा दिया है यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि चीन ने खुद मान लिया है कि उसने पाकिस्तान को हल्की क्वालिटी वाले हथियार दिए थे। बता दें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस जैसी ताकतवर और स्वदेशी मिसाइलों से पाकिस्तान पर हमला किया था। इससे दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अहसास हुआ। वहीं पाकिस्तान ने जवाब में चीन के हथियारों का इस्तेमाल किया, लेकिन वह भारतीय ठिकानों तक नहीं पहुंच सकी। चीन की मिसाइलें फेल हो गईं और उसकी साख को झटका लगा। अब दुनिया में उसके हथियारों की पोल खुलने के बाद चीन अब सफाई दे रहा है कि पाकिस्तान को जो मिसाइलें दी थीं, वे सिर्फ निर्यात के लिए बनी थीं, लेकिन जानकारों का मानना है कि यह बहाना सिर्फ डर छुपाने के लिए है। पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए चीन की पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल दागी थी, लेकिन वह निशाना चूक गई और भारत में गिर गई। अब उसका मलबा भारत के पास है और यही बात चीन को सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। वजह ये है कि अब चीन के दुश्मन देश उस मिसाइल की कमजोरियों को समझ सकते हैं। पीएल-15 मिसाइल जिसे चीन अपने सबसे ताकतवर हथियारों में से एक मानता है, अब सवालों के घेरे में है। वहीं सवाल यह भी है कि क्या चीन ने पाकिस्तान के साथ धोखा किया और उसे आधी-अधूरी टेक्नोलॉजी वाली मिसाइलें थमा दी या फिर वह अब अपनी इज्जत बचाने के लिए सफाई दे रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। जवाब में पाकिस्तान ने भारतीय ठिकानों पर भी हमले किए जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। इस दौरान पाकिस्तान ने चीन की पीएल-15 मिसाइल दागी, लेकिन मिसाइल का मलबा भारत के हाथ लग गया। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता से जब इस बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे चीन-पाकिस्तान की दोस्ती ही सवालों के घेरे में आ गई। चीन के प्रवक्ता ने कहा था कि ये तो बस निर्यात करने वाला माल है, जिसे पहले भी कई रक्षा प्रदर्शनियों में दिखाया गया है, लेकिन सवाल अभी भी वही है कि क्या चीन ने पाकिस्तान को 'नकली ताकत' दी या फिर वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि उसकी असली ताकत अभी 'पर्दे के पीछे' छिपी है चीन की यह मिसाइल मिलना एक बड़ी कामयाबी है। इस मलबे की खबर ने अब ताइवान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों की नींद उड़ा दी है। ताइवान तो खास तौर पर इस मलबे के पीछे पड़ा है, क्योंकि उसे हर दिन चीन के जे-20 और जे-10सी जैसे फाइटर जेट्स की धमकियां झेलनी पड़ती हैं। मलबे की रिवर्स इंजीनियरिंग करके पीएल-15 की ताकत और कमजोरियों का राज खुल सकता है, जो ताइवान और बाकी देशों के लिए 'जैकपॉट' साबित हो सकता है और चीनी की धमकियां फुस्सी बम की तरह साबित होंगी।

रूस ने साफ किया- न पाकिस्तान से दोस्ती है और न ही स्टील मिल का कोई समझौता किया

मास्को। पाकिस्तान के साथ रूस की 'बढ़ती दोस्ती' की खबरों पर मास्को ने सख्त नाराजगी जताते हुए उसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। रूस ने साफ किया कि कराची में स्टील मिल बनाने या पाकिस्तान से अरबों डॉलर के समझौते की बातें फर्जी और मनगढ़ंत हैं। मॉस्को का सीधा आरोप है कि पाकिस्तान ऐसे दावे फैलाकर भारत-रूस के गहरे रिश्तों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन ये प्रयास नाकाम और बचकाने हैं। पाकिस्तानी मीडिया में हाल ही में खबरें आई कि रूस और पाकिस्तान मिलकर फिर से औद्योगिक साझेदारी कर रहे हैं। जैसा कि 1970 के दशक में सोवियत संघ ने पाकिस्तान स्टील मिल्स के साथ किया था। रिपोर्ट्स में कहा गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के विशेष सहायक हारून अख्तर खान और रूसी प्रतिनिधि डेनिस नजरूफ के बीच 13 मई को इस्लामाबाद में बैठक हुई। जहां कराची में एक नई स्टील मिल के लिए 'संयुक्त कार्य समूह' बनाने की बात हुई। रूस ने अपने आधिकारिक बयान में यह भी इशारा किया कि भारत और रूस के बीच का रक्षा, व्यापार और सामरिक सहयोग पाकिस्तान की तुलना में कई गुना गहरा और टिकाऊ है।

शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं खास सेल्स

यरूशलम, 01 जून (एजेंसियां)।

शोधकर्ताओं ने इम्यून सिस्टम के ऐसे खास सेल्स खोजे हैं, जो शरीर को भोजन से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इस खोज से पता चला है कि हमारा शरीर खाने को कैसे हानिरहित मानता है और उस पर हमला क्यों नहीं करता। इसे 'ओरल टॉलरेंस' कहा जाता है, जो खाने से होने वाले सूजन और संक्रमण से बचाव करती है।

वाइजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के शोधकर्ताओं की यह खोज खाने से जुड़ी एलर्जी, संवेदनशीलता और सीलिएक रोग जैसे मामलों के नए इलाज खोजने में मददगार साबित हो सकती है। अब तक वैज्ञानिकों का मानना था कि 'डेंड्राइटिक कोशिकाएं' इस प्रक्रिया की जिम्मेदार होती हैं, लेकिन हाल के अध्ययन में यह पता चला कि जब इन कोशिकाओं को हटाया गया, तब भी शरीर भोजन को स्वीकार करता रहा। डब्ल्यूआईएस के शोधकर्ताओं ने एक नई कोशिका समूह 'आरओआर-गामा-टी कोशिकाएं' की पहचान की है, जो असल में इस प्रक्रिया को नियंत्रित करती हैं। ये दुर्लभ कोशिकाएं चार अलग-अलग प्रकार की कोशिकाओं को सक्रिय करती हैं, जो मिलकर शरीर की उन हमलावर कोशिकाओं (सीडी8 कोशिकाएं) को रोकती हैं, जो भोजन पर हमला कर सकती थीं।

इस प्रणाली के काम करने में कोई गड़बड़ी हो तो शरीर खाद्य एलर्जी या अन्य बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है, जैसे ग्लूटेन पर होने वाला हमला। शोध में यह भी पाया गया कि संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा प्रणाली अस्थायी तौर पर इस 'फूड टॉलरेंस' को दरकिनार कर सकती है ताकि सूक्ष्मजीवों से लड़ाई में सहायता मिल सके। शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रतिरक्षा प्रणाली में कार्यों का विभाजन पहले से कहीं अधिक जटिल है। डेंड्राइटिक कोशिकाएं हमेशा यह तय नहीं करतीं कि बाहरी तत्वों पर हमला करना है या नहीं। बल्कि, कुछ अन्य खास कोशिकाएं होती हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि हम भोजन को सुरक्षित रूप से ग्रहण कर सकें।

फ्रांस में सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान पर बैन, उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

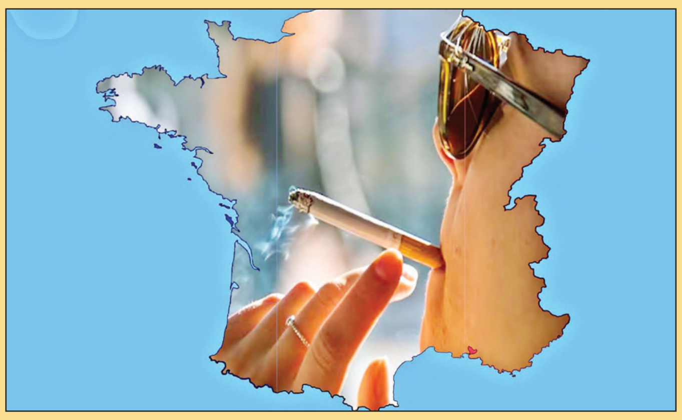

फ्रांस ने धूम्रपान के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए इसे समुद्री किनारों, पार्कों और स्कूलों के आस-पास बैन करने की घोषणा की है। फ्रांस की स्वास्थ्य और परिवार मंत्री ने धूम्रपान बैन की जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस के सभी आउटडोर जगहों पर जहां बच्चे आते-जाते हैं, वहां धूम्रपान बैन रहेगा। धूम्रपान पर यह रोक 1 जुलाई से लागू होगी। जुलाई महीने से फ्रांस के समुद्री किनारों, पार्कों, सार्वजनकि बागों, स्कूल के बाहर आस-पास वाले इलाकों, बस स्टॉप और स्पोर्ट्स वेन्यू पर धूम्रपान करना बैन हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांसीसी मंत्री ने कहा कि जहां बच्चे होते हैं, उन जगहों से तंबाकू को बिल्कुल गायब कर देना चाहिए। जब बच्चों के साफ हवा में सांस लेने की बात आती है तो धूम्रपान की आजादी खत्म हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैफे और बार के बाहरी इलाकों में स्मोकिंग की आजादी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई स्मोकिंग बैन के नियम का उल्लंघन करता है तो उस पर 153 डॉलर यानी 13,000 रुपये फाइन लगाया जाएगा।

पानी पानी चिल्ला रहे पाकिस्तान को यूएन में भारत ने कराया चुप, कहा-आप ही जिम्मेदार

जिनेवा,01 जून (एजेंसियां)।

यूएन के एक वैश्विक प्लेटफॉर्म पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पानी का रोना रोया था। उन्होंने कहा कि भारत पानी को भी हथियार बना रहा है। शहबाज शरीफ की बात का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, पाकिस्तान सिंधु जल संधि का जिक्र करके इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग करना चाहता है। उन्होंने कहा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे सद्भावना और मैत्री की भावना से संपन्न किया गया, और इस संधि का सद्भावपूर्वक सम्मान करना आवश्यक है।

ताजिकिस्तान में के दुशांबे में हिमनदों पर संयुक्त राष्ट्र के पहले सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिविर्धन सिंह ने स्पष्ट कहा है कि सबसे पहले पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का उल्लंघन किया था। उसने सीमा पार से आतंक और दहशतगर्दी करके इस संधि का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जिस फोरम में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया है उसका इससे कोई संबंध नहीं है। ऐसे में वह अंतरराष्ट्रीय संगठनों का भी सम्मान नहीं करता है। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि समय बदलने के साथ ही तकनीक, भूराजनीतिक और जलवायु में परिवर्तन हुआ है। ऐसे में इस संधि का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत थी। इसके अलावा पाकिस्तान जिस तरह से आतंकियों को पनाह दे रहा है और आतंकी गतिविधियों में शामिल है, उसके साथ नरमी नहीं बरती जा सकती।उन्होंने कहा, संधि का इतने लंबे समस से उल्लंघन करने वाले पाकिस्तान को भारत पर इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि पाकिस्तान भारत को सिंधु जल संधि का उल्लंघन करके लाखों लोगों की जान से खिलवाड़ नहीं करने देगा। जम्मू - कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने संधि को स्थगित करने समेत पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदमों की घोषणा की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता था।

ओवैसी खोल रहे आतंकियों की पोल, रहमान लखवी के कुकर्मों को किया उजागर

अल्जीयर्स, 01 मई (एजेंसियां)।

सांसद एवं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इन दिनों पाकिस्तान और आतंकियों पर न केवल जमकर बरस रहे हैं बल्कि उनकी पोल भी खोल रहे हैं। आतंकी रहमान लखवी को लेकर उन्होंने उसके कुकर्मों को उजागर किया है। उन्होंने शनिवार को अल्जीरिया में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला और पड़ोसी मुल्क को बेनकाब किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक आतंकवादी पाकिस्तान में आधिकारिक रूप से कैद रहने के दौरान ही पिता बन गया। उन्होंने आतंकवादी जकीउर रहमान लखवी के साथ पाकिस्तान के विशेष व्यवहार की ओर इशारा किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के विभिन्न देशों में भारत ने कुल सात डेलिगेशन पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भेजे हैं। उनमें से एक में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल हैं। ओवैसी ने कहा, जकीउर रहमान लखवी नाम का एक

आतंकवादी था। दुनिया का कोई भी देश आतंकवाद के आरोप का सामना कर रहे आतंकवादी को जेल से बाहर आने की अनुमति नहीं देगा। लेकिन वह जेल में बैठे-बैठे ही एक बेटे का पिता बन गया। हालांकि, जब पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाल दिया गया तो मुकदमा तुरंत आगे बढ़ गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अंतरराष्ट्रीय दबाव ने पाकिस्तान को कुछ समय के लिए कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया था। असदुद्दीन ओवैसी ने उम्मीद जताई कि अगर पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में वापस रखा जाता है तो भारत में आतंकवादी घटनाओं में कमी आएगी। ओवैसी ने चेतावनी दी कि यह मुद्दा अब केवल एक क्षेत्रीय चिंता नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, यह केवल दक्षिण एशिया का सवाल नहीं है। हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। क्या होगा क्या आप चाहते हैं कि यह सारा नरसंहार दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में फैल जाए। आतंकवाद के मुख्य प्रायोजक पाकिस्तान पर नियंत्रण करना विश्व शांति के हित में है। इसे एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में वापस लाना होगा। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद दो चीजों पर जीवित रहता है। विचारधारा और पैसा। विचारधारा आप अच्छी तरह जानते हैं। आपने काला दशक देखा है। यहां तक कि दक्षिण अल्जीरिया में भी आपको अभी भी कुछ समस्याएं हैं। हम एक साथ हैं। उन्होंने कहा, एक बार जब आप पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में वापस लाएंगे, तो हम भारत में आतंकवाद में कमी देखेंगे। हम हत्याओं में कमी देखेंगे। हमारे पास 2018 का अनुभव है जब अल्जीरिया और अन्य देशों ने भारत की मदद की थी। पाकिस्तान की विचारधारा, दाइश और अल-कायदा से मेल खाती है।ओवैसी ने पाकिस्तान की विचारधारा को वैश्विक आतंकी संगठनों से जोड़ते हुए कहा, पाकिस्तान तकफीरी विचारधारा का केंद्र है। पाकिस्तान के आतंकी संगठनों और दाइश या अल-कायदा की विचारधारा में कोई अंतर नहीं है। ये सोचते हैं कि इन्हें धार्मिक अनुमति है, जो सरासर गलत है। बता दें कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमला था। इसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों के 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्षीर भवानी मेले में लगेगा हजारों का जमघट

जम्मू, 01 जून (ब्यूरो)।

देशभर से श्रद्धालु माता की भवानी के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। यह मेला 3 जून को सम्पन्न होगा। ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत प्रशासन ने इतने बड़े आयोजन की इजाजत भी दी है और तैयारियां भी की हैं। आज सुबह जम्मू से भी कड़ी सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं का जत्था कश्मीर के लिए रवाना हुआ। यह मेला सिर्फ धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि विस्थापित समुदाय के लिए अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर भी होता है।

क्षीर भवानी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि यह एक ऐसा मौका होता है जब वे अपनी आराध्य देवी के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन पर असर पड़ा है, लेकिन इस यात्रा से उम्मीद की जा रही है कि हालात सामान्य होंगे और श्रद्धा के साथ-साथ पर्यटन भी फिर से रफ्तार पकड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में इतना बड़ा धार्मिक मेला हो रहा है। 1990 के दशक में आतंकवाद के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों के लिए यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक पुनर्संयोजन का प्रतीक बन गई है।

श्रद्धालुओं ने कहा कि वे केवल माता भवानी में ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत की शांति व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। मुश्किल हालात के बावजूद कश्मीरी पंडितों की आस्था डगमगाई

नहीं है। माता के प्रति उनका समर्पण पहले की तरह मजबूत है। वे मानते हैं कि सरकार और सुरक्षा बलों ने यात्रा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंध किए हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार का डर नहीं है। प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ (मई-जून) के अवसर पर मंदिर में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाता है। यहां मई के महीने में पूर्णिमा के आठवें दिन बड़ी संख्या में भक्त एकत्रित होते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस शुभ दिन पर देवी के कुंड का पानी बदला जाता है। ज्येष्ठ अष्टमी और शुक्ल पक्ष अष्टमी इस मंदिर में मनाए जाने वाले कुछ प्रमुख त्यौहार हैं।

प्रशासन का कहना है कि इस यात्रा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। यात्रियों के रहने, खाने और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई है। हजारों सालों से चल रही इस धार्मिक परंपरा के लिए इस बार भी श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। जो कश्मीरी पंडित इस बार तुलमुला स्थित क्षीर भवानी के मंदिर में पूजा अर्चना के लिए नहीं जा सके वे जम्मू में बनाए गए माता राघेन्या के मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। क्षीर भवानी में तीन जून को हजारों कश्मीरी पंडित और मुस्लिम जुटेंगे।

ज्येष्ठ अष्टमी पर जम्मू के भवानी नगर स्थित माता राघेन्या के मंदिर में भी क्षीर भवानी मेला लगता है। जो लोग कश्मीर नहीं जा पाते, वे यहां पर आकर हाजिरी लगाते हैं। यहां पर मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूरे मंदिर परिसर को सजाया गया है। जहां पर जलाए जाने के लिए सैकड़ों दीपों का बंदोबस्त किया गया है। पनुन कश्मीर के प्रधान वीरेंद्र रैना ने कहा कि 1990 में जब वादी से विस्थापित होकर कश्मीरी पंडित जम्मू में आए तो उन्होंने ही भवानी नगर में माता क्षीर भवानी का मंदिर बनाया और अब हर साल यहां मेला लगता है।

कश्मीर के हिंदू समुदाय की आस्था का स्रोत है क्षीर भवानी

जम्मू, 01 जून (ब्यूरो)।

मां क्षीर भवानी मंदिर श्रीनगर से 27 किलोमीटर दूर तुलमुल्ला गांव में स्थित है। यह मंदिर कश्मीर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। मां दुर्गा को समर्पित इस मंदिर का निर्माण एक बहती हुई धारा पर किया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चिनार के पेड़ और नदियों की धाराएं हैं, जो इस जगह की सुंदरता पर चार चांद लगाते हुए हैं। यह मंदिर, कश्मीर के हिंदू समुदाय की आस्था की सनद है। महाराग्य देवी, रग्न्या देवी, रजनी देवी, रग्न्या भगवती इस मंदिर के अन्य प्रचलित नाम हैं। इस मंदिर का निर्माण 1912 में महाराजा प्रताप सिंह द्वारा करवाया गया जिसे बाद में महाराजा हरी सिंह द्वारा पूरा किया गया। मंदिर की एक खास बात यह है कि यहां एक षट्कोणीय झरना है, जिसे यहां के मूल निवासी देवी का प्रतीक मानते हैं। मंदिर से जुड़ी एक प्रमुख किंवदंती है कि सतयुग में भगवान श्री राम के निर्वासन काल में यही मंदिर उनका पूजा और ध्यान स्थल था। निर्वासन समाप्त होने के बाद भगवान राम ने भक्त हनुमान को आदेश दिया कि वे देवी की मूर्ति स्थापित करें। हनुमान ने भगवान राम के आदेश का पालन किया और इस स्थान पर देवी की मूर्ति स्थापित की। इस मंदिर के नाम से ही स्पष्ट है यहां क्षीर अर्थात खीर ही विशेष प्रसाद है। यहां के स्थानीय लोगों की मान्यता है कि अगर यहां झरने का पानी सफेद से काला हो जाए तो पूरे क्षेत्र में विपदा आती है।

राहुल गांधी को कोर्ट से झटका खारिज की गई याचिका

मूल केस से ध्यान हटाने की कोशिश न करें

पुणे, 01 जून (एजेंसियां)।

पुणे की अदालत ने शनिवार 31 मई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अर्जी खारिज कर दी। इस अर्जी में राहुल ने सात्यकि सावरकर की मां की पारिवारिक जानकारी मांगी थी।

राहुल गांधी का कहना था कि सात्यकि ने अपनी पिता का पारिवारिक विवरण तो दिया है, लेकिन मां का नहीं, जो इस मामले में जरूरी है। इस अर्जी को खारिज करते हुए अदालत ने कहा है कि यह मामला राहुल गांधी के लंदन में दिए गए भाषण से जुड़ा है, किसी के पारिवारिक विवरण से नहीं। लिहाजा, वे केस से कोर्ट का ध्यान हटाने की कोशिश न करें।

राहुल गांधी ने 2023 में एक भाषण में कहा था कि वीर सावरकर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक मुस्लिम व्यक्ति को पीटा था और इससे उन्हें बहुत खुशी हुई थी। राहुल गांधी के इस बयान पर सात्यकि सावरकर ने इसे वीर सावरकर को बदनाम करने वाला बयान बताते हुए राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। यह मामला उसी से संबंधित है।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले का ट्रायल चलता रहेगा

हाईकोर्ट ने लालू यादव को नहीं दी कोई राहत

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में उनकी याचिका खारिज करते हुए उन्हें कोई राहत नहीं दी है। साथ ही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से भी इन्कार कर दिया है।

जस्टिस रविंदर दुदेजा की सिंगल बेंच ने अंतरिम आदेश में कहा कि मामले की मुख्य सुनवाई 12 अगस्त को होगी। कोर्ट ने लालू यादव की मुख्य याचिका पर नोटिस जारी कर छह हफ्तों में जवाब मांगा है। लालू यादव की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पैरवी की।

उन्होंने दलील दी कि इस केस में सीबीआई ने बिना आवश्यक वैधानिक अनुमति के जांच शुरू की, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है।

सीबीआई का आरोप है कि 2004 से 2009 के दौरान रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव ने ग्रुप-डी की नियुक्तियों के बदले अपने परिवार को बेहद कम कीमत पर जमीनें ट्रांसफर करवाईं। अब कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई जांच जारी रखेगी और ट्रायल कोर्ट में सुनवाई भी चलती रहेगी

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 295 पुलिसकर्मियों का प्रमोशन

बस्तर संभाग में तैनात जवानों को मिला विशेष लाभ

बस्तर, 01 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर बस्तर संभाग में तैनात 295 पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया है। यह आदेश राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने जारी किया। प्रमोशन पाने वाले अधिकतर जवान बस्तर संभाग के सात जिलों दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, सुकमा और कांकेर में तैनात हैं। प्रमोशन पाने वालों में 206 कांस्टेबल, 37 हेड कांस्टेबल, 15 एएसआई, 16 एसआई, 3 प्लाटून कमांडर, 6 कंपनी कमांडर, और 12 सहायक प्लाटून कमांडर शामिल हैं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह विभाग प्रभारी विजय शर्मा ने प्रमोशन पाने वाले पुलिसकर्मियों को बधाई दी। शर्मा ने कहा कि जवानों के साहस और समर्पण ने बस्तर में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

149 बांग्लादेशी पकड़े गए, वापस भेजने का क्रम जारी

पलवल, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पलवल से पुलिस ने अवैध तरीके से रह रहे 19 बंग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। इनमें आठ पुरुष, सात महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक सुंदर पाल की टीम को जांच के दौरान ये सभी थाना क्षेत्र के ईंट-भट्ठों पर काम करते मिले थे। इन सभी को पुलिस लाइन में शेल्टर बनाकर रखा गया है। पुलिस इनसे बरामद हुए दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि ये सभी भारत में कैसे घुसे।

जिला पुलिस द्वारा अब तक अलग-अलग स्थानों से कुल 149 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया है। इनके डिपोर्टेशन की प्रक्रिया भी लगातार जारी है। पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे अपने घर पर काम करने वाले लोगों की पूरी जानकारी अवश्य रखें और उनका पुलिस सत्यापन भी कराएं।

महिला को मिली सरोगेट मां बनने की मंजूरी

अंधाधुंध चल रहा है सरोगेट मां बनने का धंधा

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक महिला को सरोगेट मां बनने की अनुमति मिली है। उसे कुछ तयशुदा नियम मानने होंगे। स्वास्थ्य विभाग के परीक्षण में दंपति के अनफिट मिलने पर सरोगेट मां बनने की अनुमति मिली है। इससे पहले आए कई आवेदन में खामियां पाने के बाद उन्हें खारिज कर दिया गया था। सीएमओ और डीएम आफिस से सेरोगेट मां बनने की अनुमति मिली। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है सरोगेसी के लिए दिसंबर माह में आवेदन आया था। सभी औपचारिकताएं पूरी कराने बाद अनुमति दी गई है। जबकि असलियत है कि लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में सरोगेट मां बनने का धंधा खूब फलफूल रहा है। स्वास्थ्य विभाग को इसकी पूरी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई से अधिक प्राथमिक धंधेबाजों से मोटा धन वसूलना रह गया है।

लखनऊ में रहने वाले एक परिवार ने सेरोगेट मां बनने के लिए तैयार महिला को लेकर आवेदन किया था। आवेदक की पत्नी की बच्चेदानी निकाली जा चुकी है। ऐसी दशा में दंपति ने किराए की कोख लेने का निर्णय लिया। आवेदक ने अपने पत्र में कहा कि उनकी पत्नी गर्भधारण नहीं कर सकती है। लिहाजा सरोगेसी के लिए इजाजत दी जाए। डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने दंपति के स्वास्थ्य परीक्षण करके उन्हें गर्भधारण के लिए अनफिट कर दिया था। दंपति ने सरोगेट मां का चयन कर लिया है। सेरोगेट मां के सभी दस्तावेज सीएमओ ऑफिस में जमा किए गए थे। स्वास्थ्य विभाग ने सरोगेट मां का स्वास्थ्य परीक्षण कराया था। सरोगेट मां के स्वस्थ पाए जाने पर उन्हें सरोगेसी की अनुमति लिए फाइल डीएम पास भेजी गई थी, जहां से औपचारिक अनुमति मिल गई।

सरोगेसी अधिनियम सख्ती से लागू करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी गठित है। इसमें डीएम अध्यक्ष, सीएमओ सचिव, केजीएमयू के गायनेकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष, संयुक्त निदेशक अभियोजन शामिल होते हैं। यह कमेटी किराए की कोख लेने वाले आवेदक का दस्तावेज की जांच करती है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है। अंग प्रत्यारोपण की तर्ज पर ही किराए पर कोख लेने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होती हैं। लेकिन यह तो नियम की बात हुई।

गोरखपुर में दो बड़ी कंपनियों का डेटा हैक

अपराधियों ने क्रिप्टोकरेंसी में मांगी फिरौती

गोरखपुर, 01 जून (एजेंसियां)।

साइबर अपराधियों ने गोरखपुर जिले की दो बड़ी कंपनियों का डेटा हैक कर लिया है। रामरायका मार्केटिंग और गौरी ट्रेडिंग कंपनी के सर्वर को हैक करने वाले साइबर अपराधियों ने क्रिप्टो करंसी में फिरौती मांगी है। हैकर्स ने सर्वर पर संदेश दिया है कि अगर उन्हें फिरौती नहीं मिली तो डेटा को नष्ट कर देंगे। इससे पहले ही साइबर एक्सपर्ट और कंपनी की आईटी टीम ने पुराने डेटा की पूरी फाइल ही डिलीट करवा दी है। अब नई फाइल तैयार की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, कंपनी के मालिक ने परिवार के सभी आईडी प्रूफ, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, पैन, जीएसटी सर्टिफिकेट और कार की आरसी का एक फोल्डर बनाया था। इसके अलावा फर्म के खरीदार, व्यापार के साझेदारों की भी एक फोल्डर फाइल की बनाकर सिस्टम पर रखी थी। हैकर ने सिस्टम से पूरी फाइल का डेटा ही हैक कर लिया है। इसके दुरुपयोग की आशंका जताते हुए दोनों कंपनियों के मालिक कैंट इलाके के हरिओमनगर निवासी संजय रामरायका मरैका ने साइबर थाने में तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। साइबर विशेषज्ञ हैकर का पता लगाने में जुट गए हैं। विशेषज्ञ के मुताबिक, गोरखपुर में इस तरह पहला मामला सामने आया है, जिसमे एफआईआर दर्ज की गई है।

संजय रामरायका ने बताया कि उनकी दोनों कंपनियां ऑयल व शुगर की खरीद-फरोख्त का काम करती है।

सर्वर पर रैनसमवेयर अटैक हुआ है। इसके कारण कंपनी का पूरा डेटा करप्ट हो गया। 29 मई की सुबह कंपनी की आईटी टीम ने आंतरिक सर्वर सिस्टम में हैकर्स की इंट्री का पता लगाया। जांच करने पर पाया गया कि पूरे डेटा को मलेशियर सॉफ्टवेयर की ओर से करप्ट किया गया है। साइबर अपराधियों की ओर से एक फिरौती संदेश सर्वर पर छोड़ा गया है, जिसमें क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की मांग की गई है। इसके बदले में वह डिक्रिप्शन कमांड (जिससे डाटा खुल जाएगा) देने को कहे हैं। व्यापारी का कहना है कि इस हमले के कारण कंपनी का आर्थिक से लेकर सभी कामकाज प्रभावित हो गए हैं।

रैनसमवेयर को साइबर की दुनिया में टॉप लेवल का स्कैम कहा जाता है। इसमें किसी भी कंप्यूटर के सिस्टम में हैकर सीधे इंट्री करते हैं और फाइल के डेटा को इन्क्रिप्ट (किसी फाइल को एक कोड में लॉक कर देना) कर देते हैं। इसे डिक्रिप्ट (अनलॉक) करने के लिए एक की कोड की जरूरत पड़ती है, जो हैकर खुद इसे बनाता है। बिना इस की कोड के इन्क्रिप्ट डाटा डिक्रिप्ट नहीं हो सकता।

हैकर ने ऐसे ही व्यापारी के डाटा को भी कोड में बदलकर हैक करते हुए लॉक कर दिया और कोड जेनरेट करने और देने के उसे देने के लिए व्यापारी से फिरौती की मांग कर रहे थे। इंक्रिप्टेड डाटा हो जाने से सिस्टम का पूरा डाटा हैकर के पास चला जाता और फाइल दिखती है, लेकिन खुलती नहीं है।

साइबर टीम के मुताबिक, व्यापारी पाम ऑयल का व्यापार करते हैं। बाहर से पाम ऑयल मंगवा कर ये दूसरे व्यापारियों(कस्टमरों) को देते थे। इन व्यापारियों का पूरा डाटा, जिसमें खरीद, क्षमता, भुगतान, बकाया, सेंटर और नाम के साथ मोबाइल नंबर और बैंक की डिटेल भी थी। हालांकि, समय समय पर आईटी टीम डाटा को व्यापार के मुताबिक अपडेट करती थी, जिस वजह से डाटा बहुत अधिक था नहीं। ये पूरी डिटेल टैली सॉफ्टवेयर पर बनाकर सिस्टम पर रखे थे। इसी पूरे डेटा को रैनसमवेयर,वांट टू क्राई से अटैक कर हैकर ने अपने कंट्रोल में लिया था।

साइबर एक्सपर्ट उपेन्द्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी संदिग्ध लिंक के संपर्क में आने से ऑनलाइन (डिजिटल) जानकारियां हैकर के पास चली जारी हैं। कुछ ऐसा ही इस केस में भी हुआ होगा। जांच चल रही है। लेकिन, ये ऐसा पहला मामला आया है। व्यापारी संजय ने बताया कि व्यापारी को लेकर उनकी तरफ से लगातार सतर्कता बरती जाती थी।

लेकिन, अब ये घटना हो गई तो और सतर्क रखने की जरूरत है। जो बिल से सम्बंधित रिकार्ड थे, वो प्रिंटेड थे और रिकार्ड में सुरक्षित भी रखे थे। उन्हें फिर से सिस्टम में चढ़ाया जा रहा है। सभी डाटा सुरक्षित रखते हुए फिर से उसे संरक्षित कर लिया जाएगा। बाकी जो डेटा हैक किया था उसे टीम और साइबर टीम के सहयोग से पूरी तरह डिलीट करवा कर नेटवर्क के।सिस्टम को फिर से अपडेट करवा दिया गया है।

कानपुर मेडिकल कॉलेज में 21 करोड़ की हेराफेरी पकड़ी गई

कानपुर, 01 जून (एजेंसियां)।

कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद में भारी घोटाले का पर्दाफाश हुआ है।

कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद से लेकर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने में करोड़ों की हेराफेरी हुई है। मार्च 2021 से मार्च 2024 के बीच 2176.09 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान कार्यदायी संस्थाओं को किया गया है। यह खुलासा ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के आधार पर

उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक सर्जरी विभाग में आठ मॉड्यूलर ओटी का निर्माण 1627.77 लाख की लागत से कराया गया। इसमें 146.69 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किया गया। पीएमएसएसवाई योजना में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में उपकेंद्र के निर्माण में भी 150.16 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए हैं। अग्नि सुरक्षा के उपकरण उच्च दर पर खरीदे गए। इसके एवज में तय दर से 138.45 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपकरणों की खरीद एसजीपीजीआई की दर पर करने का निर्देश थे, लेकिन न्यूरो सर्जरी व अन्य विभागों में इनकी खरीद उच्च दर पर की गई है और 86.77 लाख रुपए अतिरिक्त भुगतान किए गए। इसी तरह 50 बेड के प्राइवेट वार्ड में सेंट्रल गैस पाइप लाइन लगाने में कार्यदायी संस्था को 26.24 लाख रुपए अतिरिक्त दिए गए। पूरे मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करके जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि फार्मेसी भवन एवं छात्रावास के जीर्णोद्धार का कार्य समय से पूरा नहीं होने से करीब 217.85 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। छात्रावास में नए फर्नीचर की आपूर्ति नहीं की गई। छात्रावास की टाइल्स टूट गई और बारिश में छत से पानी टपकता है। कई अन्य खामियां हैं जिन्हें अब तक दूर नहीं किया जा सका है।

मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता ने खोला सफलता का राज

थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी ने मिस वर्ल्ड 2025 का ताज अपने नाम किया। उन्होंने अपनी जीत का मंत्र साझा करते हुए बताया कि 'धैर्य' और 'दृढ़ संकल्प' ही वो दो शब्द हैं, जिनके चलते वह सफलता हासिल कर पाई हैं। इस साल मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन हैदराबाद के तेलंगाना में किया गया। ग्रैंड फिनाले में चुआंगसरी ने वाइट कलर का गाउन पहना था, जिस पर ओपल जैसे फूल बने हुए थे। चेक गणराज्य की मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने अपना ताज नई मिस वर्ल्ड को सौंपा। यह थाईलैंड की पहली बड़ी ब्यूटी पेजेंट जीत है।

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद चुआंगसरी ने मीडिया से बात की।

अपनी सफलता का राज बताते हुए उन्होंने मीडिया से कहा, हमेशा खुद पर भरोसा रखो। अपनी असली सोच और मान्यताओं पर डटे रहो। मैं आज यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने अपने फोकस को बनाए रखा और खुद पर भरोसा रखा। साथ ही, अपने आप से प्यार करना कभी मत भूलो। उन्होंने आगे कहा, यह हमेशा आसान नहीं होता, कभी-कभी बहुत थकावट होती है और हिम्मत टूट जाती है। लेकिन अगर आप हार नहीं मानेंगे, तो आप एक दिन मंजिल तक जरूर पहुंच ही जाएंगे।

आपको बता दें कि मिस वर्ल्ड 2025 में दुनियाभर से करीब 108 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। भारत की ओर से मॉडल नंदिनी गुप्ता ने इसमें हिस्सा लिया। हालांकि, वे मिस वर्ल्ड 2025 के खिताब की दौड़ में टॉप-20 तक ही जगह बना पाई। मिस वर्ल्ड के फिनाले की होस्ट मिस वर्ल्ड 2016 रह चुकीं स्टेफनी डेल वैले ने की। उन्होंने इवेंट में पारंपरिक भारतीय लहंगा पहना था। इवेंट में जैकलीन फर्नांडीज और ईशान खट्टर ने भी प्रस्तुति दी। 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में जज के तौर पर सोनू सूद शामिल थे, उन्हें ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड भी दिया गया। भारत में अब तक तीन बार मिस वर्ल्ड की प्रतियोगिता आयोजित की जा चुकी है। अब तक सबसे ज्यादा खिताब जीतने वालों में भारत सबसे आगे है। भारत ने 6 बार ये खिताब जीता है। आखिरी बार इसे जीतने वाली भारत मानुषी छिल्लर थीं।

जब कैटरीना को दिल पर लग गई थी सलमान खान की ये बात, जो कहा वो 5 साल बाद सच करके दिखाया

सलमान खान और कैटरीना कैफ ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में साथ काम किया है। दोनों ने रील लाइफ के साथ ही अपने अफेयर के चलते रियल लाइफ में भी खूब सुर्खियां बटोरीं। दोनों की साथ में ज्यादातर फिल्में सफल रही हैं। हालांकि एक बार सलमान ने कैटरीना को काफी कम आंका था और सलमान की वो बात कैटरीना के दिल पर लग गई थी। तब एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कह दिया था जो आगे जाकर सच भी साबित हुआ।

सलमान की इस फिल्म में काम करना चाहती थीं कटरीना

कैटरीना कैफ अभिनेता नील नीतिन मुकेश के साथ एक बार सलमान खान के टीवी शो 'दस का दम' में पहुंची थीं। तब नील ने कैटरीना से सवाल किया था कि सलमान कि किस फिल्म में आप सलमान की हीरोइन बनना चाहती थीं? कटरीना ने इस पर कहा था- 'खामोशी'। लेकिन सलमान ने कटरीना की काबिलियत पर शक किया था और कहा था कि क्या वो साइन लैंग्वेज वाली फिल्म कर लेंगी। कैटरीना ने हां कहा तो फिर सलमान ने कहा था गुड चॉइस। खामोशी 1996 में रिलीज हुई थी। जिसमें सलमान के साथ मनीषा कोइराला, नाना पाटेकर ने काम किया था।

सलमान बोले- 5 साल बाद मेरी मां का रोल करोगी

इसके बाद नील नीतिन मुकेश ने सलमान से सवाल किया था कि कटरीना की एक ऐसी फिल्म जिसमें आप हीरो बनना चाहते थे? इस पर सलमान ने कहा था कोई फिल्म नहीं। कटरीना को सलमान की ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। इसके बाद एक्ट्रेस ने कहा था, ये सवाल मुझसे पांच

साल बाद पूछना। इस पर सलमान ने कहा था पांच साल बाद आप पिक्चरों में मेरी मां का रोल करोगी। लेकिन फिर जो हुआ वो सबके सामने है।

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं सलमान-कटरीना

सलमान खान ने कभी कैटरीना की किसी फिल्म में उनके हीरो बनने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। हालांकि बाद में वो कटरीना के साथ कई फिल्मों में नजर आए। दोनों ने पहले 'पार्टनर', 'मैंने प्यार क्यों किया', और 'युवराज' जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके बाद ये जोड़ी 'भारत', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'टाइगर 3' जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आई।

शालिनी पांडे ने कसोल में शुरू की फिल्म राहु केतू की शूटिंग

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के बाद अब हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शहर कसोल में अपनी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर करके फैंस को सेट से झलक दिखाई। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए शालिनी ने कैप्शन में लिखा, मेरी आने वाली फिल्म के सेट से मीनू से मिलिए। आपसे जल्द मीनू की मुलाकात करवाने की इच्छा है, मिलने का इंतजार नहीं कर सकती! अभिनेता पुलकित स[...] अप्रैल को 'राहु केतू' की शूटिं[...] चुके हैं। सोशल मीडिया पर[...] कर उन्होंने प्रशंसकों को [...] में जानकारी दी थी।

उन्होंने बताया [...] राहु-केतू सही जग[...] हैं, क्योंकि तारे भी [...] लाइन पे लग[...] चुके हैं। [...] शेयर की गई तस्वीरों में से एक में वह हाथ में क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं, तो दूसरी में टीम के साथ फोटो खिंचवाते नजर आए। पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, तारे भी लाइन पे लग गए क्योंकि हमारे राहु-केतू बिल्कुल सही जगह हैं! तैयार हो जाओ, हम तुम्हारी कुंडली में प्रवेश करने वाले हैं! 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू, सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। पुलकित ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रोजेक्ट 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू होने से पहले कई तस्वीरें और वीडियोज भी शेयर किए थे। क्लिप में सम्राट टीम के साथ शूटिंग [...]हले मुहूर्त पूजा करते नजर आए। [...]रुण शर्मा और शालिनी पांडे

भी दिखीं। जी स्टूडियोज ने सोशल मीडिया पर राहु केतू के सेट से कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और पोस्ट को कैप्शन दिया, कुछ लोग इसे भाग्य कहते हैं, हम इसे राहु-केतू का खेल कहते हैं और ये आपके जीवन में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे, शूटिंग अब शुरू होती है।

विपुल विग के निर्देशन में बन रही 'राहु केतू' में शालिनी पांडे, पुलकित सम्राट के साथ वरुण शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। सम्राट और वरुण की जोड़ी हिट कॉमेडी 'फुकरे' में साथ काम कर चुकी है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'राहु केतू' के अलावा, शालिनी पांडे के पास धनुष के साथ 'इडली कढ़ाई' भी है।

पिता की जयंती पर भावुक हुए महेश बाबू, कहा

आपने हमेशा गाइड किया

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार महेश बाबू ने शनिवार को अपने दिवंगत पिता और मशहूर अभिनेता, निर्माता-निर्देशक घट्टामनेनी शिवराम कृष्ण को याद किया। उनकी 82वीं जयंती पर पोस्ट करते हुए महेश बाबू ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को रोशनी के साथ निर्देशि[...] किया। महेश बाबू ने इंस्टाग्राम पर दिवंगत पिता के युवा समय [...] ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ एक भाव[...] नोट भी था, जिसमें उन्होंने लिखा, हमेशा आपकी रोश[...] निर्देशित। जन्मदिन मुबारक हो, नन्ना! आप दिलों में हमेश[...] रहेंगे।

कृष्णा के नाम से मशहूर, तेलुगू के अभिनेता ने 19[...] फिल्म 'तेने मनासुलु' से फिल्मी करियर की शु[...] इसके बाद उन्होंने कई ड्रामों में काम किया। व[...] फिल्मों में अभिनय करने के अलावा, निर्देशक औ[...] में भी सफल थे। 15 नवंबर, 2022 को हैदराबाद में दि[...] पड़ने से उनका निधन हो गया था।इससे पहले 20 अप्रैल को [...] बाबू ने अपनी दिवंगत मां इंदिरा देवी की जयंती पर पोस्ट किया था। पो[...] में उन्होंने लिखा था, मिस यू अम्मा। वर्कफ्रंट की बात करें तो महेश बाबू फिलहाल एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'एसएसएमबी29' की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के अनुसार, अनटाइटल्ड फिल्म में महेश बाबू पवनपुत्र हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे।

महेश बाबू के साथ फिल्म में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में

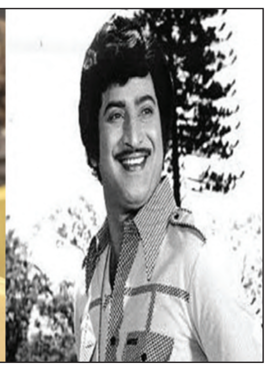

महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को 900-1,000 करोड़ रुपए के बड़े बजट से बनाया जाएगा। 'एसएसएमबी29' को दो भागों में बनाए जाने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन प्रोजेक्ट के कलाकारों और क्रू के बारे में अभी तक निर्माताओं ने ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

साल 2025 का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है : साक्षी मडोलकर

तेज़ी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी। ये रोल्स ना सिर्फ उनकी एक्टिंग की रेंज दिखाएंगे, बल्कि ये भी साबित करेंगे कि साक्षी अब सिर्फ उभरती नहीं, खुद की सीमाएं तोड़ने वाली कलाकार बन चुकी हैं।साक्षी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सबसे पहला है नोक नोक, कौन है , जो एक डर और रहस्य से भरी नई वेब सीरीज़ है। इसे सनशाइन प्रोडक्शंस ने बनाया है और ये जल्द ही अमेजन पर रिलीज़ होने वाली है। इस सीरीज़ में साक्षी सिम्मी नाम की एक लड़की का रोल निभा रही हैं, जो एक ऐसे खौफनाक जाल में फंस जाती है जहां एक ऐप, एक ख्वाहिश और एक खूनी की मौजूदगी सब कुछ उलट-पलट कर देती है। ये कहानी डर और सस्पेंस से भरी होगी, और साक्षी इसमें एक अलग ही रूप में नजर आएंगी।साक्षी ने कहा, इस साल का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है और मैं इसका हर लम्हा एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा, सिम्मी का किरदार निभाना मेरे लिए एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उम्मीद नहीं थी, ये रोल इमोशनली बहुत गहरा था, दिमागी तौर पर तगड़ा और हर सीन ने मुझ पर अपनी छाप छोड़ी।इस प्रोजेक्ट को गंभीर और पेचीदा बताते हुए साक्षी ने इशारा किया कि नोक नोक, कौन है, कोई आम थ्रिलर नहीं है। यह ऐसी कहानी है जो रातों की नींद उड़ा दे और सिम्मी इस पूरे तूफान के बीचोंबीच है।लेकिन सस्पेंस यहीं खत्म नहीं होता। नोक नोक, कौन है के बाद साक्षी अब एकदम अलग माहौल और जॉनर में नजर आने वाली हैं अपने अगले प्रोजेक्ट मोगली में। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म में साक्षी निभा रही हैं जैस्मिन का किरदार, जो सीधा ले जाएगा दर्शकों को जंगली, अनछुए और खतरनाक जंगलों की दुनिया में।एक तूफान खत्म होते ही मैं सीधा जंगल की ओर बढ़ रही हूं! साक्षी ने मुस्कुराते हुए कहा। जैस्मिन का किरदार मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है, इसमें कई परतें हैं और इसने मुझे खुद के एक नए रूप से मिलवाया है।

एक तरफ जहां सिम्मी के रूप में मुझे एक कातिल से जूझना पड़ा, वहीं जैस्मिन के रूप में मुझे जंगली हालातों में खुद को जिंदा रखना है। ये दो बिलकुल अलग दुनियाएं हैं और मुझे मज़ा आ रहा है इन दोनों छोरों को जीने में।एक पैर सस्पेंस से भरे साइकोलॉजिकल थ्रिलर में और दूसरा हाई-स्पेक्स सर्वाइवल ड्रामा में रखते हुए, साक्षी मडोलकर का ये साल बिल्कुल आम नहीं होने वाला। चाहे वो टेक्नोलॉजी से जुड़ी डरावनी दुनिया के रहस्यों में खो जाएं या फिर प्रकृति के बीच जंगली हालात से लड़ रही हों, वह ऐसी कहानियों में पूरी जान लगा रही हैं, जो इमोशनल और फिजिकल दोनों तरह की ताकत मांगती हैं। अगर साक्षी की ये परफॉर्मेंस वाकई उनकी बातों जैसी होंगी, तो दर्शकों के लिए एक ज़बरदस्त और यादगार सफर होने वाला है।

जून में होगा निर्जला एकादशी व्रत और गुप्त नवरात्रि

जून में कई व्रत और त्योहार आने वाले हैं। इस महीने गंगा दशहरा से लेकर जगन्नाथ रथ यात्रा तक कई व्रत और त्योहार आएंगे। इस महीने निर्जला और योगिनी एकादशी मनाई जाएगी। इसके साथ ही जून में संकष्टी चतुर्थी, ज्येष्ठ पूर्णिमा और आषाढ़ अमावस्या कब मनाई जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि जून का महीना धार्मिक दृष्टि से काफी खास होता है, क्योंकि इस दौरान जल से जुड़े व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व होता है। इस महीने में मां दुर्गा की आराधना के लिए गुप्त नवरात्रि का आयोजन होता है, जिसमें दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। यह साधना गुप्त रूप से की जाती है और आध्यात्मिक रूप से बेहद शक्तिशाली मानी जाती है। इस बार जून में ज्येष्ठ और आषाढ़ मास का संयोग बन रहा है, जिससे इस महीने के पर्व और भी खास हो जाते हैं। इस दौरान गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट पूर्णिमा, गुप्त नवरात्रि और जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे।

साल 2025 का जून महीना रविवार के दिन से शुरू हो रहा है और पंचांग के अनुसार 1 जून को ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी तिथि है और इस दिन स्कंद षष्ठी भी है। और यह महीना आश्लेषा नक्षत्र में शुरू होगा और इस महीने कई त्योहार और ग्रह गोचर होने वाले हैं। इस महीने गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट सावित्री पूर्णिमा समेत अन्य अहम त्योहार मनाए जाएंगे। इसके साथ ही जून में बुध, मंगल और सूर्य का गोचर भी होने वाला है। और महीने के अंत में जगन्नाथ रथ यात्रा निकलेगी। ऐसे में यह महीना कई व्रत और त्योहारों वाला है। ऐसे में आइये जानते हैं जून में एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या समेत कौन कौन से व्रत त्योहार आने वाले हैं।

गंगा दशहरा

गंगा दशहरा का पर्व 5 जून को मनाया जाएगा। गंगा दशहरा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने, दान पुण्य करने का बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है।

निर्जला एकादशी

निर्जला एकादशी का व्रत 6 जून को रखा जाएगा। निर्जला एकादशी श्रेष्ठ मानी जाती है और मान्यता है कि इसका व्रत रखने से सभी एकादशी के बराबर फल मिलता है। इस दिन निर्जल व्रत रखा जाता है। निर्जला एकादशी का पारण 7 जून को होगा।

रवि प्रदोष व्रत

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी 8 जून को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन रविवार होने की वजह से इसे रवि प्रदोष व्रत के तौर पर मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना होती है। इसके साथ ही रवि प्रदोष व्रत पितृ शांति के लिए भी अहम माना जाता है।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत 10 जून को रखा जाएगा। वट सावित्री पूर्णिमा व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। मुख्यतः वट सावित्री पूर्णिमा व्रत दक्षिण भारत के राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात में रखा जाता है। जबकि उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत

ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत 11 जून को रखा जाएगा। ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि 10 जून को सुबह 11.35 बजे से 11 जून की दोपहर 1.13 बजे तक रहेगी। ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत संतान के लिए रखा जाता है। इसके साथ ही ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन यानी 11 जून को चंद्रोदय 7.41 बजे होगा। इस दिन संत कबीर जयंती भी है। इसे संत कबीर के जन्मदिवस के तौर पर मनाया जाता है।

योगिनी एकादशी

योगिनी एकादशी का व्रत 21 जून को रखा जाएगा। योगिनी एकादशी को लेकर मान्यता है कि इसका व्रत रखने वालों के सभी पाप दूर हो जाते हैं और 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर लाभ मिलता है। इसके साथ ही इसे तीनों लोकों में मनाया जाता है।

मासिक शिवरात्रि/सोम प्रदोष व्रत

मासिक शिवरात्रि और सोम प्रदोष व्रत 23 जून को रखा जाएगा। सोमवार के दिन त्रयोदशी तिथि आती है तो उस दिन के प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। सोम प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त

23 जून को शाम 7.22 से 9.23 बजे तक है।

आषाढ़ अमावस्या

आषाढ़ अमावस्या 25 जून को है। आषाढ़ कृष्ण अमावस्या तिथि पितरों के पूजन के लिए अहम मानी जाती है। इसके साथ ही इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने, दान और पुण्य कर्म करने का बड़ा महत्व रहता है।

गुप्त नवरात्र

गुप्त नवरात्र 26 जून से शुरू हो रहे हैं। इसी दिन सुबह 5.25 बजे से 6.58 बजे के बीच घट स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही अलग-अलग तरह के अनुष्ठान इस दिन किए जाते हैं। मां दुर्गा का पूजन होता है। गुप्त नवरात्र में शारदीय नवरात्र की तरह पूजन और अनुष्ठान किए जाते हैं।

श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को शुरू होगी। इसे ओडिशा राज्य में धूमधाम से मनाया जाता है। जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा उत्सव मनाया जाता है और भगवान जगन्नाथ के साथ-साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी इस दौरान पूजा की जाती है।

जून माह के व्रत त्योहार

4 जून: महेश नवमी
5 जून: गंगा दशहरा
6 जून: निर्जला एकादशी
8 जून: प्रदोष व्रत
10 जून: वट सावित्री पूर्णिमा व्रत
11 जून: कबीरदास जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा
12 जून: आषाढ़ माह शुरू
14 जून: कृष्ण पिंगल संकष्टी चतुर्थी
15 जून: मिथुन संक्रांति
21 जून:योगिनी एकादशी
23 जून: प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि
25 जून:आषाढ़ अमावस्या
26 जून:आषाढ़ गुप्त नवरात्रि
27 जून:जगन्नाथ रथ यात्रा
28 जून: विनायक चतुर्थी

जून माह के ग्रह गोचर

06 जून: बुध का मिथुन राशि में गोचर
07 जून: मंगल का सिंह राशि में गोचर
09 जून: बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त
11 जून: बुध का मिथुन राशि में उदय
15 जून: सूर्य का मिथुन राशि में गोचर
22 जून: बुध का कर्क राशि में गोचर
29 जून: शुक्र का वृषभ राशि में गोचर

जून में ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन

सूर्य नक्षत्र परिवर्तन- 8 जून को मृगशिरा और 22 जून को आर्द्रा नक्षत्र में गोचर

बुध नक्षत्र परिवर्तन- 9 जून को आर्द्रा, 16 जून को पुनर्वसु और 25 जून को पुष्य नक्षत्र में गोचर

शुक्र नक्षत्र परिवर्तन- 13 जून को भरणी और 26 जून को कृतिका नक्षत्र में गोचर

मंगल नक्षत्र परिवर्तन- 7 जून को मघा और 30 जून पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर

गुरु नक्षत्र परिवर्तन- 14 जून को आर्द्रा और 30 जून को पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रवि योग समेत कई मंगलकारी संयोग में मनाई जाएगी महेश नवमी

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस दिन महेश नवमी मनाई जाती है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। महादेव की पूजा एवं भक्ति करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।ज्योतिषियों की मानें तो कई मंगलकारी योग में महेश नवमी मनाई जाएगी। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलता है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

महेश नवमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 04 जून को महेश नवमी है। वहीं, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत 03 जून को रात 09 बजकर 56 मिनट पर होगी। वहीं, 04 जून को देर रात 11 बजकर 54 मिनट पर नवमी तिथि समाप्त होगी।

रवि योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर रवि योग का संयोग दिन भर है। इस योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही साधक को करियर और कारोबार में सफलता मिलेगी।

शिववास योग

महेश नवमी पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग दिन भर है। इस दौरान भगवान शिव कैलाश पर रहेंगे। कहते हैं कि भगवान शिव के कैलाश पर रहने के दौरान अभिषेक करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में आने वाली बलाएं टल जाती हैं।

नक्षत्र एवं चरण

महेश नवमी पर उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का भी निर्माण हो रहा है। साथ ही बालव एवं कौलव करण के संयोग हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करना उत्तम माना जाता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 19 मिनट पर

चंद्रोदय- शाम 08:35 मिनट पर

चन्द्रास्त- सुबह 05: 46 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 41 मिनट से 03 बजकर 36 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 18 मिनट से 07 बजकर 38 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 01 मिनट से 12 बजकर 41 मिनट तक

इन राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा, सोने की तरह चमकेगी किस्मत

न्याय के देवता शनिदेव की महिमा बड़ी निराली है। अच्छे कर्म करने वाले कभी खाली हाथ नहीं रहते हैं। उन्हें समय के साथ जीवन में सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। वहीं, बुरे कर्म करने वाले लोगों को शनिदेव निश्चित समय यानी पुण्य कर्म समाप्त होने के बाद अवश्य ही दण्डित करते हैं।ज्योतिषियों की मानें तो जून महीने में तीन राशि के जातकों पर शनिदेव की असीम कृपा बरसने वाली है। इससे उनके जीवन में नया सवेरा होगा। साथ ही सभी रुके या बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके साथ ही करियर में भी नया चांस मिलेगा।

वृषभ राशि-वृषभ राशि के जातकों को जून महीने में शुभ फल मिलने के योग बन रहे हैं। सेहत अच्छी रहेगी। आप में संतोष की भावना बढ़ेगी। वाणी से मधुर होंगे। शत्रुओं पर जीत मिलेगी। दीर्घायु और यशस्वी होंगे। सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। सामान्य मानसिक या शारीरिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। धन-संपत्ति में वृद्धि होगी। गुणीजनों से आपको लाभ होगा। आमदनी बढ़ सकती है। निवेश से भी

लाभ देखने को मिलेगा।

मिथुन राशि-मिथुन राशि वालों के लिए समय बेहद उत्तम है। वर्तमान समय में गुरु का गोचर आपके लिए लाभप्रद रहने वाला है। वहीं, शनिदेव की कृपा से मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। इस दौरान दान-पुण्य करने का भी मौका मिलेगा। बड़ों का प्यार और सम्मान मिलेगा। स्वभाव से आप विनम्र होंगे। अपनी वाणी से लोगों का दिल जीतने में सफल होंगे। इस महीने आप कठिन मेहनत करेंगे। ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। सरकारी तंत्र से धन लाभ हो सकता है।

तुला राशि -वर्तमान समय तुला राशि के जातकों के लिए समय बेहद उत्तम है। शनिदेव की कृपा से आपको अधिकतर कामों में सफलता मिलेगी। सेहत से आप निरोग रहेंगे। जीवन में सकारात्मक शक्ति में ऊर्जा का संचार होगा। इससे आप अपने काम को बेहतर तरीके से करेंगे। पाचन संबंधी परेशानी दूर होगी। भूख अधिक लग सकती है। बड़े भाई से प्यार और स्नेह मिलेगा। शत्रुओं में आपका भय रहेगा। हालांकि, आपको घमंड से बचना होगा। इसके साथ ही विषय रत से भी दूर रहना होगा। शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार के दिन काले चीजों का दान करें।

महाभारत और चक्रव्यूह

महाभारत युद्ध में, कौरवों ने पांडवों को फंसाने के लिए चक्रव्यूह नामक एक व्यूह बनाया था। इस चक्रव्यूह को केवल कुछ ही योद्धा भेद सकते थे, जिनमें अर्जुन, अभिमन्यु और कृष्ण शामिल थे।

भगवान श्रीकृष्ण की नीति के चलते अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को चक्रव्यूह को भेदने का आदेश दिया गया। यह जानते हुए भी कि अभिमन्यु चक्रव्यूह भेदना तो जानते हैं, लेकिन उससे बाहर निकलना नहीं जानते। दरअसल, अभिमन्यु जब सुभद्रा के गर्भ में थे तभी चक्रव्यूह को भेदना सीख गए थे लेकिन बाद में उन्होंने चक्रव्यूह से बाहर निकलने की शिक्षा कभी नहीं ली। अभिमन्यु श्रीकृष्ण के भानजे थे।

कहते हैं कि चक्रव्यूह की रचना द्रोण ने की थी। इस व्यूह को एक घूमते हुए चक्के की शक्ल में बनाया जाता था, जैसे आपने स्पाइरल को घूमते हुए देखा होगा। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। यह तो कोई बहुत ध्यान से देखें तो ही संभव होगा लेकिन इसके लिए आपको आकाश से देखना होगा। यदि देख भी लें तो यह चक्रव्यूह तो घूमता ही रहता है।

कोई भी नया योद्धा इस व्यूह के खुले हुए हिस्से में घुसकर वार करता है या किसी एक सैनिक को मारकर अंदर घुस जाता है। यह समय क्षणभर का होता है, क्योंकि मारे गए सैनिक की जगह तुरंत ही दूसरा सैनिक ले लेता है अर्थात योद्धा के मरने पर चक्रव्यूह में उसके बगल वाला योद्धा उसका स्थान ले लेगा, क्योंकि सैनिकों की पहली कतार घूमती रहती है। जब कोई अभिमन्यु जैसा योद्धा व्यूह की तीसरी कतार में पहुंच जाता है तब उसके बाहर निकलने के रास्ते बंद हो जाते हैं। यदि वह पीछे मुड़कर देखेगा तो पता चलेगा कि पीछे तो सैनिकों की कतारबद्ध फौज खड़ी है। चक्रव्यूह के घुस जाने के बाद अब योद्धा चौथे स्तर के बलिष्ठ योद्धाओं के सामने खुद को खड़ा पाता है।

भगवान श्रीकृष्ण की नीति के चलते अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को चक्रव्यूह को भेदने का आदेश दिया गया। अभिमन्यु जब सुभद्रा

के गर्भ में थे तभी चक्रव्यूह को भेदना सीख गए थे ।

प्रारंभ में यही सोचा गया था कि अभिमन्यु चक्रव्यूह को तोड़ेंगे और उसके साथ अन्य योद्धा भी उनके पीछे से चक्रव्यूह में अंदर घुस जाएंगे। लेकिन जैसे ही अभिमन्यु घुसे और चक्रव्यूह फिर से बदला और पहली कतार पहले से ज्यादा मजबूत हो गई तो पीछे के योद्धा, भीम, सात्यकी, नकुल-सहदेव कोई भी अंदर घुस ही नहीं पाए। जैसा कि महाभारत में द्रोणाचार्य भी कहते हैं कि लगभग एक ही साथ दो योद्धाओं को मार गिराने के लिए बहुत कुशल धनुर्धर चाहिए। युद्ध में शामिल योद्धाओं में अभिमन्यु के स्तर के धनुर्धर दो-चार ही थे यानी थोड़े ही समय में अभिमन्यु चक्रव्यूह के और अंदर घुसते तो चले गया, लेकिन अकेले, नितांत अकेला। उनके पीछे कोई नहीं आया।

चक्रव्यूह में प्रवेश करने के बाद अभिमन्यु ने कुशलतापूर्वक चक्रव्यूह के 6 चरण भेद लिए। इस दौरान अभिमन्यु द्वारा दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण का वध किया गया। अपने पुत्र को मृत देख दुर्योधन के क्रोध की कोई सीमा न रही। तब कौरवों ने युद्ध के सारे नियम ताक में रख दिए।

6 चरण पार करने के बाद अभिमन्यु जैसे ही 7वें और आखिरी चरण पर पहुंचे, तो उन्हें दुर्योधन, जयद्रथ आदि 9 महारथियों ने घेर लिया। अभिमन्यु फिर भी साहसपूर्वक उनसे लड़ते रहे। सभी ने मिलकर अभिमन्यु के रथ के घोड़ों को मार दिया। फिर भी अपनी रक्षा करने के लिए अभिमन्यु ने अपने रथ के पहिए को अपने ऊपर रक्षा कवच बनाते हुए रख लिया और दाएं हाथ से तलवारबाजी करते रहे। कुछ देर बाद अभिमन्यु की तलवार टूट गई और रथ का पहिया भी चकनाचूर हो गया।

अब अभिमन्यु निहत्थे थे। युद्ध के नियम के तहत निहत्थे पर वार नहीं करना था। किंतु तभी जयद्रथ ने पीछे से निहत्थे अभिमन्यु पर जोरदार तलवार का प्रहार किया। इसके बाद एक के बाद एक सभी योद्धाओं ने उन पर वार पर वार कर दिए। अभिमन्यु वहां वीरगति को प्राप्त हो गये।

अभिमन्यु की मृत्यु का समाचार जब अर्जुन को मिला तो वे बेहद क्रोधित हो उठे और अपने पुत्र की मृत्यु के लिए शत्रुओं का सर्वनाश करने का फैसला किया।

अभिमन्यु की कहानी की प्रासंगिकता को बाहर लाने का और निखारने की सोच के साथ चक्रव्यूह नाटक लिखा गया और अतुल सत्य कौशिक का यह प्रयास रंग लागया। इस चक्रव्यूह नाटक के अब तक 150 से अधिक शो हो चुके हैं। देशभर में इसकी असंख्य प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। नाटक चक्रव्यह का मंचन पार्लियमेंट हाउस में भी किया गया है और देश भर ने इसको सराहा है। अब हैदराबाद में इसके दो शो निर्धारित है। जो आगामी रविवार, दि. 8 जून, 2025 को शिल्पा कला वेदिका ऑडोटोरियम में आयोजित किये जा रहे हैं। जो अपराह्न 4.30 और रात्रि 7.30 से प्रारंभ होंगे। नाटक चक्रव्यूह पहली बार हैदराबाद में किया जा रहा है। इसमें मुख्य भूमिका में हैं टेलीविजन और रंगमंच पर लगभग 30 वर्षों से भगवान श्रीकृष्ण के पात्र को निभाने वाले नितीश भारद्वार।

संपादकीय

महंगी पड़ेगी सुस्ती

निस्संदेह राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घेरलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे। राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। साथ ही सार्वजनिक-निजी उत्पादन का संतुलन धीरे-धीरे पक्ष में जा रहा है। वहीं आईडीईएक्स जैसी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब निजी क्षेत्र कुल रक्षा उत्पादन में 21 फीसदी का योगदान दे रहा है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लिये निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.94 फीसदी ही है। निश्चित रूप से जब तक इस वित्तीय संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। निस्संदेह, देश के रक्षा क्षेत्र के तीन सार्वजनिक उपक्रमों यानी डीपीएसयू को 'मिनी रत्न' घोषित करना स्वागत योग्य कदम है। लेकिन वायुसेना प्रमुख की चेतावनी को रक्षा खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन के लिये आग्रह के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय सीमा में पारदर्शिता, अनुबंधों के सख्ती से क्रियान्वयन और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रबंधन में गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाए। निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के भारत के संकल्प को विलंबित नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उपक्रमों को गति देने की आवश्यकता है।

देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है।

अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है

रोजगार-आर्थिकी की राह तय करेंगे एमएसएमई

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित रिपोर्टों में एमएसएमई की बढ़ती मुश्किलों पर टिप्पणियां करते हुए इन्हें बढ़ती चुनौतियों से बचाने की जरूरत बताई जा रही हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड़ नए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। यद्यपि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराये जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है। सरकार के द्वारा एमएसएमई को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के परिपालन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान देते हुए जीएसटी व्यवस्था को सरल करना होगा। एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे विभिन्न उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है। हम उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर तत्परतापूर्वक अधिकतम उत्पादन करते हुए अपनी राष्ट्रीय कर्तव्य निर्वहन भूमिका को अहम बनाते हुए दिखाई देंगे।

नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

देश दुनिया से

त्याग में अपना ही नहीं, अपनों का भी भला

यह डरावना आंकड़ा न केवल चिंता उत्पन्न करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि विविध प्रकार के तंबाकूजन्य नशों का या तो पूरी तरह उन्मूलन किया जाना चाहिए या कम से कम उन्हें न्यूनतम स्तर तक सीमित किया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1988 से हर वर्ष आज के दिन विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस संदर्भ में यह जानना भी प्रासंगिक है कि तंबाकूजन्य मौतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में इस दिवस को मनाने की परंपरा शुरू की थी। प्रारंभ में इसे 7 अप्रैल को मनाया गया, लेकिन उसी वर्ष 31 मई को संगठन द्वारा एक प्रस्ताव पारित कर इसे स्थायी रूप से 31 मई को मनाने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जिसके माध्यम से लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाता है और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह भी बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन केवल उपभोक्ता के लिए ही नहीं, बल्कि उनके आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी घातक है। विडंबना यह है कि इन प्रयासों के बावजूद विश्वभर में बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं और वे इसकी लत से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। यदि हम भारत की बात करें तो यहां तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर वैधानिक चेतावनियां प्रमुखता से अंकित की जाती हैं और अवयस्कों को इनकी बिक्री पर कानूनी रोक भी है। फिर भी, लगभग हर आयु वर्ग और लिंग के लोग इस लत के शिकार हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि नशा खत्म तो दूर, अपेक्षित रूप से घटता भी नहीं दिख रहा। विशेषज्ञों द्वारा बार-बार यह बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन फेफड़े, यकृत, मुंह और गर्भाशय के कैंसर के अलावा अनेक यौन और हृदय रोगों का प्रमुख कारण बन सकता है, पर इसका अपेक्षित असर होता नहीं दिखता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु के 38 प्रतिशत से अधिक पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं। महिलाओं में यह आंकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। 15 से 49 वर्ष की आयु की 1 प्रतिशत महिलाएं और 19 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। स्पष्ट है कि समस्या केवल तंबाकू तक सीमित नहीं, बल्कि शराब की लत भी चिंताजनक स्तर पर मौजूद है। यह निष्कर्ष देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों के

707 जिलों में 6.37 लाख परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है। यह बताता है कि नशे की समस्या को रोकने या सीमित करने हेतु एक दीर्घकालिक और कारगर रणनीति की आवश्यकता है, जिसका एक सिरा शिक्षा से भी जुड़ता है। क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, भले ही तंबाकू सेवन हर वर्ग में पाया जाता है, लेकिन अशिक्षितों में इसकी प्रवृत्ति कहीं अधिक गंभीर है। स्कूल न जाने वाले या पांचवीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त पुरुषों में लगभग 58 प्रतिशत और महिलाओं में 15 प्रतिशत इस लत के शिकार हैं। ग्रामीण भारत में यह समस्या और भी गहरी होती जा रही है। विशेष रूप से वंचित समुदाय इसके सबसे बड़े शिकार हैं। पूर्वोत्तर, उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में तंबाकू और अन्य नशों का प्रयोग अत्यधिक है। पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है। यह भी समझना जरूरी है कि तंबाकू का प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं पड़ता, बल्कि उसके आसपास रहने वालों के लिए भी यह अत्यंत हानिकारक है। तंबाकूजन्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति को मृत्यु से पूर्व अनेक गंभीर पीड़ाओं और भारी चिकित्सा खर्चों का सामना करना पड़ता है। स्पष्ट है कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस तभी सार्थक सिद्ध होगा जब देश में नशे के विरुद्ध एक सुसंगत राष्ट्रीय नीति बनाई जाए और उसे लागू करने के लिए सरकारें पर्याप्त साहस और राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं। साथ ही, विश्व स्वास्थ्य संगठन को वैश्विक स्तर पर जनस्वास्थ्य की रक्षा हेतु दीर्घकालिक और प्रभावशाली नीतियों का निर्माण कर उन्हें लागू करना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर के 1.3 अरब तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं, जहां तंबाकूजन्य बीमारियों और मृत्यु दर की स्थिति सबसे खराब है। यह लत लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च करने की बजाय तंबाकू उत्पादों पर खर्च करने को विवश कर देती है, जिससे गरीबी को भी बढ़ावा मिलता है। एक अनुमान के अनुसार, विश्व स्तर पर तंबाकू सेवन से हर साल लगभग 105.4 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष नुकसान होता है, जबकि अप्रत्यक्ष हानि इससे कई गुना अधिक हो सकती है। तंबाकू से बचाव केवल हमारे और हमारे प्रियजनों के वर्तमान की ही नहीं, बल्कि भविष्य की भी रक्षा है—और इस बचाव का कोई विकल्प नहीं है।

कुछ अलग

ट्रंप की वक्र दृष्टि

अपने बेतुके फैसलों व टैरिफ वार से तमाम अर्थव्यवस्थाओं को हिलाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वक्र दृष्टि अब अमेरिका के नामी-गिरामी विश्वविद्यालयों पर भी पड़ी है। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र होने का दंभ भरने वाले अमेरिका में विश्वविद्यालय परिसरों में लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का गला घोंटा जा रहा है। अब अमेरिका में उच्च शिक्षा का सपना देखने वाले भारत व दुनिया के तमाम देशों के छात्रों के लिये ट्रंप प्रशासन ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। हाल के दिनों में प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालयों पर मनमाने फैसले थोपे व कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए, जो विश्वविद्यालयों के परिसरों में अभिव्यक्ति की आजादी पर नकेल कसने की ही कवायद थी। दलील दी गई कि फलस्तीन का समर्थन करने वाले छात्र-छात्राओं की सूचना ट्रंप प्रशासन को दी जाए। इन्हीं बंदिशों के बाद अब ट्रंप सरकार ने दुनियाभर के अपने दूतावासों को स्टूडेंट वीजा की प्रक्रिया बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप सरकार की दलील है कि पहले आवेदक छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की गहरी जांच की जाएगी। इस योजना पर काम चल रहा है। दरअसल, अमेरिकी सरकार द्वारा स्टूडेंट वीजा के लिये आवेदन करने वाले छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच तेज की जाएगी। इस फैसले से भारत समेत तमाम देशों के छात्रों की अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के सपने को आंच आ सकती है। अमेरिका सरकार इसके माध्यम से उन छात्रों के आवेदन को खारिज करने की तैयारी में है जिनके सोशल मीडिया अकाउंट में ट्रंप या अमेरिका की नीतियों की आलोचना की सामग्री होगी। जाहिर है ऐसे छात्रों को अमेरिका के विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं दिया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक साल 2023-24 में करीब तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र अध्ययनरत थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिये हजारों भारतीय प्रतिभाएं हर साल अमेरिका का रुख करती हैं। अमेरिका के इस फैसले से उन छात्रों को दिक्कत होगी जो इस साल अगस्त से शुरू होने वाले सत्र का हिस्सा बनना चाह रहे थे। दरअसल, अमेरिका सरकार द्वारा अपने दूतावासों को कहा गया है कि वीजा के लिये पेश किए गए नये आवेदनों को रोक दें। उन पर सोशल मीडिया खातों की जांच के बाद ही कोई निर्णय लिया जा सकेगा। यहां उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पहले से पढ़ रहे सैकड़ों छात्रों के वीजा इस आरोप के बाद निरस्त कर दिए कि उन्होंने इस्राइल विरोधी आंदोलन में शिरकत की थी। इनमें वे छात्र भी शामिल थे जिन्होंने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फलस्तीनियों के पक्ष में पोस्ट डाली थी। सरकार की दलील थी कि इन छात्रों को पढ़ाई के लिये वीजा मिला था न कि राजनीतिक मुद्दों में सक्रियता के लिये। उल्लेखनीय है कि कई भारतीय छात्र भी इस फैसले की चपेट में आए हैं।

आप का नजरिया

डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी। दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतः कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतः हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं।

दृष्टि कोण

सावधान रहना होगा कोरोना के नए वेरियंट्स से

भारत सहित अन्य देशों में एक बार फिर से कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में अब तक कुल 1200 से अधिक कोविड-19 के सक्रिय मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एक ओर जहां लंबे समय तक कोरोना के मामलों में गिरावट देखने को मिली थी, वहीं अब नए वेरिएंट्स के साथ यह वायरस एक बार फिर लोगों को चिंता में डाल रहा है। आइये समझते हैं महामारी की वापसी कैसे हुई। 2020 और 2021 में देश ने कोरोना की भयावह लहरों का सामना किया था जिसने लाखों लोगों को प्रभावित किया। टीकाकरण और जनसहभागिता के चलते पिछले कुछ समय से स्थिति नियंत्रण में थी लेकिन अब 2025 में फिर से मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। भारत में 1200 से अधिक सक्रिय मामले सामने आ चुके हैं और इस बार भी सबसे अधिक असर दक्षिणी राज्यों, विशेषकर केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में देखा जा रहा है। अगर हम राज्यों की स्थिति के बारे में सोचें तोः केरल में 420 से अधिक सक्रिय मामले हैं, तीन मौतें भी हुईं। महाराष्ट्र में 280 केस, दो मौतें। दिल्ली और गुजरात में धीरे-धीरे मामले बढ़ते हुए दिख रहे हैं। नए वेरिएंट्स में जे एन1, एल एफ.7 और एन बी.1.8.1 से खतरा बढ़ा है। वर्तमान में जिन वेरिएंट्स के कारण संक्रमण फैल रहा है, वे हैं जे एन1, एल एफ.7 और एन बी.1.8.1। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ये वेरिएंट्स पहले के मुकाबले अधिक संक्रामक हैं, हालांकि इनमें से कुछ वेरिएंट गंभीर लक्षण उत्पन्न नहीं करते। विशेषज्ञों की राय है कि येल यूनिवर्सिटी द्वारा हाल में किए गए अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि नए वेरिएंट्स तेजी से म्यूटेट हो रहे हैं और यह हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं हालांकि, बूस्टर डोज और अपडेटेड टीकों से इनका प्रभाव काफी हद तक रोका जा सकता है। गौरतलब है कि नए वेरिएंट्स के लक्षण मुख्यतः समान ही हैं लेकिन कुछ मामलों में हल्के बदलाव देखे जा रहे हैं। अधिकतर मरीजों को हल्के बुखार, गले में खराश, खांसी और बदन दर्द की शिकायत हो रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लक्षण हल्के हैं परंतु उच्च जोखिम वाले वर्गों (60 वर्ष से ऊपर, पहले से बीमार व्यक्ति) में इसका खतरा अधिक है। सामान्य लक्षणों में गले में खराश, हल्का या तेज बुखार, सिरदर्द, सांस फूलना, बदन दर्द और स्वाद और गंध का जाना (कुछ मामलों में)। मई 2025 की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकारें और केंद्र सरकार सतर्क हो चुकी हैं। रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट्स, बस अड्डों पर फिर से थर्मल स्क्रीनिंग, रैपिड एंटीजन टेस्टिंग, और आर टी पी सी आर टेस्ट को अनिवार्य किया जा रहा है, खासकर उन यात्रियों के लिए जो विदेश या उच्च संक्रमण क्षेत्रों से आ रहे हैं। सरकार के प्रयासों में सभी जिलों में कोविड-हेल्पलाइन नंबर सक्रिय। अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड्स की संख्या बढ़ाई गई। स्वास्थ्य कर्मियों को फिर से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर हम अस्पतालों की तैयारी के बारे में बात करें तो दूसरी लहर जैसी स्थिति की पुनरावृत्ति नहीं है। मध्यप्रदेश के ग्वालियर स्थित जी आर मेडिकल कॉलेज समेत कई सरकारी अस्पतालों में कोविड वॉर्ड्स को दोबारा सक्रिय किया गया है। इनमें अतिरिक्त ऑक्सीजन सिलेंडर्स, वेंटिलेटर्स और दवाओं का स्टॉक सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी प्रकार अस्पताल प्रबंधन में पृथक कोविड वार्डों की स्थापना। बायोमेडिकल कचरे के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था। डॉक्टरों और नर्सों की तैनाती में तेजी। याद रहे टीकाकरण अभियान का देश में 2021 से ही आरंभ हो गया था जिसके बाद लाखों लोगों को दोनों डोज़ दी गईं। अब 2025 में यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या पहले ली गई वैक्सीन वर्तमान वेरिएंट्स के विरुद्ध प्रभावी है? विशेषज्ञों का उत्तर है— "आंशिक रूप से हां"। येल यूनिवर्सिटी के शोध में यह निष्कर्ष सामने आया है कि बूस्टर डोज या अपडेटेड वैक्सीन इन वेरिएंट्स से रक्षा में सहायक हो सकती हैं। सरकार द्वारा तीसरी और चौथी डोज़ की सिफारिश की जा रही है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को। अब बात आती है कि क्या लॉकडाउन की फिर से जरूरत पड़ेगी? फिलहाल सरकार ने लॉकडाउन की कोई योजना घोषित नहीं की है परंतु 'माइक्रो-कंटेनमेंट जोन' की नीति को फिर से लागू किया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक–दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है– क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक–दूसरे से आज एक–दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकें–

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं– इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 08:37 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 10:56 तक
योग : व्याघात प्रातः 08:20 तक
करण : गर प्रातः 08:14 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 10:56 तक , भद्रा रात्रि 08:35 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में 355 ग्राम पंचायतें टी.बी. मुक्त : भजनलाल

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे 'निरामय राजस्थान' की संकल्पना साकार होने लगी है। श्री शर्मा द्वारा मानव सेवा में समयबद्ध निर्णयों के सफल परिणाम नजर आने लगे हैं।

नड्डा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर सराहना की। नड्डा ने कहा कि चिकित्सकीय कार्य मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और समस्त कार्मिक पूर्ण मनोयोग से अपनी महती जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय स्तर पर प्रदेश से सम्बंधित सभी विषयों का शीघ्र ही सकारात्मक समाधान किया जाएगा।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने, कैंसर उपचार आदि पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) सेल गठित की है। यहां राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजें, जिन्हें मंत्रालय स्तर पर अध्ययन कर लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से नेत्र रोग सम्बंधित योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनको राज्य सरकार जनहित में आगे बढ़ाए।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत समयबद्ध रूप से बजट का सदुपयोग करें, ताकि रोगियों को बेहतर इलाज मिल सके। प्रदेश में गैर संचारी रोग के प्रति भी जनजागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग से आवंटित राशि की प्रगति, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, स्वास्थ्य बीमा योजना, केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चिकित्सा सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा में सहयोग पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की निरंतर समीक्षा की जा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने जननी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निरामय राजस्थान अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 1 करोड़ 34 लाख परिवारों को 25 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन प्रारम्भ कर 15 हजार करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11 हजार 655 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को मजबूत बनाने के लिए एक वर्ष में लगभग 24 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की गई। साथ ही, करीब 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

डोटासरा ने सीएम भजनलाल पर साधा निशाना

केंद्र सरकार की कठपुतली बताया

कोटा, 01 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में शनिवार को लोकसभा प्रत्याशी प्रह्लाद गुंजल के नेतृत्व में दधीच गार्डन में संविधान बचाओ रैली आयोजित हुई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधा और उन्हें केंद्र सरकार की कठपुतली बताया।

गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून बना दिया, लेकिन आज तक कानून लागू नहीं किया। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को घेरते हुए उन्होंने कहा, वह कभी–कभी सरकार पर टोटका कर देते हैं। किरोड़ी (लाल मीणा) को एक साल तक तो पता ही नहीं लगा कि वह किस विभाग के मंत्री हैं।

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री के बारे में कहा, हमें गाली दे–देकर उन्हें टॉन्सिल हो गया है। हमें मगरमच्छ बताने वालों के लिए जेल के गेट चौड़े करवाने पड़ेंगे।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के राजस्थान प्रवास को लेकर भी डोटासरा ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, जे.पी. नड्डा ने साफ और स्पष्ट कह दिया है कि भजन लाल को मुख्यमंत्री मत मानो। हमारी विचारधारा से राजस्थान में सरकार चल रही है।

उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत होगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, सत्ता में बैठी भाजपा बार–बार बाबा साहेब अंबेडकर के दिए संविधान पर प्रहार करके इसे खत्म करने का प्रयास कर रही है। ये लोग एजेंसियों और सत्ता के दुरुपयोग से नागरिकों के अधिकारों को कुचलना चाहते हैं। हमें इस अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ लड़ना होगा। संविधान हर वर्ग के हित की रक्षा करता है, संविधान की रक्षा में ही देश के नागरिकों की सुरक्षा है।

करधनी थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में की कार्रवाई, 7.14 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। करधनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 7.14 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर पुलिस आयुक्तालय द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम भुवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि समस्त थानाधिकारियों को मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक शेखावत के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा सुनीता झा के पर्यवेक्षण में, करधनी थाना प्रभारी लोकेश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 31 मई 2025 को कार्रवाई करते हुए सनवाड़ी लिंक रोड पर स्थित कच्ची बस्ती के पास से नेमी सिंह कुम्हार को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 7.14 ग्राम स्मैक बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उससे पूछताछ कर नेटवर्क की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नेमी सिंह कुम्हार पुत्र रामजीलाल जाति कुम्हार, उम्र 45 वर्ष, निवासी कच्ची बस्ती, 07 नंबर बस स्टैंड के पास, सनवाड़ी लिंक रोड, थाना करधनी, जयपुर के रूप में हुई है।करधनी थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान में लगातार तस्करों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह सख्त मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

पाक जासूसी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध के ठिकाने पर छापा

जयपुर, 01 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की टीम ने राज्य के एक अहम ठिकाने पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों की भूमिका की जांच के तहत की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को इनपुट मिला था कि राजस्थान में कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संपर्क में हैं और गोपनीय जानकारी साझा कर रहे हैं। इस आधार पर जयपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम को कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कागज़ात और अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगी है।एनआईए की जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को पाकिस्तान से हवाला के जरिये फंडिंग हो रही थी और वे भारत की सामरिक जानकारियां लीक कर रहे थे। यह जासूसी नेटवर्क 2023 से सक्रिय बताया जा रहा है, जिसकी कड़ी राजस्थान से भी जुड़ती दिख रही है। एनआईए पहले ही इस केस को गंभीर मानते हुए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम 1923 और यूएपीए एक्ट 1967 सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में की गई कार्रवाई को जांच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर एक साथ बड़ी छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (झखजी) से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ की गई। एनआईए ने जिन राज्यों में छापे मारे उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान टीमों ने संदिग्धों के ठिकानों से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। ये सभी सबूत पाकिस्तान के इशारे पर भारत में चल रहे जासूसी नेटवर्क की जांच के तहत खंगाले जा रहे हैं।जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए, उनके पाकिस्तान स्थित जासूसी नेटवर्क से सीधे संपर्क थे। यह भी पता चला है कि इन लोगों को भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय मदद मिल रही थी।

हरियाणा आबकारी विभाग को तीसरे दौर की नीलामी में 2707 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा आबकारी नीति 2025–27 के अंतर्गत शराब की खुदरा दुकानों की तीसरे चरण की नीलामी सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस चरण में गुरुग्राम (पूर्व), करनाल, पलवल, रेवाड़ी, जींद और यमुनानगर छह जिलों की खुदरा शराब दुकानों की नीलामी कराई गई। बोलीदाताओं को 30 मई सुबह 9 बजे से 31 मई शाम 4 बजे तक बोली लगाने का अवसर दिया गया। प्रत्येक जिले में संबंधित उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बोलियों को खोला गया।

आबकारी आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग को 5 जिलों के लिए आबकारी नीलामी के तीसरे दौर में पिछले दौर की नीलामी की तुलना में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 270 जोनों में से 184 जोन आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 184 जोनों की नीलामी प्रक्रिया में व्यापक भागीदारी राज्य की आबकारी नीति के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि राज्य 5 जिलों के नीलाम किए गए जोनों से लगभग 2707 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क प्राप्त करने में सक्षम रहा है, जो पिछले आबकारी नीति वर्ष में इसी दौर में प्राप्त लाइसेंस शुल्क से काफी अधिक है। जाएगी। उचित राजस्व प्राप्त करने के लिए विभाग ने आज प्राप्त हुई 3 जोनों की नीलामी को रद्द करने और यमुनानगर में सभी जोनों की नए सिरे से नीलामी करने का निर्णय लिया है। इन 6 जिलों के शेष 142 जोनों की नीलामी जून के पहले सप्ताह में फिर से की जाएगी।

पुलिस क्यों नहीं तोड़ पा रही हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क : सैलजा

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है. समूचे राज्य में नशा तस्कर हेर–ोइन, गांजा, अफीम व अन्य प्रकार के जानलेवा नशा की सप्लाई करने में जुटे हैं। नशा तस्करों के बढ़ते और फैलते नेटवर्क के चलते ऐसा जान पड़ता है जैसे हरियाणा उनका पसंदीदा राज्य बन गया हो। आखिर पुलिस नशा तस्करों का नेटवर्क क्यों नहीं तोड़ पा रही है, जब लोगों को पता है कि नशा कहां–कहां बिक रहा है और कौन बेच रहा है तो पुलिस विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पा रही है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार नशा तस्करों की कमर तोड़ने और करोडो रुपये के नशीले पदार्थ बरामद करने का दावा कर रही है बावजूद इसके तस्करों का नेटवर्क प्रदेश में तेजी से फैल रहा है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित का विचार है : सैनी

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन–भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है। जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' थीम पर आयोजित 'गुरुग्राम रन' को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने 'गुरुग्राम रन' को हरी झंडी दिखाने से पूर्व उपस्थित युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि 'वन नेशन–वन इलेक्शन' सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। 'वन नेशन–वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़, विशेष रूप से हमारे युवाओं के लिए एक संदेश है कि राष्ट्र निर्माण सिर्फ बैठकों और नीतियों से नहीं होता, उसमें युवा शक्ति का संकल्प भी निहित है। उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति आगे आती है तो निश्चित रूप से बदलाव की लहर उठती है। 'गुरुग्राम रन' में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वन नेशन–वन इलेक्शन' को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गाँव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उपस्थित युवा शक्ति से कहा कि आप सभी की सक्रिय भागीदारी से ही यह विचार प्रदेश के कोने–कोने तक पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल देश में सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2015 में हरियाणा की पावन धरती से इस अभियान का शुभारंभ किया गया था। तब से लेकर आज तक, न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया और इसके निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने हाल ही में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुई आतंकी घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कायराना हमले के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के समूल नाश का संकल्प लिया है। इस संकल्प के समर्थन में देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो भारतवासियों की एकजुटता, राष्ट्रभक्ति और आतंकवाद के विरुद्ध सामूहिक दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों उदाहरण इस बात का प्रतीक है कि देश जब एकजुट होकर किसी सामाजिक अथवा राष्ट्रीय चुनौती के विरुद्ध खड़ा होता है, तब सफलता निश्चित होती है।

सैनी ने काफिला रुकवाकर स्थानीय युवाओं संग खेला क्रिकेट

चंडीगढ़, 01 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान अनोखी मिसाल पेश करते हुए काफिले को बीच रास्ते रुकवाकर स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट खेला। यह दृश्य उस समय सामने आया जब मुख्यमंत्री स्थानीय लेजर वैली पार्किंग में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव थीम पर आधारित कार्यक्रम में शिरकत करने उपरान्त पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की ओर जा रहे थे और राजीव चौक पर एक खुले मैदान में क्रिकेट खेलते युवाओं को देखकर उत्सुकता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने युवाओं के आग्रह को हर्षपूर्वक स्वीकार करते हुए बल्ला थामा और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम तथा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने कुछ देर तक उनके साथ क्रिकेट खेला। यह क्षण जननेता की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और जुड़ाव का सजीव प्रमाण बना। स्थानीय युवाओं ने मुख्यमंत्री की इस सहजता और उदारता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बन गया। मुख्यमंत्री का यह व्यवहार जनसेवा और लोकसंवाद की संस्कृति को सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान युवाओं के आग्रह पर उनके साथ सेल्फी भी कराई।

प्रेरणा की मूर्ति हैं वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर : धनखड़

महान हस्तियों से प्रेरणा लें तो बाधाएं दूर हो जाती हैं : योगी

आगरा, 01 जून (एजेंसियां)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एक तारीख और ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हम सबके लिए जीवन दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ेगा कि हम उनके आदर्शों पर चलेंगे। लोकमाता कठिन समय में भारत की महान परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति और शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वरम, गोकर्ण समेत न जाने कितने मंदिर उनके हाथ से संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर हमारे लिए प्रेरणा मूर्ति हैं।

धनखड़ ने कहा कि संस्कृति का सृजन व संरक्षण बहुत अहम है। आक्रांता औरंगजेब ने क्रूरता से काशी विश्वनाथ पर प्रतिघात-कुठाराघात किया तो उसके 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वनाथ में मंदिर बनाया। वर्तमान परिदृश्य की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वहां जो चमत्कारी परिवर्तन आया है, उससे पूरा देश अभिभूत है। वहां के मनोरम घाटों का अवलोकन कर आनंद की अनुभूति होती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि योगी आदित्यनाथ दूरदर्शी और काम में विश्वास रखते हैं। दिसंबर 2021 में उन्होंने काशी विश्वनाथ में आदि शंकराचार्य और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया था। जो कार्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने किया, वही योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की काया पलट दी। काशी विश्वनाथ, अयोध्या के बाद मथुरा में भी कार्य होगा। आने वाली पीढ़ियां योगी आदित्यनाथ के कार्य को उसी तरह स्मरण करेंगी, जैसे आज हम लोकमाता को याद रखते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहाकि संकल्प लें, लोकमाता अहिल्याबाई की तरह हम भी कर्तव्य को धर्म मानेंगे और अधिकारों को सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाएंगे। विधि की रचना की तरह अहिल्याबाई की सोच योगी आदित्यनाथ में भी आ गई है।

भारतीय सेना के पराक्रम को याद करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में दुश्मनों ने कायरता दिखाई, उसका जवाब दिया गया। उन्होंने सीएम योगी को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भूमि पर सैन्य उत्पादन कितना श्रेष्ठ है, यह दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा। आपके यहां निर्मित ब्रह्मोस ने जैस ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा के ठिकाने में घुसकर उन्हें तबाह किया। ऑपरेशन की सफलता के लिए उप राष्ट्रपति ने भारतीय सेना का अभिनंदन करते हुए कहा कि सेना के पराक्रम के कारण दुश्मन को लोहे के चने चबाने पड़े। सेना ने दुनिया को संदेश दिया कि भारत बदल गया है। भारत आतंकवाद को समाप्त करेगा, जो हम पर हाथ डालेगा, उसे पूरी तरह नष्ट करेंगे।

धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने अपने शासनकाल में यूपी की छवि को पूर्ण रूप से बदल दिया। आज यूपी का मतलब सुशासन व कानून का राज है। बिना कानून के राज के विकास संभव नहीं है। उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश हो गया है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्रवाद हमारा धर्म है। राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र के लिए जो भी करेंगे, वह कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा, मेरा सिर गर्व से ऊपर है, क्योंकि अहिल्याबाई होल्कर भी किसान परिवार से थीं। वे न्यायप्रिय थीं। उन्होंने नारी शक्तिकरण के लिए बहुत उच्च मापदंड रखे। अपनी सेना में महिलाओं की टुकड़ी बनाई। आज के भारत में नारी सशक्तिकरण पराकाष्ठा पर है। संसद व विधानसभाओं में भी नारियों के लिए आरक्षण है। किसानों के लिए अहिल्याबाई होल्कर ने बहुत कुछ किया। किसानों ने ठान रखा है, इसलिए भारत विकसित होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुण्यश्लोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा साम्राज्य की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखंड में जब विदेशी आक्रांताओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मंदिरों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुनरुद्धार का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक माध्यम बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत आगरा को ब्रजभूमि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरती, जिसे भगवान कृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ, आज हमें गर्व का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का आगरा में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपने राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेता है, तो कोई भी ताकत उसके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोकमाता अहिल्याबाई का विराट व्यक्तित्व इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने महिलाओं, हस्तशिल्पियों, कारीगरों, किसानों, युवाओं, सुरक्षा और भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए जो कार्य किए, वे अविस्मरणीय और अभिनंदनीय हैं। उन्होंने बताया कि पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई ने राजकोष की जगह अपने निजी धन से पुरी के जगन्नाथ मंदिर, गया के मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ धाम, महाकाल मंदिर, ओमकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, भीमाशंकर मंदिर और रामेश्वरम मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों का पुनरोद्धार किया। उन्होंने मात्र 70 वर्ष का जीवन जिया, लेकिन उनका व्यक्तित्व आज भी हमें प्रकाश और प्रेरणा दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यों से प्रेरित होकर डबल इंजन की सरकार तमाम योजनाएं सांचालित कर रही है। सीएम योगी ने लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान का विशेष उल्लेख किया। साथ ही, काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, महाकाल में महालोक, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम, सोमनाथ और रामेश्वरम मंदिरों में हो रहे कार्यों को भी इसी कड़ी का हिस्सा बताया। सीएम योगी ने कहा कि लोकमाता ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करती है। जब पाकिस्तान आतंकियों को पालता है, तो भारत घुसकर मारता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयर सिस्टम को ध्वस्त कर दुश्मन को झुकने के लिए मजबूर किया। यह लोकमाता के विराट व्यक्तित्व की प्रेरणा का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग माफिया को पालते थे, जो कानून व्यवस्था के लिए संकट पैदा करते थे। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार ने लोकमाता के नाम पर औरैया में मेडिकल कॉलेज का नामकरण किया। पहले कुछ लोग उनके नाम पर बने डिग्री कॉलेज का नाम बदल देते थे। आज उसका नामकरण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम से हुआ। कार्यक्रम के संयोजक केंद्रीय मंत्री एवं आगरा के सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, उप राष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. रामशंकरराव शिंदे, गोवा के पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रकांत बाबू कावलेकर, सांसद वीके पार्थसारथी, बस्तीपति नागराजू आदि मौजूद रहे।

चालक की सूझबूझ से हुआ आतंकी षडयंत्र फेल

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेस पलटने से बची

पटरी पर रखा हैंडपंप का 12 फीट लंबा लोहे का मोटा पाइप

शामली, 01 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सहारनपुर रेलवे मार्ग पर बलवा गांव के पास शरारती तत्वों ने ट्रेन पलटने की साजिश से करीब 12 फीट लंबा लोहे का मोटा पाइप रेलवे ट्रैक पर रख दिया। चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पहले ही ट्रेन को रोक लिया। करीब एक घंटे तक ट्रेन जंगल में खड़ी रही। इस दौरान यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शनिवार रात करीब 10:30 बजे दिल्ली से सहारनपुर के लिए 64021 ट्रेन जा रही थी। जैसे ही ट्रेन बलवा गांव के अंडरपास के पास पहुंची तो चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। उतर कर देखा तो रेलवे ट्रैक पर करीब 12 फीट लंबा लोहे का पाइप रखा गया था। शरारती तत्वों ने ट्रेन को पलटाने की साजिश के तहत ही पाइप रेलवे ट्रैक पर रखा।

हालांकि अभी अधिकारी साजिश की जांच की बात कह रहे हैं। मामले की सूचना पाते ही एसपी रामसेवक गौतम, एएसपी संतोष कुमार सिंह, जीआरपी व आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शरारती तत्वों की तलाश में छानबीन भी की, मगर फिलहाल उनका पता नहीं लग सका। जीआरपी थाना प्रभारी चांद वीर सिंह का कहना है कि रेलवे ट्रैक पर शरारती तत्वों ने पाइप रखा था। अधिकारी मौके पर है। मामले की जांच की जा रही है। ट्रेन के चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया। यदि चालक की नजर पाइप पर नहीं पड़ती तो ट्रेन में सवार हजारों यात्री हादसे का शिकार हो सकते थे।

आरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि जांच में सामने आया है कि शरारती तत्वों ने बलवा गांव के पास ही नलकूप से पाइप को उखाड़ा था, जो रेलवे ट्रैक पर मिला है। एसपी ने जांच के लिए पुलिस के अलावा एसओजी को भी लगाया है। एसपी के निर्देश पर डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की। एसपी रामसेवक गौतम का कहना है कि रेलवे अधिकारियों से भी बात की जा रही है। नलकूप से चोरी के बाद ट्रेन आने पर चोर पाइप को ट्रैक पर छोड़कर भागे या फिर ट्रेन पलटाने की साजिश थी, इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज का विवाह तय

वाराणसी, 01 जून (एजेंसियां)। मशहूर क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी की तारीख तय हो गई है। आठ जून को लखनऊ में मंगनी होगी। शादी वाराणसी में होगी। जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी 8 जून को लखनऊ में होगी। शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज से होगी। इसमें क्रिकेट के सितारे, फिल्म जगत की हस्तियों और उद्योगपतियों का जमावड़ा रहेगा। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलने वाले अलीगढ़ के रिंकू सिंह की शादी प्रिया से तय है। इसकी पुष्टि पहली बार सांसद बनी प्रिया सरोज के पिता व केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने की थी।

विधायक ने कहा था कि अलीगढ़ में रिंकू के परिजनों से मुलाकात हुई थी। परिजन शादी के लिए राजी हैं। आईपीएल के बाद दोनों की शादी होगी। अब रिंग सेरेमनी और शादी की तारीख तय हो गई है। सपा विधायक के करीबियों के मुताबिक, शादी पारंपरिक रीति-रिवाज से होगी। इसमें देशभर प्रमुख राजनेता, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और समाजसेवी शामिल होंगे। यह रिश्ता दोनों परिवारों की सहमति और स्नेह से तय हुआ है। दोनों ने एक-दूसरे को समझने के लिए वक्त दिया और अब एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। प्रिया सरोज पेशे से अधिवक्ता हैं। प्रिया और रिंकू एक दूसरे को पहले से जानते हैं। तूफानी सरोज ने बताया कि प्रिया की सहेली के पिता क्रिकेटर हैं। उनके जरिए ही रिंकू और प्रिया की जान-पहचान हुई थी। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते हैं। दोनों का कहना था कि परिजनों की रजामंदी से शादी करेंगे। परिजनों के बीच भी सार्थक बातचीत हो गई।

क्रिकेटर रिंकू सिंह का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को अलीगढ़ के बेहद साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता खानचंद्र गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण का काम करते थे। उन्होंने खुद शुरुआत में सिलिंडर वितरण के काम में पिता का हाथ बंटाया और गरीबी से लड़ते हुए क्रिकेट के मैदान पर अपनी जगह बनाई। सबसे पहले डीपीएस के मैदान पर आयोजित इंटरनेशनल स्कूली विश्वकप में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट के जानकारों का ध्यान जब उनकी ओर गया तो उनका सफर शुरू हुआ और वह आईपीएल में पहुंचे। इसी दौरान केकेआर की ओर से खेलते हुए 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद वे देश में चर्चित हुए। फिर इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट टीम के सदस्य बने और एकदिवसीय टीम में स्थान पाया। अब उनकी संपत्ति करोड़ों में पहुंच गई है। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने उन्हें 13 करोड़ रुपए में रिटेन किया था।

रिंकू सिंह को पहली बार 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब ने 10 लाख रुपए में खरीदा था। हालांकि उस टूर्नामेंट में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 80 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। अब उनकी सालाना कमाई करीब 60 से 80 लाख रुपए बताई जाती है। 2024 में रिंकू सिंह की कुल संपत्ति का अंदाजा करीब 8 करोड़ रुपए लगाया गया था। जिसमें पिछले साल अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है।

योगी सरकार ने देर शाम को अचानक लिया फैसला

राजीव कृष्ण बने यूपी पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी

एक्सटेंशन की प्रतीक्षा ही करते रह गए प्रशांत कुमार

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को यूपी पुलिस का कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए हैं। निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को कार्यवाहक डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने शनिवार की रात करीब 9 बजे डीजीपी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। सत्ता गलियारे में चर्चा है कि उन्हें शीघ्र डीजीपी पद पर नियमित कर दिया जाएगा।

बीते एक सप्ताह से इस बात की अटकलें जोर-शोर से चल रहीं थीं कि वर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार का सेवा विस्तार हो सकता है। लेकिन शासन ने शनिवार की देर शाम राजीव कृष्ण को प्रदेश को नया डीजीपी बनाए जाने की घोषणा कर दी। डीजीपी के चयन के लिए राज्य सरकार ने पिछले वर्ष पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस

बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी दी थी, लेकिन उसके तहत अब तक समिति का गठन नहीं किया गया। लिहाजा, डीजीपी का चयन मुख्यमंत्री अपनी मर्जी के मुताबिक करते हैं। राजीव कृष्ण की गिनती शासन के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में होती है। राजीव कृष्णा पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष बने रहेंगे। राज्य सरकार ने उनको डीजीपी पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद द्वारा जारी आदेश के मुताबिक इसके लिए उन्हें कोई अलग वेतन या भत्ता नहीं दिया जाएगा।

मूल रूप से गौतमबुद्धनगर के निवासी राजीव कृष्णा बीटेक हैं। उन्हें दो बार राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड भी मिल चुका है। उनके रिटायर होने में अभी चार वर्ष और एक माह का समय बाकी है। यानि, वह लंबे समय तक प्रदेश के डीजीपी बने रह सकते हैं। प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने राजीव कृष्णा को भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराई। इससे प्रसन्न होकर राज्य सरकार ने उन्हें प्रदेश पुलिस का मुखिया बनाने का फैसला लिया। राजीव कृष्णा लखनऊ समेत कई जिलों के पुलिस कप्तान भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह लखनऊ के एडीजी जोन भी रहे हैं। उनकी पत्नी मीनाक्षी सिंह वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी हैं और लखनऊ स्थित आयकर विभाग के मुख्यालय में तैनात हैं। राजीव कृष्णा सरोजनीनगर के भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के बहनोई हैं। राजेश्वर सिंह पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में संयुक्त निदेशक थे, लेकिन नौकरी छोड़कर राजनीति में आ गए।

प्रशांत कुमार को मिल सकता है कोई अहम पद

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियां)। प्रशांत कुमार यूपी के डीजीपी पद से रिटायर हो गए हैं। उनके सेवा विस्तार की चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन आखिरी समय में राजीव कृष्णा को डीजीपी बना दिया गया। अब चर्चा है कि प्रशांत कुमार को कोई अहम पद मिल सकता है। डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त हुए प्रशांत कुमार का 14 माह का कार्यकाल माफिया व अपराधियों को धूल चटाने वाला रहा। उन्होंने महाकुंभ, राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह समेत कई बड़े आयोजनों में पुलिस के आतिथ्य सत्कार की नई मिसाल पेश कर धाक भी जमाई। भाजपा सरकार के पहले कार्यकाल में मेरठ जोन का एडीजी रहने के दौरान उन्होंने पश्चिमी यूपी के तमाम कुख्यात अपराधियों का सफाया कराया, जिसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें एडीजी कानून व्यवस्था बना दिया। उन्होंने मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे माफिया और उनके गैंग के सदस्यों की कमर तोड़ी, तो सीएम ने उनको 31 जनवरी 2024 को डीजीपी बना दिया। शनिवार को सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने कई पूर्व डीजीपी की परंपरा का पालन किया और रैतिक परेड जैसी औपचारिकताओं से दूर रहे। सीएम के भरोसेमंद अफसर होने की वजह से उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने की चर्चा है।

आईपीओ लॉन्च से पहले ओयो की पैरेंट कंपनी बदलेगी नाम, मांगे सुझाव मिलेगा इनाम

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) । ओयो का आईपीओ कुछ महीनों में बाजार में आ जाएगा। इससे पहले पैरेंट कंपनी के नाम में बदलाव की तैयारी हो रही है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव मांगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है। ओयो के संस्थापक ने कहा कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो।

उन्होंने विजेता को तीन लाख रुपए का पुरस्कार और उनसे मिलने का मौका देने की घोषणा भी की। इस बीच, ओयो ने जून में पांच निवेश बैंकों की उसके प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक से मिलने की व्यवस्था की है। इन बैंक में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल के साथ-साथ भारतीय वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक बैंकिंग गठजोड़ से सिटी, गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज शामिल हैं। जापानी समूह सॉफ्टबैंक, ओयो के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक है। इसलिए यह बैठक खास है।

यह बैठक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में होने वाली है। पांच बैंक, सॉफ्टबैंक के सुमेर जुनेजा के समक्ष अपने आईपीओ से जुड़ी रणनीति प्रस्तुत करेंगे। ओयो के संस्थापक और उसकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इसमें शामिल होगी। बता दें ओयो ने 2021 में सेबी के सामने अपने दस्तावेज दाखिल किए और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ जुटाने की बात कही थी। कंपनी ने हालांकि मई, 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण हो रहा लोकप्रिय

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों की तेजी से बढती मांग को देखते हुए सभी बड़े वाहन निर्माता कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक मॉडल्स को बाजार में पेश कर रही हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार सुधार होने के कारण ईवी चलाना भी आसान होता जा रहा है। अब बाजार में एक नई कार की चर्चा हो रही है, जो भारत की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार साबित हो सकती है। यह कार है रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण, जिसे रिनॉल्ट ई-क्विड कहा जा रहा है। इंटरनेट पर सामने आई स्पाई इमेजेस में रिनॉल्ट ई-क्विड को भारी कैमोफ्लॉज्ड हालत में देखा गया है। तस्वीरों से पता चलता है कि इस कार को नए वाय-आकार के टेललाइट्स और फ्रंट-रियर बंपर में बदलाव के साथ डिजाइन किया गया है। कार के इंटीरियर में भी बड़े अपडेट मिलने की उम्मीद है। रिनॉल्ट ई-क्विड में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से कई एयरबैग और रियर-व्यू कैमरा भी मिलेंगे। रिनॉल्ट ई-क्विड में 26.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जाएगी, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 220 किलोमीटर की रेंज देने का दावा करती है। यह रेंज शहर के अंदर रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

चीन फिर पाकिस्तान को देगा 3.7 अरब डॉलर का कर्ज, पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जर्जर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चीन ने फिर से राहत का हाथ बढ़ा दिया है। चीन ने पाकिस्तान को 316 अरब रुपए (करीब 3.7 अरब डॉलर) का एक नया कर्ज देने का भरोसा दिया है। इस सहायता से पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। चीन ने इस बार यह कर्ज चीनी युआन में देने का ऐलान किया है, जिसे चीन की निर्भरता कम करने का हिस्सा माना जा रहा है। पाकिस्तान ने मार्च-अप्रैल 2024 के दौरान चीन से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया था, जो लगभग 7.5 फीसदी ब्याज दर पर मिला था। वहीं 15 अरब युआन के बराबर चीन के तीन प्रमुख बैंकों से लिए गए 2.1 अरब डॉलर के सिंडिकेटेड लोन का भुगतान जून में परिपक्व होने वाला है। चीन ने भविष्य में भी परिपक्व होने वाले कर्जों को रिफाइनेंस करने का भी आश्वासन दिया है। यह चीन की मदद ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति के लिए एक बड़ी समाचार है, क्योंकि आइएमएफ से मिले 1 अरब डॉलर के बावजूद भी उसका विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर नहीं था।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प, हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

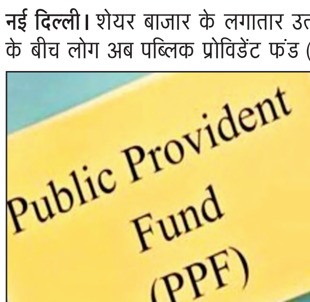

पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहन की लोकप्रियता उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन उत्तर प्रदेश में दौड़ रहे हैं, जबकि दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगर पीछे रह गए हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अधिकतर बड़े शहरों में ही लोकप्रिय हैं, लेकिन ताजा आंकड़े इस धारणा को गलत साबित करते हैं। उत्तरप्रदेश सरकार के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में 4.14 लाख से अधिक ईवी सक्रिय हैं, जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। दिल्ली में 1.83 लाख और महाराष्ट्र में 1.79 लाख ईवी हैं। यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2022 में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और परिवहन के लिए नई नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाना और चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख रोजगार सृजित करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। इसके साथ ही, प्रदेश में 16 नगर निकायों में 300 से अधिक नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाने की योजना है, जिसमें सबसे अधिक स्टेशन अयोध्या में बनाए जाएंगे। देश में कुल 33,000 ईवी चार्जर हैं, जिनमें 35 प्रतिशत फास्ट चार्जर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फास्ट चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और मौजूदा स्टेशनों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है ताकि इलेक्ट्रिक वाहन की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद में ई-रिक्शा खासे लोकप्रिय हैं, जो ईवी बिक्री का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा हैं।

विदेशी लग्जरी कारों की कीमतों में आ सकती है भारी गिरावट

नई दिल्ली। हाल ही में भारत सरकार ने कई ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लागू होने पर विदेशी लग्जरी कारों पर इंपोर्ट टैक्स घटकर मात्र 10 प्रतिशत तक आ सकता है। इससे कार की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। इस बीच, कई कार खरीदार कीमतों में कमी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश ऑटोमेकर मिनी इंडिया ने ऐसा ऑफर पेश किया है जो खरीदारी में देरी करने की जरूरत खत्म कर देगा। मिनी इंडिया ने एक नई प्राइस प्रोटेक्शन पॉलिसी लागू की है, जो विशेष रूप से मिनी कूपर एस 3-डोर मॉडल पर लागू होगी। इस योजना के तहत, जो ग्राहक अब कूपर एस खरीदेंगे, उन्हें अगले 180 दिनों में अगर कूपर एस की कीमत में कोई भी कटौती होती है तो उसे वापसी के रूप में मिलेगा। यानी, कीमत घटने पर खरीदार का पैसा सुरक्षित रहेगा। यह ऑफर सीमित समय के लिए है और मिनी के अधिकृत डीलरशिप से उपलब्ध है। कूपर एस की वर्तमान ऑन-रोड कीमत मुंबई में लगभग 53.62 लाख रुपये है। भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत, भारत ब्रिटेन से आयातित हाई-एंड लग्जरी कारों पर 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत तक टैक्स कम करेगा। इससे कई ब्रांड अपनी कीमतें कम कर सकते हैं, लेकिन अभी इस पर कुछ अनिश्चितताएं बनी हैं। ऐसे में मिनी का यह प्राइस प्रोटेक्शन प्रोग्राम ग्राहकों को खरीदारी में विश्वास और सुरक्षा देता है। इस योजना के चलते ग्राहकों को लंबा इंतजार किए बिना तुरंत मिनी कूपर एस खरीदने का मौका मिलेगा और अगर बाद में कीमतें कम हुईं तो उन्हें लाभ भी मिलेगा।

घाटे में चल रही वीआई को 20 हजार करोड़ जुटाने की बोर्ड ने दी मंजूरी

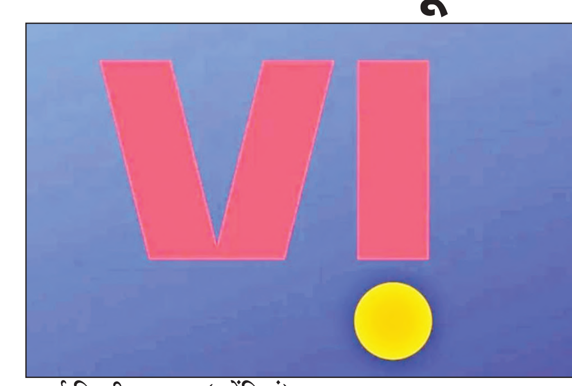

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) ।

घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 20,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कंपनी का मार्च तिमाही में नेट लॉस 6609 करोड़ रुपए बढ़कर 7166 करोड़ हो गया है।

> **कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का करेगी विस्तार**

कंपनी लगातार सब्सक्राइबर्स को गंवा रही है। कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का विस्तार करेगी, जिससे कंपनी के बिजनेस के मौजूदा परिस्थितियों पर असर पड़े और सब्सक्राइबर्स को फिर से वापस लाया जा सके।

कंपनी ने कहा है कि वह इसका मूल्यांकन कर रही है कि पैसा इक्विटी या फिर डेट या किसी अन्य माध्यम से जुटाया जाए। ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और भारत के आदित्या बिरला ग्रुप का ज्वाइंट वेंचर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में 5जी सर्विसेज देने के बाद भी ग्राहकों की घटती संख्या को रोकने में असमर्थ है। 2019 में हुए मर्जर के बाद दिसंबर में पहली बार सब्सक्राइबर्स की संख्या 200 मिलियन के नीचे आ गई। मार्च में एक बार कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या घटकर 198.20 मिलियन डॉलर हो गई थी।

वीआई के ऑडिटर्स ने चेतावनी दी है कि कंपनी की फाइनेंशियल कंडीशन्स ने नगदी के प्रवाह को प्रभावित किया है। इसके उलट कंपनी के टॉप मैनेजमेंट में रिजल्ट्स को लेकर उत्साह है। उनका कहना है कि सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है। साथ भी रेवन्यू प्रति उपभोक्ता में सुधार हुआ है। वीआई ने अपनी 5जी सर्विसेज को दिल्ली एनसीआर, मुंबई, चंडीगढ़ और पटना में तिमाही सर्विसेज शुरू की है। अब कंपनी की योजना है कि जहां 5जी एयरवेज़ हैं उन सभी 17 सर्कल में यह सर्विसेज शुरू की जाएगी। हालांकि, रिलायंस जियो और एयरटेल की बाजार में इस हिसाब से मौजूदगी है वैसे वीआई की अपनी पैठ बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

आरआईआर पावर का मुनाफा और राजस्व बढ़ा

देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा। ईबीआईटीडीए और पीएटी मार्जिन क्रमश: 12.58 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत रहे और आय प्रति शेयर (ईपीएस) 3.51 रुपये दर्ज किया गया।

मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) । अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट निसान मोटर इंडिया ने लॉन्च कर दिया है। निसान ने बताया है कि यह एसयूवी गवर्मेंट अप्रूव्ड सीएनजी रेट्रोफिट किट के साथ आएगी, जिसकी कीमत पेट्रोल मॉडल से लगभग 74,999 रुपये अधिक होगी।

यह इको-फ्रेंडली मॉडल 1 जून से आधिकारिक डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगा। लॉन्च शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में होगी। पहले चरण में अनुमानित बिक्री 2,500 से 3,000 यूनिट्स के बीच रहेगी। निसान के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि मैग्नाइट भारत में कंपनी के लिए सफल मॉडल साबित हुआ है। ग्राहक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब यह वैकल्पिक ईंधन विकल्प भी उपलब्ध होगा, जो अधिकृत फिटमेंट सेंटरों पर इंस्टॉल किया जाएगा। उनका मानना है कि इससे एसयूवी की उपयोगिता और मूल्य प्रस्ताव दोनों बढ़ेंगे। मैग्नाइट सीएनजी में 1-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन दिया गया है, जो 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से जुड़ा है।

हालांकि निसान ने अभी सीएनजी इंजन की पावर डिटेल्स साझा नहीं की हैं, लेकिन पेट्रोल वेरिएंट 71 बीएचपी और 96 न्यूटन मीटर टॉर्क देता है। इसके अलावा, कंपनी ने 5-स्पीड एएमटी विकल्प की संभावना का भी संकेत दिया है, जो भविष्य में पेश किया जा सकता है। इस वेरिएंट में 12 किलो का सिंगल सीएनजी सिलेंडर टैंक लगेगा, जो पर्याप्त बूट स्पेस भी देगा। निसान ने मैग्नाइट सीएनजी की कीमत 6.89 लाख रुपये से शुरू करते हुए 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी दी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां) । रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया। इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी

मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

ट्रंप ने स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना किया, 4 जून से लागू होगा नियम

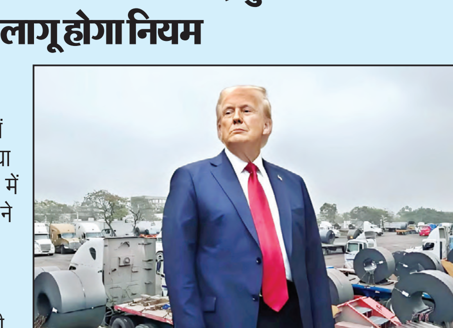

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया के एक स्टील प्लांट में वर्कर्स को संबोधित करते हुए स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना करने की घोषणा की। इन दोनों मेटल्स पर टैरिफ 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया जाएगा, बड़ी हुई दरें अगले हफ्ते से प्रभावी होंगी। स्टील प्लांट में ब्लू कॉलर वर्कर्स के सामने उन्होंने स्टील पर टैरिफ डबल करने का ऐलान किया लेकिन थोड़ी ही देर बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उन्होंने एल्यूमिनियम पर 4 जून से टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन स्टील के बीच चल रही डील पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि साझेदारी के बावजूद यूएस स्टील पर अमेरिका का नियंत्रण बना रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि इस सौदे से अमेरिका में करीब 70,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे और 1400 करोड़ डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। चुनावी दौर में इस डील का विरोध करने वाले ट्रंप अब इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि निप्पॉन स्टील अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 7 अरब डॉलर की लागत से स्टील मिलों को आधुनिक बनाया जाएगा। हालांकि, यह डील अभी अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया में है।

जेमी ओवरटन चोटिल होकर वेस्टइंडीज दौरे से बाहर, इंग्लैंड को बड़ा झटका

एजबेस्टन ,01 जून (एजेंसियां) । इंग्लैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे के बीच एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन हाथ की उंगली में चोट के चलते वनडे और टी20 सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान लगी, जब उन्होंने एक रिटर्न कैच पकड़ने की कोशिश की। इंग्लैंड ने उस मुकाबले में वेस्टइंडीज को 238 रन से करारी शिकस्त दी थी, लेकिन जीत के बावजूद ओवरटन की चोट टीम के लिए परेशानी का कारण बन गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि अब ओवरटन टीम से अलग होकर इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वनडे टीम में उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टीम के पास मैथ्यू पॉट्स और ल्यूक वुड जैसे विकल्प रिजर्व के रूप में मौजूद हैं, जबकि स्पिन विकल्प के रूप में टॉम हार्टले पर भी विचार किया जा सकता है।

31 वर्षीय जेमी ओवरटन ने पिछले साल ही वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने कुल छह वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने सात विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने वर्ष 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था, लेकिन इसके बाद उन्हें एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिल पाया है।

जेमी ओवरटन की गिनती इंग्लैंड के उन तेज गेंदबाजों में होती है जो अपनी रफ्तार के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी टीम को गहराई प्रदान करते हैं। उनका कद 6 फीट 5 इंच है और वह गेंद को स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में हुए आईपीएल 2025 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। आईपीएल में उन्होंने कुल तीन मुकाबले खेले, हालांकि उन्हें सिर्फ छह ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में खेलने से पहले ओवरटन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल का हिस्सा थे।

न्यूज ब्रीफ

फोर नेशंस टूर्नामेंट: भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

HOCKEY INDIA

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शुटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

बेहतरीन पारी से चयनकर्ताओं की उम्मीद पर खरे उतर रहे करुण नायर

कैंटेंबरी। कैंटेंबरी के मैदान पर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलकर करुण नायर के नाबाद 186 रनों की बदौलत इंडिया-ए ने पहले ही दिन 3 विकेट के नुकसान पर 409 रन बनाए हैं। इंडिया ए की ओर से सरफराज खान ने भी एक छोर संभाला और 119 गेंदों पर 92 रन बनाए। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए ने बनाए 409 रन इसके बाद ध्रुव ज्यूरेल ने नायर का साथ देकर स्कोर 400 पार लगा दिया। नायर की यह पारी तब सामने आई जब सात साल बाद उन्हें बीसीसीआई ने मौका दिया है। नायर ने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए थे इसकारण उन्हें आईपीएल में भी दिल्ली कैपिटल्स ने मौका दिया था। अब नायर भारत के लिए पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपना मजबूत दावा पेश करते दिख रहे हैं। इसके पहले इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स रॉ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। यह फैसला सही भी साबित जब हुआ जब भारतीय कप्तान अभिमन्यू छठे ओवर में ही 8 रन बनाकर चलते बने। जायसवाल भी 24 रन बनाकर आऊट हुए। इससे टीम इंडिया की ओपनिंग क्रम को लेकर चिंता भी पैदा हो गई। लेकिन तीसरे नंबर पर आए करुण ने पारी को संभाला और विकेट के चारों ओर शॉट लगाए। उन्हें सरफराज का भरपूर सहयोग मिला, दोनों के बीच 181 रन की साझेदारी हुई।

बुमराह और तेवतिया जब आमने-सामने आये

मुल्लांपुर। मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुजरात टाइटंस के राहुल तेवतिया की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर मुकाबले में एकदूसरे से झड़प हो गयी थी हालांकि मामला बढ़ नहीं पाया। ये भिड़ंत उस समय हुई जब दोनों ही टीमें मैच जीतने जोर लगा रहीं थीं। इस मुकाबले में मुम्बई को आंखिरकार जीत मिली। ये मामला गुजरात की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। तेवतिया ने बुमराह की गेंद में छक्का लगाया और जब वह अगली बार ऐसा करने गये तो वह अगली दो गेंदों में शॉट लगाने में विफल रहे। इसके बाद तनाव के बीच ही तेवतिया ने कोई बात कही दी जिससे बुमराह भी बरस पड़े और उन्होंने कहा, मेरे से मत बोल। इसके बाद तेवतिया ने कहा कि वह अपने से बातें कर रहे थे जिससे दोनो के बीच गलतफहमी दूर हो गयी।

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन,आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली ,01 जून (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब सुदर्शन का फोकस भारतीय रेड बॉल क्रिकेट पर है। उन्होंने पिछले सीजन में इंग्लिश काउंटी टीम सरे के लिए भी कुछ मैच खेले थे, जिससे उनकी तकनीक में सुधार हुआ।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण यह कम हो गया है। भारतीय टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सुदर्शन ने कहा, काउंटी क्रिकेट में मैंने सात मैच खेले हैं, जिससे मेरी तकनीक और बुनियादी बातें बेहतर हुई हैं। मुझे एहसास हुआ कि बल्लेबाजी में बेसिक्स पर ध्यान देना कितना जरूरी है। अब मैं अपने अनुभवों से सीख लेकर और बेहतर बनना चाहता हूं।

सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। उन्होंने कहा, तीन महीने के सफेद गेंद के क्रिकेट के बाद मेरी बल्लेबाजी में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन टेस्ट की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। अब मेरा ध्यान केवल बेसिक्स पर रहेगा। जब उनसे आईपीएल के बाद टी20 टीम में चुने जाने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो सुदर्शन ने कहा, देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है, मैं भी ऐसा चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मुझे अपने खेल में सुधार करना है और जब भी मौका मिलेगा, मैं देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहूंगा।

महेला जयवर्धने ने किया साई सुदर्शन की तारीफ

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में साई सुदर्शन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी गुजरात टाइटंस को हार से नहीं बचा सकी। मुंबई इंडियंस ने इस रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 20 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रनों की जोरदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सुदर्शन के इस प्रदर्शन ने कई क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींचा हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान महेला जयवर्धने भी शामिल हैं। जयवर्धने ने युवा बल्लेबाज की तकनीक और मानसिक दृढ़ता की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें काफी आनंद आया और उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'शानदार' करार दिया। साथ ही, जयवर्धने ने इंग्लैंड दौरे को लेकर उम्मीद जताई कि सुदर्शन वहां भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करेंगे। जयवर्धने ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन सुदर्शन में वहां भी सफल होने की काबिलियत है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में बड़ा योगदान देगा। सुदर्शन ने इस आईपीएल सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक और एक शानदार शतक भी जड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोररों में शामिल हो गए। गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में सुदर्शन सबसे भरोसेमंद नाम बनकर उभरे। हालांकि टीम का सफर यहीं खत्म हो गया, लेकिन सुदर्शन ने अपने दमदार प्रदर्शन से भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने क्वालिफायर 2 में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से होगा, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

रबाडा बोले, नशीली दवाओं के सेवन की गलती के लिए अपने को माफ नहीं करूंगा

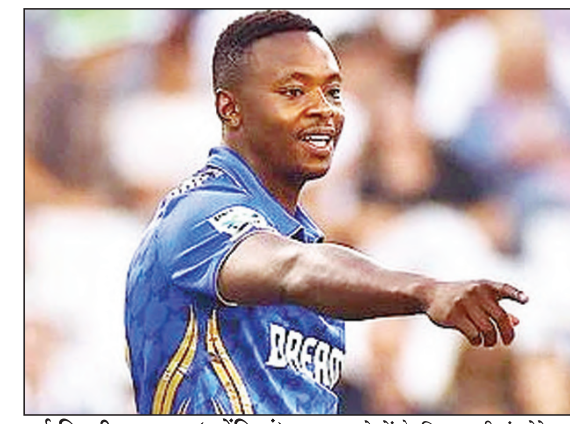

नई दिल्ली ,01 जून (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने कहा है कि वह नशीली दवाओं के सेवन के लिए शर्मिंदा हैं। नशीली दवाओं के सेवन के कारण ही रबाडा पर अप्रैल में एक माह का प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिसके बाद रबाडा स्वदेश लौट गये थे। आईपीएल के दौरान ही उन्होंने अपनी गलती मान ली इस कारण उनपर लीग ने अपनी ओर से कोई प्रतिबंध नहीं लगाया।

रबाडा ने कहा, मैं फिर से वापसी कर उत्साहित हूं। प्रतिबंध की इस प्रक्रिया को बहुत अच्छे से संभाला गया. मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर लोगों के अलग-अलग विचार होते हैं। मैं इसके साथ जी सकता हूं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो निराश हुए होंगे और मैं उन लोगों के लिए दुखी हूं। मेरे सबसे करीबी लोग वे हैं जिन्हें मैंने निराश किया पर जीवन इसी प्रकार आगे बढ़ता रहता है। रबाडा ने साथ ही कहा, मैं अपनी इस गलती को कभी भी माफ नहीं करूंगा। कुछ लोग ऐसे हैं जो मेरे टीम के साथी हैं। मैंने उनसे पहले ही बात कर ली है और मुझे लगता है कि जब हम लंबे समय तक साथ मिलेंगे तो हम इस बारे में और विस्तार से बात कर सकते हैं।

प्रतिबंध के कारण ही गुजरात टाइटन्स टीम को उन्हें सत्र के बीच में ही छोड़ना पड़ा था हालांकि इसकी उनके स्वदेश लौटने की जानकारी तब हुई जब वह प्रतिबंध समाप्त करने के करीब थे। वह 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में खेलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका टीम इस प्रकार है : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को जेनसन, कागिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरिन, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान ...

शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस अपने साथ ले गई और शनिवार को उसे कोलकाता की अलीपुर कोर्ट में पेश किया। अलीपुर कोर्ट ने गंभीर अपराधी शर्मिष्ठा को जमानत नहीं दी और उसे जेल भेज दिया गया। पूरा देश ऐसी अदालतों के ऐसे कृत्य पर स्तब्ध रह गया है।

यह विवाद 14 मई को शुरू हुआ जब एक पाकिस्तानी मुस्लिम हैंडलर ने पहलगाम आतंकी हमले में 24 हिंदुओं के नरसंहार को हल्के में लेने की कोशिश की। शर्मिष्ठा ने गुस्से में उस पाकिस्तानी हैंडल का मजाक उड़ाया और पूछा कि क्या उन्हें पहलगाम और अन्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों की जानकारी है। शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल किया कि क्या भारतीय सेना को इन हमलों के खिलाफ कुछ नहीं करना चाहिए था? इसके बाद पाकिस्तानी और भारतीय मुस्लिम यूजर्स को जब कोई तर्क नहीं सूझा तो अपनी सड़ियल आदतों के मुताबिक शर्मिष्ठा के वीडियो को इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के अपमान से जोड़ कर गंदी धमकियां देनी शुरू कर दी।इन धमकियों से दबाव में आई लड़की ने अपना वीडियो डिलीट कर दिया और बिना शर्त माफी भी मांग ली। लेकिन कट्टरपंथियों को इससे कहां चैन मिलता। सरकार और अदालतें भी ऐसे ही कट्टरपंथियों के साथ खड़ी हो तो शर्मिष्ठा की माफी से क्या होता है। उसके खिलाफ फौरन केस दर्ज हो गया और फौरन गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो गया। कोलकाता पुलिस ने फौरन गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर लिया। देश का कानून और देश का नागरिक ऐसी व्यवस्था पाकर धन्य हो गया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सही कहा था कि देश में दंगा भड़काने और साम्प्रदायिक घृणा पैदा करने के लिए अदालतें जिम्मेदार हैं। शर्मिष्ठा की इस तरह की गई गिरफ्तारी पर तमाम बुद्धिजीवी, प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षी जमातें शातिराना चुप्पी साधे बैठी हैं। फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना राणावत ने सामने आकर बंगाल सरकार और अदालत से कहा है कि वे शर्मिष्ठा को परेशान न करें और उसे तत्काल रिहा करें।

कुख्यात आतंकवादी...

कतर के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हमद बिन जसीम बिन जाबेर अल थानी ने प्रिंस के आधिकारिक लंदन निवास क्लेरेंस हाउस में निजी ऑफ-द-बुक मीटिंग के दौरान तीन डिलीवरी में ब्रिटिश सिंहासन के उत्तराधिकारी को बड़ी रकम दी थी। यहां यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि शेख हमद बिन जसीम बिन जाबेर अल थानी फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास का कट्टर समर्थक है। उसे यहूदियों से घोर नफरत है और इजराइल राज्य का वह हिंसक विरोधी है। इस्लामवादी कतरी शेख 3 मिलियन यूरो के नोटों का ढेर लेकर आया था, जो आज के विनिमय दरों के मुताबिक लगभग 3.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। चार्ल्स को मिले उपहारों में बेशुमार नकदी के साथ ही बेशकीमती डफल बैग, एक सूटकेस और प्रसिद्ध फ़ोर्टनम और मेसन डिपार्टमेंट स्टोर से कई ब्रांडेड शॉपिंग बैग वगैरह भी शामिल थे।

ममता को सिंदूर...

उन्होंने कहा, हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ रोकनी है, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं पर हो रही हिंसा रोकनी है, हिंदुओं का पलायन रोकना है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष संगठनात्मक बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने 2026 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के रोडमैप पर चर्चा की और तृणमूल कांग्रेस को खूब खरी-खोटी सुनाई। अमित शाह ने कहा, वर्षों तक बंगाल में कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद ममता बनर्जी मां, माटी, मानुष का नारा देकर आईं। उन्होंने बंगाल की महान भूमि को घुसपैठ, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ अनैतिकता की भूमि में बदल दिया। ममता के सीएम बनने के बाद पश्चिम बंगाल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। दीदी, मेरी बात सुनिए, अब आपका समय खत्म हो गया है। 2026 में भाजपा सरकार बनाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही तृणमूल कांग्रेस सत्ता से हटेगी, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी, भले ही वे जमीन के नीचे क्यों न छिपे हों। अमित शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल का चुनाव न केवल बंगाल का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है।

ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए देश की सीमाएं खोल दी हैं। वह घुसपैठ की इजाजत दे रही हैं। ममता बनर्जी घुसपैठ नहीं रोक सकतीं, केवल भाजपा सरकार ही ऐसा कर सकती है। हमने उनसे बाड़ लगाने के लिए जमीन मांगी है। वह सीमा पर जमीन नहीं दे रही हैं, ताकि घुसपैठ जारी रहे और उनका वोट बैंक बढ़ता रहे और ममता के बाद ममता का भतीजा सीएम बन जाए। लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है।

दोगले मापदंडों ...

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी से उठ रहे इन सवालों का जवाब पूरा देश मांग रहा है। पुणे के सिम्बायोसिस लॉ कॉलेज की 22 वर्षीय छात्रा शर्मिष्ठा को 30 मई 2025 को कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की वजह क्या थी? ऑपरेशन सिंदूर पर एक इंस्टाग्राम वीडियो, जिसे उसने बाद में डिलीट भी कर दिया। पाकिस्तान की ट्रोल आर्मी की तरफ से मिलने वाली धमकियों और गाली-गलौज का जवाब देते हुए शर्मिष्ठा ने एक टिप्पणी की, जिसके बाद उसे भारत में बैठे इस्लामिक कट्टरपंथियों ने बलात्कार, हत्या और सिर तन से जुदा जैसे नारों के साथ भयानक धमकियां देनी शुरू कर दीं। सोशल मीडिया पर ऐसी खतरनाक और जानलेवा धमकियों की लाइन लग गई। लेकिन देश के कानून ने इन निर्लज्ज धमकियों का कोई संज्ञान नहीं लिया।निर्लज्जता का चरम है कि अलीपुर कोर्ट ने मासूम शर्मिष्ठा को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भी भेज दिया है। जबकि, जिन सैकड़ों इस्लामिक कट्टरपंथियों ने शर्मिष्ठा को जान से मारने, और उसका बलात्कार करने की धमकियां दी थीं, वे सभी छुट्टा घूम रहे हैं। आज भारत में जो तत्व असली जहर फैला रहे हैं, वे खुद को साहित्यकार, एक्टिविस्ट और तथाकथित पत्रकार बताते हैं। एक ओर मोहम्मद जुबैर जैसे लोग हैं, जो हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक मीम्स फैलाता है और झूठे नैरेटिव गढ़ता है। फिर भी उन्हें फैक्ट चेकर कहा जाता है। उधयनिधि स्टालिन जैसा नेता सनातन धर्म को गंदा कीड़ा बताता है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। लीना मणिमेकलई जैसी फिल्ममेकर मां काली को सिगरेट और समलैंगिक झंडे के साथ दिखा कर कला की आड़ में अपमान करती है। लेकिन उस पर कभी अदालतें ध्यान नहीं देतीं। ये उस जमात के प्रतिनिधि हैं जो किसी न किसी रूप में हिंदू-विरोध का एजेंडा फैलाने में जुटे हैं और विडंबना यह है कि इनके पीछे तथाकथित सेकुलर ताकतों, अंतरराष्ट्रीय एनजीओ नेटवर्क और कुछ राजनीतिक दलों का खुला समर्थन है।कोलकाता से पुलिस गुरुग्राम आकर शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर ले जाती है, लेकिन मुर्शिदाबाद दंगों में जहां हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिरों को अपवित्र किया गया और निर्दोष लोगों की जानें ली गईं, वहां पुलिस कहां और क्यों गायब थी? हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन की निर्मम हत्या कर दी गई, वहां पुलिस कहां और क्यों गायब थी? हजारों लोगों ने कुछ ही घंटों में वहां से पलायन किया, तब सरकार और पुलिस कहां और क्यों गायब थी? मुर्शिदाबाद दंगे का मास्टरमाइंड आज तक क्यों नहीं गिरफ्तार किया गया? इन गंभीर सवालों में घिरी बंगाल या कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को गिरफ्तार कर खुद को और पूरी बंगाल सरकार को देश के सामने नंगा कर दिया है। कोलकाता पुलिस 22 साल की छात्रा को गिरफ्तार करने में तेजी दिखाती है लेकिन धार्मिक मंचों से नफरत फैलाने वाले कट्टरपंथी मौलानाओं को पकड़ने में अपना हिजड़त्व प्रदर्शित करती है। क्या इसे ही लोकतंत्र कहते हैं? 22 वर्षीय छात्रा को सोशल मीडिया पोस्ट के लिए अपराधी बना दिया जाता है, लेकिन सैकड़ों गरीब-मासूम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले दंगाइयों और उनके सूत्रधारों को हाथ तक नहीं लगाया जाता, क्या इसे ही लोकतंत्र कहते हैं? अधर्मी धर्मनिरपेक्षों, दुर्गतिगामी प्रगतिशीलों, दुर्बुद्धिजीवियों और हिंदुओं का कुतर्की विरोध कर खुद को महान समझने वाले स्खलित लोगों से सीधा सवाल है कि जब शर्मिष्ठा को बलात्कार और सिर तन से जुदा करने की खुलेआम धमकियां मिल रही थीं, तब तुम्हारी नैतिकता कहां घुसी हुई थी? क्या सिर्फ हिंदुओं और हिंदू देवी-देवताओं को गालियां देना ही तुम्हारा लोकतंत्र है? क्या सनातनी भावनाओं को कुचलना ही तुम्हारी आजादी है? क्या भारत को गालियां देना और कोसना ही तुम्हारी अभिव्यक्ति की आजादी है? क्या यही तुम्हारा सेलेक्टिव डेमोक्रेसी है?

सेना का ...

फिर भी, रेड्डी इन्हें दोहरा रहे हैं, शायद कांग्रेस के राहुल गांधी और सोनिया गांधी को खुश करने के लिए रेवंत रेड्डी ऐसी हरकतें कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या रेड्डी को भारतीय सेना पर भरोसा नहीं है? सुभाष ने रेड्डी पर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज कर सुर्खियों में रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, रेवंत रेड्डी देश के साथ एकजुटता दिखाने के बजाय मिस वर्ल्ड के साथ अखबार के पहले पन्ने पर छपना ज्यादा जरूरी समझते हैं।उल्लेखनीय है कि सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की जय हिंद यात्रा में कहा था कि मोदी अब अमान्य 1000 रुपए के नोट जैसे हो गए हैं। अब देश को राहुल गांधी जैसे नेता की जरूरत है। रेवंत ने खुशामदी अंदाज में यहां तक बोल दिया कि राहुल गांधी अगर प्रधानमंत्री होते तो इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेकर पीओके वापस ले चुके होते। रेवंत रेड्डी ने यह भी पूछा था कि ऑपरेशन सिंदूर में कितने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान मारे गए। रेड्डी ने कहा था कि मोदी सरकार बलूचिस्तान को आजाद कराने और पीओके पर कब्जा करने में नाकाम रही।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 02 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ की 28वीं कांवड़ यात्रा 27 जुलाई को

कांवड़ यात्रा करपात्र का विमोचन किया गया

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ, हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई को 28वीं भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस संदर्भ में संघ के यात्रा सह संयोजक कुणाल गोयल के नरसिंगी स्थित निवास पर पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में 28वीं कावड़ यात्रा के करपात्र का विमोचन संघ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इसमें अध्यक्ष मांगेराम तायल ने बताया कि इस वर्ष की काँवड़ यात्रा में 1,121 काँवड़धारियों को पंजीकरण द्वारा काँवड़ उठाने का अवसर दिया जाएगा। यात्रा प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बैठक में जानकारी दी कि कांवड़ यात्रा 27 जुलाई को सुबह 6.00 बजे से चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर से प्रारंभ होगी, जो विभिन्न निर्धारित मार्गों से होकर 20 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करते हुए शमशाबाद स्थित मंचिरेवुला गांव के निकट स्थित ओम कन्वेंशन फंक्शन हॉल में रुकेगी, जहां विशाल भंडारा व शिव महाजागरण का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद ने बताया कि काँवड़ पंजीकरण आगामी 15 जून को प्रारंभ हो जाएगा, जो पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा।बैठक में संस्था के मंत्री कमल किशोर मालानी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल एवं सुनील अग्रवाल,संयोजक विजय कुमार अग्रवाल, प्रचार सहसंयोजक पंकज वर्मा, यात्रा प्रभारी कुणाल गोयल, भरत छाबरिया, मीनू गुप्ता, नीलम गोयल ने अपने-अपने सुझाव रखे। महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

गौवंश को बचाया गया

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ ज्ञान फाउंडेशन से मिली सूचना पर, पुलिस ने हैदराबाद के गांधीनगर पीएस सीमा के तहत भोईगुडा बूचड़खाने पर छापा मारा जहां से आठ बैलों को बचाया गया और आश्रय और देखभाल के लिए ध्यान फाउंडेशन शमशाबाद गौशाला भेजा गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार ध्यान फाउंडेशन शमशाबाद गौशाला 1200 से अधिक गोवंश का घर है, जिनमें मुख्य रूप से बैल और बूढ़ी गैर-दुधारू गौ माताएं और नर बछड़े शामिल हैं, जिन्हें पुलिस ने पशु तस्करों और अवैध बूचड़खानों से बचाया है। गौशाला में गोवंश को दयनीय स्थिति में प्राप्त किया जाता है। अक्सर दिनों तक भोजन और पानी से वंचित, ट्रकों में ठूंस कर भरे हुए जिनके अंग और सींग टूटे हुए होते हैं, माताओं को उनके बच्चों से अलग कर दिया जाता है, उनकी आँखों में मिर्च भरी होती है।गौशाला में स्वयंसेवकों, कर्मचारियों और पैरा-पशु चिकित्सकों की टीम इन गोवंशों की शीघ्र स्वस्थता सुनिश्चित करने और उन्हें सुरक्षित और घर जैसा माहौल महसूस कराने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।

अग्रवाल समाज बहादुरपूरा शाखा का गठन

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बहादुरपूरा शाखा का गठन किया गया है ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मीडिया चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल एवं शाखा निर्माण कमेटी के चेयरमैन संजय पसारी ने बताया कि अग्रवाल समाज बहादुरपुरा शाखा में कुल 60 सदस्य हैं और अनील केडिया को शाखा अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया । गौरव संघी को उपाध्यक्ष, मुकेश गनेरीवाल को मानद मंत्री, राकेश अग्रवाल को सह मंत्री, अनिल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष एवं राकेश कुमार गनेरीवाल को केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में चयनित किया गया । मुकुन्दलाल अग्रवाल, अशोक कुमार, नरेश सिंघानिया, विनोद गोयल, पंकज अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य होंगे । पंकज मित्तल, मुकेश सिंग्रोडिया, आनंद अग्रवाल, मनोज अग्रवाल परामर्शदाता नियुक्त किए गए।उक्त समारोह में अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय पदाधिकारी जिसमें अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, सह मंत्री कंचन अग्रवाल, संजय पसारी, राकेश जालान, मीडिया कमेटी चेयरमैन अजय अग्रवाल का सम्मान किया गया । साथ ही साथ अग्रवाल समाज मुरली नगर शाखा के दिनेश सहबाज़पुरिया के अध्यक्ष एवं शिवरामपल्ली शाखा के अध्यक्ष अनिल गोयल का भी सम्मान किया गया।अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने इस नई शाखा के गठन पर प्रसन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज से प्रत्येक अग्र बंधु को जुड़ना चाहिए ।इन दो वर्षों में कुल 23 नई शाखाओं का गठन किया गया ,यह समाज के भविष्य लिए उत्तम संकेत है !उन्होंने नई शाखा के सभी पदाधिकारियों ,सदस्यों को बधाई दी साथ साथ परिवार के अन्य महिला सदस्यों और युवा सदस्यों को भी समाज से जोड़ने को कहा । इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार ने शाखा पद्धादिकारियों को बधाई दी और समाज द्वारा भविष्य में अग्रसेन विश्वविद्यालय की योजना के संबंध में बताया । इस अवसर पर राजेंद्र भाल वाले, राजिन्दर संघी, ओम प्रकाश सिंघानिया,सुनील केडिया, दिनेश केडिया , महिंदर सिग्रोदिया, शिव कुमार भालवाले, महेशसिंघानिया, अनिल अग्रवाल, पुष्कर अग्रवाल उपास्थित थे।

7 जून से शुरू होगा गिगल फेस्ट सीजन-2

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गिगल फेस्ट हैदराबाद के सबसे भरोसेमंद डेयरी ब्रांड्स में से एक है। सिड्स फार्म को शहर के अग्रणी पारिवारिक कार्निवल के सीजन-2 के लिए टाइटल प्रायोजक के रूप में घोषित किया गया।एक ही दिन में 11,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति के साथ सीजन 1 की सफलता के बाद, गिगल फेस्ट 1,00,000+ वर्ग फीट में फैले विस्तारित प्रारूप के साथ वापस आ रहा है, जिसमें 150 से अधिक क्यूरेटेड स्टॉल, लाइव प्रदर्शन, आकर्षक कार्यशालाएँ और एक समर्पित किड्स ज़ोन शामिल हैं।

टाइटल प्रायोजक के रूप में, सिड्स फार्म इंटरैक्टिव उत्पाद सैंपलिंग, ऑन-ग्राउंड अनुभवों और बच्चों और अभिभावकों के लिए क्यूरेटेड जुड़ावों के माध्यम से गुणवत्ता, विश्वास और परिवार के अनुकूल पोषण पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा।गिगल फेस्ट के सह-संस्थापक वामशी कृष्ण ऐथा और उनकी पूरी टीम- अखिल, शिव नारायण, श्रीनिवास गुनीशेट्टी, आदित्य, मौनिका, अनन्या, अखिला, स्नेहा, श्रेया और शिव प्रसन्ना तेलुकुंटा ने कहा कि हम सीजन 2 के लिए सिड्स फार्म के साथ साझेदारी करके खुश हैं। गिगल फेस्ट सीजन 2 का उद्देश्य सभी आयु समूहों के लिए एक जीवंत, इमर्सिव अनुभव बनाना है - जिसमें सिड्स फार्म उन क्षणों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा आर. नानकराम के घर के सामने सिटी कॉलेज के पास अन्नदानम का कार्यक्रम किया गया। जिसमें अनिल धरसुवाला, सज्जन अग्रवाल, दिनेश सराफ, मनोज मित्तल, मनोज गौशालावाला, महेश, यश अग्रवाल एवं महिला समिति उपस्तिथ थे।

रविवार को बालानगर स्थित बेकमेन फैक्ट्री आउटलेट में प्रीमियम गेहूं के आटे के ब्रांड बेकमेन के लॉन्च के अवसर पर बेकमेन के राजेश अग्रवाल, प्रद्युम्न अग्रवाल, इंदु अग्रवाल एवं अन्य।

श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल के 25 वर्ष पूर्ण

5 दिवसीय भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पोस्टर विमोवित

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सुखसागर भवन हैदरगुडा में श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल की बैठक अध्यक्ष राजीव समदडिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में प्रचार संयोजक प्रेमचंद मुणोत ने बताया कि श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल हैदरगुडा के सदस्यों ने भक्ति एवं सेवा के क्षेत्र में, सुचारू रूप से 25 वर्षों का सफल अनुभवी योगदान पूर्ण किया। इस उपलक्ष में आज कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक, श्री सुखसागर भवन हैदरगुडा में रखी गई जिसफें मंडल के संस्थापक संघवी अमरचंद श्रीश्रीमाल, पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, अध्यक्ष राजीव समदरिया, महामंत्री महेंद्र कांटेड, आनंद पगारिया, सुरेंद्र कांटेड, पुनम श्रीश्रीमाल, महेंद्र चोपडा, संजय गुलेच्छा, डॉ. भावेश कांटेड, प्रवीण श्रीश्रीमाल एंव प्रचार मंत्री प्रेमचंद मुणोत उपस्थित थे। बैठक में आगामी महोत्सव के पोसटर का विमोचन किया गया।

नवकार महा मंत्र से सभा की शुरुआत करते हुवे अध्यक्ष राजीव समदडिया ने पधारे हुए सभी सदस्यों का अभिवादन किया एवं मंडल के 25 वे साल की सभी को बधाई देते हुवे इस वर्ष के पंच दिवसीय कार्याम की रूप रेखा प्रस्तुत की। सबकि सहमति से आगामी भगवान श्री महावीर स्वामी जी का जन्म कल्याणक महोत्सव, पंच दिवसीय महोत्सव के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया, महोत्सव रविवार 6 अप्रैल को प्रातः 7.30 बजे स्वास्थ्य जांच शिविर (चेक-अप केम्प), सोमवार दि. 7 अप्रैल को प्रातः 8 से 9 बजे तक ईमलीबन गौशाला, एम. जी.बी.एस. बस स्टॉप, गवलीगुडा मे, मंगलवार दि. 8 अप्रैल को प्रातः 7.30 बजे कोठी मेटरनीटी अस्पताल प्रांगण में अन्न प्रसादम तथा रात्री 8 से 10 बजेतक प्रभु भक्ती का कार्याम सुख सागर जैन मंदिर, सुख सागर एपार्टमेन्ट, हैदरगुडा में रखा गया है वहीं बुधवार दि. 9 अप्रैल को नारायणगुडा स्थित मोहित फैब्स के पास इक्षुरस वितरण कार्याम प्रातः 10 बजे से रहेगा। महोत्सव में चिकित्सा, माधव सेवा, अन्न प्रसादम, रंगारंग भक्ति, ईक्षुरस वितरण सेवा तथा प्रभात फेरी शामिल है।डॉ. भावेश कांटेड की निश्रा एंव देखरेख मे, चिकित्सा शिवीर (मेडिकल कैंप प्रोजेक्ट) संयोजक का प्रभार चेतन मुथा, आशा समदड़ीया एवं प्रदीप बरमेचा को सौंपा गया। इक्षुरस कि सेवा प्रति रविवार (धूपकाले के 4 माह) लाभार्थी परिवारों के सौजन्य से बशीरबाग एवं हिमायत नगर के श्रेत्र में सुबह 10.30 से दोपहर 12.00 के बीच में की जाएगी, इस के संयोजक राजीव समदड़ीया एवं पंकज ओस्तवाल रहेंगे।चेयरमैन संघवी अमरचंदजी श्रीश्रीमाल एवं पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत ने इन 25 वर्षों में मंडल को तन मन और धन से सहयोग प्रधान करने वाले सभी सेवादाता एवं दानदाता का आभार व्यक्त किया।

महामंत्री महेंद्र कांटेड ने सभी सदस्यों को अपनी क्षमता के अनुसार कार्य भार संभाल ने का आग्रह किया। अंत में राष्ट्र गान के साथ मिटींग समापन हुई।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को स्व. गोपालदास अग्रवाल की पुण्यतिथि पर मूलचंद गोपालदास तोंडावाले द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल,बिमल किशोर सांघी, योगेश सांघी, ई-जगन (चंपा पेट), संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, शीतल गुप्ता, भगतराम गोयल, कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया, गोविंद केडिया, युवान केडिया, विशालजी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रेड्डी ने विश्व सुंदरी का ताज जीतने पर सुचाता को बधाई दी

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मिस थाईलैंड ओपल सुचाता चुआंगश्री को विश्व सुंदरी का ताज जीतने पर बधाई दी है।श्री रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म' 'एक्स' पर कहा, शाम में हैदराबाद की सबसे अच्छी चीजें देखने को मिलीं और पूरे भारत के सितारे उद्देश्य, बुद्धिमत्ता, मूल्य, प्रतिबद्धता और सौंदर्य को एक साथ मनाने के लिए एकत्रित हुए।मैं विजेताओं को बधाई देता हूं, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि उनमें से हर एक विजेता है, जो इतनी दूर तक आया है, वैश्विक

मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है, और लोगों और समुदाय की भलाई के लिए अपने कौशल का उपयोग करने की उनकी अडिग प्रतिबद्धता के लिए है', सीएम ने कहा।उन्होंने कहा कि एक राज्य के रूप में, हमने इन सभी देशों के मिस वर्ल्ड आगंतुकों के सामने तेलंगाना राइजिंग, हमारी समृद्ध संस्कृति, विरासत, इतिहास, मूल्यों, लोगों और हमारे बढ़ते कद को प्रदर्शित किया।वे सभी आत्मा में ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे, और पूरी दुनिया हमारी भावना तेलंगाना जरूर आना को दोहराएगी, सीएम ने ट्वीट किया।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सत्यम शिवम् सुंदरम गौशाला, गगन पहाड़ में गौ सेवा की गई। जिसफेंगुड, चना, केला का भोग गौ माता को लगाया गया । ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी हेमा मालिनी तायल, प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल अन्य सदस्यगण गोवर्धन लाल अग्रवाल, अशोक कुमार तायल, राजेश अग्रवाल, प्रदीप तुलसियान, श्रीमती संतोष अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, उमा तायल, दीपा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, रेखा तुलसीयान, मीरा अग्रवाल, सपना तुलसियान आदि ने सेवा प्रदान की।

तेलंगाना स्थापना दिवस (2 जून) की पूर्व संध्या पर एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मोहम्मद शम्सुद्दीन ने रविवार को पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव से उनके आवास पर मुलाकात की। ज्ञाव्य रहे कि दि. 3 जून को बीआरएस नेता हरीश राव का जन्मदिन है, इसलिए शम्सुद्दीन ने बीआरएस सरकार के प्रमुख कार्यक्रम हरिता हरम की बड़ी सफलता के लिए आभार के प्रतीक के रूप में उन्हें एक स्मारक पौधा भेंट किया। इस अवसर पर जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती भी उपस्थित थे।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला समिति द्वारा आयोजित 40 दिवसीय सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर का समापन समारोह नृसिंह मंदिर हाल, सुल्तान बाजार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संचालक राधेश्याम राठी एवं श्यामलता नावांदर सहयोगी राजेश तोषनीवाल, सुरेखा सारडा, रेखा राठी, ललिता सोनी, माया सांखला एवं बालक-बालिकाएं उपस्थित थे।

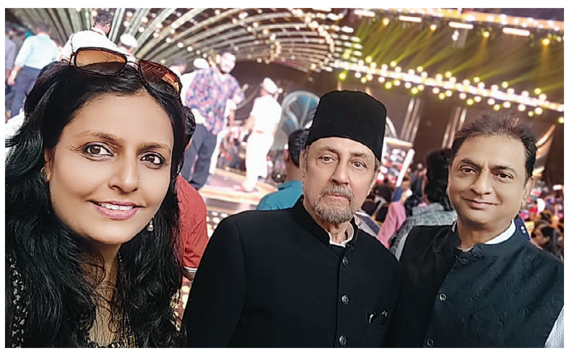

अंतरराष्ट्रीय मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता-2025 जो हाईटेक्स प्रदर्शनी सेंटर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टियाना पिस्ज़कोवा के साथ भाग लेती हुईं समाज सेविका पूजा गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता एवं रौनक यार खान निज़ाम उपस्थित रहे।

तेलंगाना सरकार फिर से शराब की कीमतें बढ़ाने की तैयारी में : आबकारी विभाग का प्रस्ताव

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार कथित तौर पर शराब की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है, पिछली बढ़ोतरी के बमुश्किल दो हफ़्ते बाद। आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार, ब्रांडी, व्हिस्की, रम, वाइन और विदेशी स्कॉच (आईएफएमएल) सहित लोकप्रिय शराब ब्रांडों की कीमतों में 10% तक की बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव पर काम चल रहा है। अगर इसे लागू किया जाता है, तो ब्रांड के आधार पर एक चौथाई बोतल की कीमत 10 से 80 तक बढ़ सकती है।

रेवंत रेड्डी प्रशासन के तहत छह महीने के भीतर यह तीसरी मूल्य वृद्धि होगी, इससे पहले फरवरी में बीयर की कीमतों में 15% की वृद्धि हुई थी तथा 18 मई को विशेष उत्पाद शुल्क लगाया गया था।

ब्रुअरीज ने पहले अपने बेस प्राइस बढ़ाए थे, और डिस्टिलरीज और सप्लाई कंपनियां अब इसी तरह की बढ़ोतरी की मांग कर रही हैं। वर्तमान में, टीजीबीसी लिमिटेड एक बेस प्राइस का भुगतान करता है, और डिस्टिलरीज उस राशि पर कम से कम 30% की वृद्धि के लिए दबाव डाल रही हैं।

मूल्य निर्धारण की समीक्षा के लिए सरकार ने पूर्व न्यायमूर्ति जयसवाल की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय मूल्य निर्धारण समिति नियुक्त की।

समिति ने कथित तौर पर डिस्टिलरी के लिए मूल कीमतों में 15% तक की वृद्धि की सिफारिश की। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर सहमति नहीं जताई है, क्योंकि कहा गया है कि विशेष उत्पाद शुल्क उपकर केवल कल्याणकारी योजन-ाओं के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए लगाया गया था।

अफ़वाहों के अनुसार डिस्टिलरी उत्तरी तेलंगाना के एक विधायक के माध्यम से सरकारी अधिकारियों से पैरवी कर रही है, जो शराब के व्यापार में शामिल है। मूल्य निर्धारण समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार फिर से कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है, लेकिन इस साल की पिछली दो बढ़ोतरी को देखते हुए संभवतः 10% तक की बढ़ोतरी को सीमित कर सकती है।

अगर यह कदम आगे बढ़ता है, तो अनुमान है कि राज्य सरकार को सालाना 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। हालांकि, आबकारी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तेलंगाना में पहले से ही पड़ोसी राज्यों की तुलना में शराब की कीमतें अधिक हैं, और आगे की बढ़ोतरी उपभोक्ताओं को अवैध या नकली शराब की ओर धकेल सकती है।

कंपनियों के साथ मौजूदा शराब आपूर्ति समझौता 30 जून को समाप्त हो रहा है, और नया अनुबंध 1 जुलाई से शुरू होगा। सरकार ने हाल ही में शराब आपूर्ति कंपनियों से सीलबंद बोलियां खोली हैं, जिसमें 92 फर्मों से कुल 604 शराब ब्रांडों की पेशकश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

इनमें 47 नई कंपनियाँ हैं जो 386 ब्रांड की आपूर्ति कर रही हैं, जबकि 45 मौजूदा कंपनियों ने 218 ब्रांड के लिए बोलियाँ प्रस्तुत की हैं। उल्लेखनीय है कि नए आ-वेदकों में कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र की डिस्टिलरी और हैदराबाद में पंजीकृत लगभग 20 स्थानीय फर्में शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि पर निर्णय जल्द ही आने की उम्मीद है, जिसकी फाइलें वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय में समीक्षाधीन हैं। यदि कीमतें फिर से बढ़ती हैं, तो उपभोक्ताओं को लोकप्रिय शराब ब्रांडों के लिए काफी अधिक लागत का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आबकारी अधिकारियों ने सावधानी बरतने का आग्रह किया है, चेतावनी दी है कि कीमतों में भारी वृद्धि से अवैध शराब की मांग बढ़ सकती है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

देरी से ही सही लेकिन हुआ पूरा

तेलंगाना ने आखिरकार लंबे समय से लंबित राशन कार्ड अनुरोधों को मंजूरी दे दी

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने एक बड़े कल्याणकारी कदम के तहत 2 लाख नए राशन कार्ड जोड़ने को मंजूरी दे दी है , जिससे राज्य में कार्डों की कुल संख्या बढ़कर 91.83 लाख हो गई है । इस विस्तार में अब 3.10 करोड़ से अधिक लाभार्थी शामिल हैं , जो पात्र नागरिकों को खाद्य सुरक्षा और कल्याण सहायता प्रदान करने की राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।अधिकारियों के अनुसार, लंबित आवेदनों की पुष्टि के बाद ये नए कार्ड जारी किए गए। सत्यापन प्रक्रिया अभी भी जारी है, और अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सफल जांच के बाद पात्र आ-वेदकों को राशन कार्ड मिलते रहेंगे । मीसेवा केंद्रों या सार्वजनिक प्रशासन प्लेटफार्मों के माध्यम से आवेदन करने वाले नागरिकों को अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।सरकार ने यह भी घोषणा की है कि लाभार्थी जून में एक बार में तीन महीने का सब्सिडी वाला चावल प्राप्त कर सकते हैं । इस कदम से परिवारों पर बोझ कम होने और राशन वितरण केंद्रों पर भीड़ कम होने की उम्मीद है।आवेदन अभियान के कई दौर के बावजूद, नए कार्ड जारी करने और मौजूदा कार्ड को अपडेट करने में देरी को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है । कई आवेदक जिन्होंने नाम परिवर्तन, पता अपडेट या परिवार में नाम जोड़ने जैसे संशोधनों का अनुरोध किया था, उन्हें कथित तौर पर कोई संचार या अपडेट नहीं मिला है।वैध राशन कार्ड के बिना आ-वेदकों को आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक पेंशन सहित अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच से वंचित किया जा रहा है । नागरिकों ने राज्य सरकार से इस प्रक्रिया को तेज़ करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि प्रशासनिक देरी के कारण कोई भी पात्र परिवार पीछे न छूट जाए।

केंद्र को वक्फ संशोधन अधिनियम को निरस्त करना होगा : अकबरुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने रविवार, 1 जून को कहा कि केंद्र सरकार को वक्फ संशोधन अधिनियम को निरस्त करना होगा। एआईएमआईएम ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के साथ मिलकर हैदराबाद के धरना चौक पर वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने लोगों से अपने विश्वासों पर अडिग रहने और बेहतरी के लिए प्रयास करने का आग्रह किया, अल्लाह यह परखता है कि उसे कौन प्रिय है। आज भारत में

मुसलमानों की परीक्षा हो रही है और हमें खुद को भाग्यशाली समझना चाहिए कि अल्लाह हमारी परीक्षा ले रहा है।चंद्रायनगुट्टा विधायक ने कहा कि समुदाय वक्फ कानून के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। उन्होंने जोर देकर कहा, वक्फ संशोधन अधिनियम संपत्तियों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है, न कि उनकी रक्षा करने के लिए।ओवैसी ने कहा, हर समुदाय ने चुनौतियों का सामना किया है और हमें भी उनका सामना करना चाहिए। हम मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा आयोजित हर विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ लड़ाई में एआईएमआईएमएलबी को समर्थन का आश्वासन दिया।केंद्र पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि वे समुदाय को कमजोर कर सकते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि मुसलमान शरिया या इस्लाम के किसी भी पहलू से पीछे नहीं हटने वाले हैं, चाहे वह नमाज हो, हिजाब हो या वक्फ हो। उन्होंने कहा कि समुदाय संविधान और कानून के दायरे में रहकर अपनी लड़ाई जारी रखेगा। उन्होंने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि अल्लाह हमें ऐसी मुश्किलों से उबारेगा।

तेलंगाना रेरा ने चार रियल एस्टेट कंपनियों पर 3.69 लाख का जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (टीज-ीआरईआरए) ने कथित धोखाधड़ी के लिए चार रियल एस्टेट कंपनियों पर 3.69 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

चार प्रतिवादियों में से एक, विजयवाड़ा के सिखा बलाराजू ने शिकायतकर्ता, वियाना होम्स प्राइवेट लिमिटेड, गाचीबोवली के प्रबंध निदेशक अंजी रेड्डी से संपर्क किया था और प्रस्ताव दिया था कि उनके पास पर्याप्त ग्राहक आधार है जो रंगा रेड्डी जिले के गांडीपेट मंडल के कोकापेट गांव में स्थित 2.10 एकड़ (10,890 वर्ग गज) के व्यावसायिक परिसर, पूजिता टेक पार्क में व्यावसायिक स्थान खरीदने में रुचि रखते हैं, और उन्होंने भावी लेनदेन में मध्यस्थता करने की मंशा व्यक्त की थी।

इसके बावजूद, शिकायतकर्ता की कंपनी वियाना होम्स ने समझौते की शर्तों पर चर्चा की, लेकिन सिखा बलाराजू ने इसे कभी अंतिम रूप नहीं दिया।

इस प्रकार, प्रतिवादियों के साथ कोई स्पष्ट समझौता नहीं किया गया था। इसके बाद, प्रतिवादियों ने शिकायतकर्ता को कई संभावित खरीदारों से मिलवाया, जिसके परिणामस्वरूप उन व्यक्तियों के साथ कुछ बिक्री समझौते निष्पादित हुए।

आंध्र प्रदेश के साथ कृष्णा नदी जल बंटवारे में तेलंगाना को फिर से झटका

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मई को समाप्त हुए जल वर्ष में श्रीशैलम और नागार्जुन सागर परियोजनाओं से आंध्र प्रदेश के साथ कृष्णा नदी के जल बंटवारे के आवंटन और उपयोग में तेलंगाना को असमानताओं का सामना करना पड़ा है। इस असंतुलन ने दोनों तेलुगु राज्यों के बीच न्यायसंगत जल बंटवारे के अधूरे वादे पर चिंता जताई है।

पिछले 11 वर्षों से लागू एक तदर्थ व्यवस्था के तहत, तेलंगाना को कृष्णा नदी के 34 प्रतिशत जल का हकदार माना गया, जबकि आंध्र प्रदेश को अविभाजित राज्य के लिए निर्धारित 811 टीएमसी जल का 66 प्रतिशत आवंटित किया गया। हालांकि, 2024-25 के जल वर्ष में, दोनों राज्यों ने सामूहिक रूप से कृष्णा नदी परियोजनाओं से 1,015 टीएमसी जल का उपयोग किया। आंध्र प्रदेश ने 730 टीएमसी से अधिक जल प्राप्त किया, जबकि तेलंगाना को लगभग 285 टीएमसी तक सीमित रखा गया, जो उपयोग किए गए कुल जल का केवल 28 प्रतिशत था, जो उसके हकदार हिस्से से बहुत कम है।श्रीशैलम परियोजना से, जिसमें कुल 1,630 टीएमसी पानी आया, आंध्र प्रदेश को 245 टीएमसी पानी मिला, जो इस्तेमाल किए गए पानी का 80 प्रतिशत से ज़्यादा है, जबकि तेलंगाना को सिर्फ़ 50 टीएमसी या 17 प्रतिशत पानी मिला। पोथिरेड्डीपाडु हेड रेगुलेटर, जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र को लाभ पहुँचाता है, ने अकेले ही 5 मई तक 208 टीएमसी पानी निकाला, जो सिंचाई कार्यक्रम का आखिरी दिन था। पोथिरेड्डीपाडु में दोषपूर्ण गेज और उचित टेलीमेट्री की कमी के बारे में चिंताएँ जताई गई हैं, जिससे पानी छोड़ने के माप की सटीकता पर सवाल उठ रहे हैं।

एपी की अन्य परियोजनाओं, जिनमें हंड्री-नीवा सुजाला श्रावंती (30 टीएमसी), मुचुमरी लिफ्ट सिंचाई योजना (4 टीएमसी) और चेन्नई जल योजना (3 टीएमसी) शामिल हैं, ने एपी के पक्ष में जल उपयोग को और अधिक बढ़ा दिया। इसके विपरीत, श्रीशैलम से तेलंगाना की प्राथमिक निकासी कलवाकुर्ती लिफ्ट सिंचाई योजना के माध्यम से थी, जिसमें 49 टीएमसी का उपयोग किया गया था।

इस भारी असमानता ने तेलंगाना की सिंचाई और पीने के पानी की ज़रूरतों को बुरी तरह प्रभावित किया है, खास तौर पर कृष्णा बेसिन पर निर्भर क्षेत्रों में।

बालानगर पीएचसी में प्रसव के बाद महिला और नवजात की मौत

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार, 31 मई को बालानगर स्थित एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई।मृतक महिला की पहचान अरुणा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि प्रसव स्त्री रोग विशेषज्ञ की अनुपस्थिति में सहायक दाई नर्स (एएनएम) द्वारा कराया गया था। हालांकि, प्रसव के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने देखा कि नवजात शिशु प्रतिक्रियाहीन था।उन्होंने परिवार को नवजात शिशु को विशेष देखभाल के लिए निलोफर अस्पताल ले जाने की सलाह दी। दुखद बात यह है कि निलोफर पहुंचने पर डॉक्टरों ने पुष्टि की कि शिशु की पहले ही मौत हो चुकी थी।अरुणा की हालत और बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे गांधी अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिवार ने चिकित्सा लापरवाही का आरोप लगाया परिवार ने बालानगर पीएचसी के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर स्त्री रोग विशेषज्ञ वहां होते तो अरुणा और उसके बच्चे की जान बच जाती। बालानगर सर्किल इंस्पेक्टर नरसिम्हा राजू ने कहा, घटना शनिवार सुबह हुई। शव का पोस्टमार्टम किया गया और शव अरुणा के पति को सौंप दिया गया। बालानगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया।

फर्जी सरकारी नौकरी के ऑफर देकर अभ्यर्थियों को ठगने के आरोप में हैदराबाद का व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोवेनपल्ली के एक 36 वर्षीय व्यक्ति को कैंटोनमेंट बोर्ड में खाद्य निरीक्षक और चुनाव पर्यवेक्षक जैसे पद दिलाने का झूठा वादा करके कई नौकरी चाहने वालों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।आरोपी की पहचान कोल्लापुरम श्रवण कुमार के रूप में हुई है जो बार-बार अपराध करता है। उसे 2019 और 2024 में छह ऐसे ही मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि उसने लोगों को यह कहकर लालच दिया कि उसके रक्षा मंत्रालय में संपर्क हैं और वह उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने में मदद कर सकता है। उसने कथित तौर पर सितंबर 2024 में श्रीलेखा नाम की एक महिला से 22,000 रुपये लिए और उसे खाद्य जाँच निरीक्षक और चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नौकरी दिलाने का वादा किया।

उन्होंने कथित तौर पर पवन से 35,000 रुपये, श्रीनिवास से 20,000 रुपये, विशाल से 32,000 रुपये और साई कृष्णा से 50,000 रुपये इसी तरह के बहाने से वसूले।उनके खिलाफ त्रिमुलघेरी, बेगमपेट, बोवेनपल्ली और वेमुलावाड़ा सहित कई पुलिस स्टेशनों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा एक मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आगे की जांच जारी है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, KRISHNA DEVI, is legally dependent Mother of Service No. JC-784046X, Rank: Nb/SUB/M TECH (OE), Name: SOMESH TAKHAR, Unit: 98 AD MSL REGT WKSP (MRSAM) C/O. 99 APO, residing at VILL: SARDARPURA, PO: BABAI, TEH: KHETRI, DIST: JHUNJHUNU, State: RAJASTHAN, PIN: 333501, I have Changed my name from KRISHNA DEVI to KRISHNA My Date of Birth is 10-05-1967, Vide Affidavit date 27/05/2025

CHANGE OF NAME
I, NISHABEN SHIYAL, is legally Wedded Wife of Service No. 17020257L, Rank: CFN, Name: SHIYAL GHANSHYAM PARSHOTAMBHAI, Unit: 2 Trg Bn 1 EME Centre, Secunderabad, residing at VILL: BAGDANA, PO: BAGDANA, Teh: MAHUVA, DIST: BHAVNAGAR, State: GUJARAT, PIN: 364145, I have Changed my name from NISHABEN SHIYAL to SHIYAL NISHABEN GHANSHYAMBHAI That my date of birth is 21-01-1996, Vide Affidavit date 30/05/2025

CHANGE OF NAME
I, SUMAN LOCHIB, is legally Wedded Wife of Service No. JC-784046X, Rank: Nb/SUB/M TECH (OE), Name: SOMESH TAKHAR, Unit: 98 AD MSL REGT WKSP (MRSAM) C/O. 99 APO, residing at VILL: SARDARPURA, PO: BABAI, TEH: KHETRI, DIST: JHUNJHUNU, State: RAJASTHAN, PIN: 333501, I have Changed my name from SUMAN LOCHIB to SUMAN KUMARI LOCHIB That my date of birth is 04-10-1992, Vide Affidavit date 07/05/2025

कोरोना वायरस से मंचेरियाल जिला चिकित्सा विभाग अलर्ट पर

डॉक्टरों ने मास्क पहनने पर दिया जोर, आरटीपीसीआर लैब तैयार

मंचेरियाल, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दुनिया को हिलाकर रख देने वाला कोरोना वायरस एक बार फिर लोगों को डराने लगा है। देश के कई राज्यों में कोविड के मामलें बढ़ने के कारण स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। हाल ही में तेलंगाना में हुई बारिश के कारण मंचेरियाल जिले में कई लोग वायरल बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश और शरीर दर्द की शिकायत लेकर अस्पतालों को पहुंच रहे हैं। वहीं कोरोना के एक बार फिर से फैलने से लोग घबरा रहे हैं। मौसम में नाटकीय परिर्तन हो गया है। दिन में गर्मी रात मे ठण्ड तथा बारिश हो रही है। हालांकि जिले में कोरोना का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन सरकार ने राज्य भर के सभी जिलों अधिकारियों को सतर्क कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कोरोना जांच व उपचार के लिए विशेष वार्ड की स्थापना कोरोना निदान के लिए जिला केन्द्र स्थित राजकीय सामान्य चिकित्सालय परिसर में सथापित आरटीपीसीआर लैब की कार्यप्रणाली तथा अस्पताल परिसर में पूर्व में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

मंचेरियाल सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन संयंत्र को उपयोग में लाने की व्यवस्था की जा रही है। आरपीसीआर लैब तैयार की जा रही है। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के इलाज के लिए अस्पताल में पहले से हीं 20 बिस्तरों वाला आइसीयू वार्ड स्थापित किया गया था और उम्मीद है कि आवश्यकता पड़ने पर इसे भी उपयोग में लाया जाएगा।

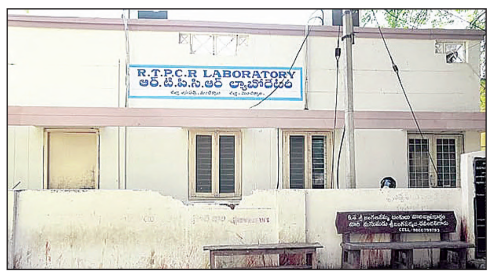

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरीश राज ने डॉक्टरों के साथ जूम मीटिंग की जिले में मौसमी बीमारियों और कोरोना वायरस के आगमन की स्थिति में सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है जब 2020 में कोरोना पहली बार सामने आया तो हजारों लोग संक्रमित हुए और सैकडों लोग मारे गए 2020 से 2023 तक जिले भर में 10,75,447 लोगों की कोविड-19 के लिए जांच की गई और 57,305 लोगों संक्रमण की पुष्टि हुई इनमें से 205 लोगों को आधिकारिक तौर पर मृत घोषित कर दिया गया कोरोना संक्रमण दर में गिरावट आने और जिले भर में टीकाकरण प्रक्रिया चलाए जाने के कारण जिले में 5,60,986 लोगों को वैक्सीन की दो खुराक दी जा चुकी है केवल 3 लाख लोगों ने बूस्टर खुराक ली है उसके बाद कोरोना वायरस कम हो गया लोगों को यह भी भरोसा है कि उन्हें कोरोना नहीं होगा क्योंकि उन्होंने टीका लगवा लिया हालांकि वे 2023 में फिर से कोरोना के आगमन से कुछ हद तक चिंतित थे स्वास्थ्य मंत्रालय को अलर्ट पर रखा गया क्योंकि देश भर के कई राज्यों में एक बार फिर से सकारात्मक मामले सामने आ रहे है जिला अधिकारियों को भी सतर्क कर दिया गया है तथा वायरस फैलने की स्थिति में तैयार रहने के निदेश दिए गए हैं अतीत में जिला प्रशासन ने कोरोना वायरस से प्रभावी ढंग से निपटा है और जिले में इस बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए निवारक उपाय किए हैं डॉक्टर लोगों को मास्क पहनने भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सावधानी बरतने व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने और खांसी, जुकाम और बुखार से पीडित लोगोंके साथ निकट संपर्क से बचने की सलाह दे रहे हैं।

विधायक प्रेस सागर राव ने किया मंत्री सीताक्का के साथ गोदावरी तट महा प्रस्थानम का दौरा

मंचेरियाल, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पंचायती राज ग्रामीण विकास महिला एवं बाल कल्याण मंत्री और संयुक्त आदिलाबाद जिले की प्रभारी सीताक्का, मंचेरियाल जिला कलेक्टर कुमार दीपक, कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे, आदिलाबाद जिला कलेक्टर राजर्षि शाह, निर्मल जिला कलेक्टर अभिलाषा अभिनव, आईटीडीए पीओ खुशबू गुप्ता, मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव और तेलंगाना जनजातीय सहकारी आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष कोटनाका तिरूपति ने मंचेरियाल शहर में गोदावरी के तट पर बने महा प्रस्थानम का दौरा किया। इस कार्यक्रम में हाल ही में निर्वाचित हुए पूर्व जनप्रतिनिधि, नेता, कार्यकर्ता आदि शामिल हुए।

बीदर के नेहरू स्टेडियम में रविवार को आयुष मंत्रालय (कभारत सरकार) की ओर से योग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूर्या फाउंडेशन दिल्ली के अध्यक्ष अनंत बिरादर का पतंजलि योग समिति भालकी द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर पतंजलि के सभी पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने की मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुलाकात

राजन्ना सिरसिला, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कतर का दौरा पूरा कर हैदराबाद लौटकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात करने वाले सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वेमुलावाडा श्री राजराजेश्वर स्वामी, राजन्ना मंदिर के विकास और गौशाला में होने वाले विभिन्न मुद्दों के बारे में जानकारी ली। जिसमें राजन्ना कोडेला की देखभाल के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदि श्रीनिवास और अधिकारियों को एक विशाल नई गौशाला के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार के सचेतक आदि श्रीनिवास ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की, जो हाल ही में कतर की अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में तेलंगाना खाड़ी समिति कतर द्वारा आयोजित तेलंगाना गठन दिवस समारोह में भाग लेने के बाद हैदराबाद में लौटे थे। इस अवसर पर, हाल ही में 200 करोड़ रुपये की लागत से वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालय परिसर को मंजूरी दी गई थी। एआईसीसी द्वारा हाल ही में घोषित समितियों में तेलंगाना राज्य कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति और परिसीमन समिति के सदस्यों के रूप में नियुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विशेष धन्यवाद दिया गया। मुख्यमंत्री को उनकी कतर यात्रा का विवरण दिया गया।मुख्यमंत्री ने गौशाला में चल रहे विभिन्न मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया कि गौशाला में बैलों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक विशाल भूमि पर एक नई गौशाला के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाए। कोडेलों की मृत्यु दुखद है, यह दुखद है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती है और सरकार की ओर से और मंदिर की ओर से कोडेला बीमार नहीं पड़ते हैं। राज्य सरकार के सचेतक आदि श्रीनिवास ने कहा कि आवश्यक सावधानी बरती जाएगी।

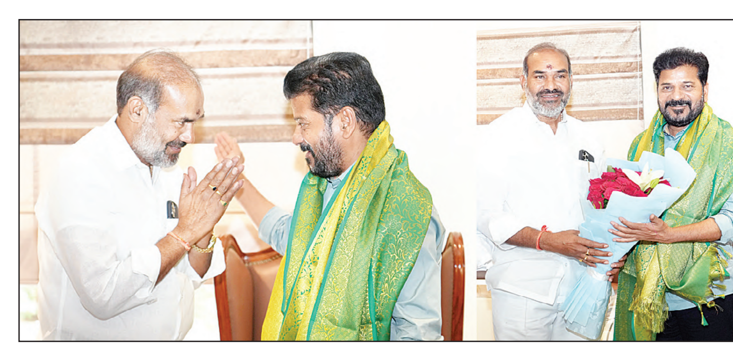

रोजगार मेला आयोजित

मंचेरियाल, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रघुनाथ वेराबेली फाउंडेशन के पर्यवेक्षण में रविवार, दि. 01 जून को मंचिरियाल टाउन में एफसीए फंक्शन हॉल में रोजगार मेला आयोजित किया गया। जिसमें मंचिरियाल जिले के 200 से अधिक युवक-युवतियों ने भाग लिया। इस मेले में हैदराबाद के एमएसएन फार्मा, आईटीसी और न्यूलैंड संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इंटरव्यू कर युवाओं को नौकरी के लिए चुना गया। बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु मंचिरियाल जिले में रोजगार मेले का लागातार आयोजन किये जा रहे हैं। बेरोजगार युवाओं को इस अवसर का उपयोग करने का सलाह दी गई।

दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण गौड़ा छात्रों का किया गया सम्मान

राजन्ना सिरसिला, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौड़ अधिकारी और पेशेवर (जीओपीए) राजन्ना सिरसिला जिला अध्यक्ष कंचर्ला अमरेंद्र गौड़ ने रविवार को वेमुलावाड़ा गौड़ा भवन में इंटरमीडिएट 10वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गौड़ा समाज के छात्रों के लिए प्रतिभा पुरस्कार कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिला पुस्तकालय सोसायटी के अध्यक्ष नागुला सत्यनारायण गौड़ और गोपा राज्य अध्यक्ष बी सयन्ना गौड़ इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। कक्षा 10वीं और उससे अधिक में 540 और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को एक लक्ष्य चुनना चाहिए और यदि वे उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एकाग्रता के साथ काम करते हैं, तो आपका लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मानव जन्म एक बार में आता है और उसी तरह अनुभव किया जा सकता है जैसे यह आकार लेता है। जन्म तिथि के लिए एक लाइन होगी और उस लाइन को बदलने का अवसर हमारे हाथ में होगा। पुरस्कार निधि प्रदाता नेरेला थिरुमल गौड़, गोपा राज्य उपाध्यक्ष राममोहन गौड़, बत्तीनी सत्यनारायण गौड़, कल्याण चक्रवर्ती, मौरैया गौड़, अमरगनी नरसैया गौड़, विकुर्ती लक्ष्मीनारायण, पाडिरे, पाडिरे बाला गौड़, रामचंद्रम गौड़, पुली लक्ष्मीपति गौड़, नागुला श्रीनिवास गौड़, दुलम संपत गौड़, मल्लिकार्जुन गौड़, राजू गौड़, कृष्ण प्रसाद गौड़, बुर्रा श्रीनिवास गौड़, देवैया गौड़, अंजनेय गौड़, पुली रामगोपाल गौड़, विकुर्ती अंजैया गौड़ और अन्य भाग लिया।

मदनूर में पूर्व छात्र पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित

मदनूर, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

1998-1999 जेडपीएचएस मदनूर स्कूल बैच के पूर्व छात्रों ने 25 वर्षीय पूर्ण होने पर रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 25 वर्ष के बाद पूर्व छात्रों का पुनर्मिलन हुआ। जिसमें शिक्षकों व शिक्षकों में एक आनंद का माहौल नजर आया। पूर्व छात्र एक दूसरे से मिलकर एक दूसरे के बारे में जानकारी हासिल की। इस अवसर पर शिक्षक गंगाराम, नारायण राव, लक्ष्मैया, मनोहर, काशगौड़, सुनील, नरेंद्र, रमेश, भारत भूषण और पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

योग आसनों से दूर हो सकती हैं कई समस्याएं

मंचेरियाल, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एंजनहित याचिका मंचेरियल जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग के पांचवें दिन मंचेरियल योग आयुष डॉ. पद्मजा ने कहा कि योग में श्वास निरोधक प्राणायाम के माध्यम से, योग आसनों से, योग मुद्रा से, खान-पान की आदतों से कई समस्याओं पर काबू पाया जा सकता है और उनसे बाहर निकला जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पांचवें दिन पर उन्होंने मंचेरियल के जिला सरकारी अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को बताया कि योग के माध्यम से तनाव और हैंगओवर प्रबंधन, अनिद्रा प्रबंधन और अन्य तनाव संबंधी समस्याओं पर कैसे काबू पाया जा सकता है। यह भी बताया गया कि वहां के मरीज योग के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। इस अवसर पर मंचेरियल जिला प्रभारी, सरकारी अस्पताल डॉ. सुनील कुमार, मनोचिकित्सक राम नाइक, डॉ. अनुहया, साथ ही स्वास्थ्य आयुष योग निरीक्षक ए. सुधाकर, मेघना और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इसे सफल बनाया।

बारिश से 150 से अधिक गांव प्रभावित

मंचेरियाल रिपोर्टर 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अधिकारियों ने मानसून में कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में बारिश से प्रभावित होने वाले 150 से अधिक गांवों की पहचान की है। अतीत के कड़वे अनुभवों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर वेंकटेश दोथरे ने बताया कि बारिश से प्रभावित होने वाले 151 गांवों की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास लाइव जैकेट नाव आदि की व्यवस्था जैसे वैकल्पिक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि तीन महीने के लिए आवश्यक वस्तुओं को समस्याग्रस्त गांवों में पहले ही पहुंचा दिया गया है। उचित मूल्य की दुकान के डीलर पूरे महीने दुकानें खुली रखेंगे।

अधिकारियों के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस पाउच एंटीबायोटिक्स और अन्य दवाएं तैयार रखी गई हैं। प्रभावित मंडलों में राजस्व, पुलिस और पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बारिश से प्रभावित गांवों में लोगों को असुविधा से बचाने के लिए मिलकर काम करें। अगर बाढ़ से गांव जलमग्न हो जाते हैं तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। कृषि अधिकारियों को भारी बारिश के बारे में किसानों को सचेत करने के लिए कहा गया है ताकि बाढ़ से फसलों को होने वाले नुकसान से बचा जा सके लोगों को जीर्ण-शीर्ण घरों को खाली करने की सलाह दी जाएगी सिंचाई विभाग के अधिकारियों को पहले ही चेलीमेलावागु, कुमराम भीम और वड्डीवागु जैसी सिंचाई परियोजनाओं के शिखर द्वारों के प्रबंधन के बारे में एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया है। इसी तरह लोगों को डूबने से बचाने के लिए पुलों और नालों पर भी नज़र रखी जाएगी मछुआरों से आग्रह किया जाएगा कि वे नदियों में मछली न पकड़ें मत्स्य विभाग द्वारा गठित 10 सदस्यीय बचाव दल को गांवों के हर मंडल में तैनात किया गया है अधिकारियों ने बताया कि गांवों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है इस बीच आदिलाबाद कलेक्टर राजर्षि शाह ने अधिकारियों को मानसून में मुख्यालय न छोड़ने का निर्देश दिया उन्होंने अधिकारियों से बिजली के खंभों लाइनों और ट्रांसफार्मरों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने को कहा उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे आपात स्थिति और मदद के लिए कलेक्टरेट में बनाए गए टोल-फ्री नंबर 1800 425 1939 पर संपर्क करें।

कुएं में गिरा भालू, स्थानीय लोगों ने बचाया

मंचेरियाल, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बोथ मंडल के सकारा गांव में शनिवार को वन अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने एक भालू को बचाया, जो गलती से कुएं में गिर गया था।

अधिकारियों ने बताया कि जंगल से एक वयस्क भालू संभवतः भोजन की तलाश में सूखे खेत के कुएं में फिसल गया। हालांकि स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद उसे खाट और रस्सियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया और उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को आगाह किया गया कि अगर खेतों में जंगली जानवर दिखाई दें तो उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ। अधिकारियों ने बताया कि जंगली जानवर कभी-कभी भोजन और पानी की तलाश में जंगलों से बाहर निकल आते हैं।

उन्होंने ग्रामीणों से जंगली जानवरों के साथ अचानक टकराव से बचने और मवेशियों को चराने और जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए घने जंगलों में न जाने का अनुरोध किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को को समूहों में चलने की सलाह दी।

दसवीं में उत्कृष्ट अंक पाने वाले छात्र सम्मानित

किनवट, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी के अवसर पर भाजपा उत्तर नांदेड जिलाध्यक्ष की ओर से जिले में छात्राओं को प्रोत्साहन के लिए कक्षा दसवीं परिणाम में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्राओं को सम्मानित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में किनवट तहसील में दसवीं में प्रथम आने वाली कुमारी अक्षरा आशिष देशपांडे का किनवट स्थित पैनगंगा नदी तीर महादेव मंदिर पर विधायक भिमराव केराम, भाजपा जिला अध्यक्ष एड किशोर देशमुख द्वारा सत्कार किया गया। प्रारंभ में पुजा-अर्चना, अभिषेक व आरती विधायक भिमराव केराम ने की और कुमारी अक्षरा को कक्षा दसवी में उत्कृष्ट अंक हासिल करने पर बधाई एवं शुभकामना दी।

इस अवसर पर भाजपा नेता सुधाकर भोयर, वरिष्ठ नेता राघुमामा, भाजपा ओबीसी नेता बाबुराव केंद्रे,पुर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, भाजपा शहर अध्यक्ष स्वागत आयनेनीवार, कृउबा संचालक नविन राठोड, आशिष देशपांडे, रमेशचंद्र दारमवार, शिवा आंधळे, विश्वास कोल्हरीकर, मंदिर संस्थान के संजय रावल, भाजपा महिला आघाडी के भावना दिक्षित,सागर शिंदे, गंगुबाई परेकार, पुनम दिक्षित, सुरेश साकपेलीवार, नरसिंग तकलवार संतोष मरस्कोले समेत भाजपा नेता गण उपस्थित थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल 5 जून को प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेगा

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना मंत्रिमंडल 5 जून को प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा, जिसमें कर्मचारियों के मुद्दे और राजीव युवा विकास कार्यक्रम के लाभार्थियों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र में मंत्रियों के साथ बैठक में यह निर्णय लिया।

बैठक में राज्य गठन समारोह, इंदिराम्मा घरों, राजस्व सम्मेलनों, मानसून फसल की खेती की तैयारियों और राजीव युवा विकास कार्यक्रम के बारे में मंत्रियों की रिपोर्ट पर ध्यान केंद्रित किया गया।

29 और 30 मई को मंत्रियों ने जिलों का दौरा किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कीं, जिसमें चार प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया और विस्तृत जिलावार रिपोर्ट तैयार की गई – स्थापना दिवस समारोह (2 जून) की व्यवस्था, इंदिराम्मा घरों के लिए लाभार्थियों की अंतिम सूची और राजस्व सम्मेलनों के आयोजन पर।

बैठक के दौरान मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया कि राजीव युवा विकास कार्यक्रम के लिए आवेदनों की संख्या उम्मीद से अधिक थी और लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र आवेदकों के बारे में व्यापक शिकायतें थीं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों की जांच प्रक्रिया को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि पात्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची पूरी समीक्षा के बाद ही घोषित की जाएगी।

लाभार्थियों की पहचान करने के लिए गहन विश्लेषण करने का निर्णय लेते हुए रेवंत ने इस बात पर जोर दिया कि राजीव युवा विकास कार्यक्रम से एक भी अपात्र व्यक्ति को लाभ नहीं मिलना चाहिए।

इस मामले पर कैबिनेट में चर्चा और निर्णय लिया जाना तय है। कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने के लिए नियुक्त समिति के संबंध में अधिकारियों ने पहले ही उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को एक रिपोर्ट सौंप दी है। उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री को रिपोर्ट के बारे में बताया। कैबिनेट रिपोर्ट पर चर्चा करने और मुद्दों को हल करने के लिए आगे बढ़ने के तरीके पर निर्णय लेने वाली है। मंत्रियों ने अनाज खरीद प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए प्रभावी उपाय करने के लिए नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी की सराहना की।

तेलंगाना सरकार संपत्ति पंजीकरण के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली शुरू करेगी

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने संपत्ति पंजीकरण सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए दो जून से राज्य के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में स्लॉट बुकिंग प्रणाली लागू करेगी।

राज्य के राजस्व, आवास और सूचना जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को यह घोषणा की।

इस पहल को पहले 144 उप-पंजीयक कार्यालयों में से 47 में दो चरणों में शुरू किया गया था। कल से शेष 97 उप-पंजीयक कार्यालय स्लॉट बुकिंग प्रणाली को अपनाएंगे। मंत्री रेड्डी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य नागरिकों को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त सेवाएं प्रदान करना है। स्टाम्प और पंजीकरण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने नई प्रणाली के साथ उच्च सार्वजनिक संतुष्टि को दर्शाने वाले डेटा साझा किए। उन्होंने कहा, 10 अप्रैल से, स्लॉट सिस्टम के तहत 45,191 दस्तावेज पंजीकृत किए गए हैं, जिसमें 94 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं ने संतुष्टि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली ने 3,000 अतिरिक्त पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है, जो इसकी प्रभावशीलता को दर्शाता है। पहुँच और सेवा की गुणवत्ता में और सुधार करने के लिए, मेधा नामक एक -ख-संचालित व्हाट्सएप चैटबॉट लॉन्च किया गया है। नागरिक पंजीकरण कार्यालय के स्थानों, उपलब्ध समय स्लॉट, विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए शुल्क, बाजार मूल्य और बहुत कुछ के बारे में तुरंत जानकारी प्राप्त करने के लिए 82476 23578 पर व्हाट्सएप के माध्यम से चैटबॉट से बातचीत कर सकते हैं। फर्जी पंजीकरण को रोकने के लिए, सरकार एक डेवलपर पंजीकरण मॉड्यूल भी शुरू करने जा रही है, जो पंजीकृत भूखंडों को लाल रंग में प्रदर्शित करेगा और पूर्ण और लंबित पंजीकरणों को ट्रैक करने में मदद करेगा – इस प्रकार लेआउट में दोहरे पंजीकरण के जोखिम को कम करेगा। उच्च मांग वाले क्षेत्रों में बढ़ते कार्यभार को देखते हुए, सरकार ने नौ प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त उप-पंजीयक और कर्मचारियों की नियुक्ति की है: पाटनचेरु, यादगिरिगुट्टा, गांडीपेट, इब्राहिमपट्टनम, सूर्यपेट, जादचेरला, महबूबनगर, वानापर्थी और गडवाल। प्रत्येक उप-पंजीयक कार्यालय दोपहर के भोजन के समय को छोड़कर, प्रतिदिन 1030 बजे से 1700 बजे तक 48 पंजीकरण स्लॉट बुक करेगा। इसके अतिरिक्त, बिना पूर्व बुकिंग के 1700 बजे से 1730 बजे के बीच पाँच आपातकालीन वॉक-इन पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी। मंत्री ने राज्य भर में पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक डिजिटल बनाने और तेज करने के प्रयासों के तहत आर्मुर (निजामाबाद जिला) और कुसुमांची (खम्मम जिला) में आधार ई-हस्ताक्षर के परीक्षण कार्यान्वयन की भी घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्री रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के सुधार जनता की प्रतिक्रिया से निर्देशित हैं और इनका उद्देश्य जन-केंद्रित, जवाबदेह शासन प्रदान करना है।

तेलंगाना सरकार ने स्थापना दिवस पर पुलिस सेवा पदकों की घोषणा की

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर, राज्य सरकार ने रविवार को विभिन्न विभागों में पुलिस सेवा पदक प्रदान करने की घोषणा की।

गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव रविगुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी किए।

एलिट ग्रेहाउंड्स यूनिट के कुल नौ कर्मियों को उनकी अनुकरणीय बहादुरी के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग में 16 अधिकारियों को महोन्नथा सेवा पदक, 92 को उत्तम सेवा पदक, 47 को हर्ष सेवा पदक और 461 को सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में एक अधिकारी को महोन्नथा सेवा पदक, चार को ओक्का सेवा पदक और 17 को सेवा पदक दिया गया।

सतर्कता और प्रवर्तन विभाग में एक को उत्तम सेवा पदक और पांच को सेवा पदक प्राप्त हुआ। आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा विभाग में दो कर्मियों को वीरता पदक, एक को महोन्नथ सेवा पदक, तीन को उत्तम सेवा पदक और 14 को सेवा पदक से सम्मानित किया गया। विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) में विशिष्ट सेवा के लिए एक, सर्वश्रेष्ठ सेवा के लिए तीन और सेवा पदक के 15 प्राप्तकर्ता थे।

हैदराबाद तेलंगाना स्थापना दिवस के भव्य समारोह के लिए तैयार

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को पूरे राज्य में भव्य समारोह आयोजित किए जाएंगे। नामपल्ली गन पार्क और सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में बड़े पैमाने पर आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर को धूमधाम और गर्व के साथ मनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।उत्सव के हिस्से के रूप में, किताकियुशु शहर के मेयर काजुहिसा ताकेची और थाईलैंड की मिस वर्ल्ड 2025 विजेता ओपल सुचाता के नेतृत्व में एक जापानी प्रतिनिधिमंडल विशेष अतिथि के रूप में परेड ग्राउंड में समारोह में भाग लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जापानी प्रतिनिधिमंडल रविवार को हैदराबाद पहुंचा और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेने वाला है।समारोह के बाद, तेलंगाना और किताकियुशु शहर के बीच आपसी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान किताकियुशु मेयर को निमंत्रण दिया था। किताकियुशू, जो कभी जापान के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक था, पर्यावरण संरक्षण के लिए एक वैश्विक मॉडल में तब्दील हो गया है, जिससे यह सतत विकास की दिशा में तेलंगाना के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण भागीदार बन गया है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि साझेदारी के हिस्से के रूप में प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित प्रमुख समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं, जिससे हैदराबाद और किताकियुशू के बीच ज्ञान साझा करने और संयुक्त पहल का मार्ग प्रशस्त होगा।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी पर पवन कल्याण ने जतायी नाराजगी

विजयवाड़ा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत राज मंत्री के पवन कल्याण ने पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा कानून की छात्रा शर्मिष्ठा को गिरफ्तार किये जाने पर नाराजगी जाहिर की है और सवाल किया है कि जब तृणमूल के नेता सनातन धर्म का मजाक उड़ाते हैं, तो तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती है।

श्री कल्याण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कानून की छात्रा शर्मिष्ठा ने अपनी बात रखी, उसके शब्द खेदजनक और कुछ लोगों को आहत करने वाले थे। उसने अपनी गलती स्वीकार की, वीडियो डिलीट किया और माफी मांगी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शर्मिष्ठा के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की। लेकिन जब तृणमूल के सांसद और चुने हुए नेता सनातन धर्म का मज़ाक उड़ाते हैं तो लाखों लोगों को जो गहरा, तीखा दर्द होता है, उसका क्या? जब हमारे धर्म को गंध धर्म कहा जाता है तो आक्रोश कहाँ रहता है? उनकी माफ़ी कहाँ है? उनकी त्वरित गिरफ़्तारी क्यों नहीं होती? ईशनिंदा की हमेशा निंदा की जानी चाहिए! धर्मनिरपेक्षता कुछ लोगों के लिए ढाल और दूसरों के लिए तलवार नहीं है।

पश्चिम बंगाल पुलिस, पूरा देश देख रहा है। सभी के लिए न्यायपूर्ण कार्य करें।

टीपीसीसी प्रमुख पर भाजपा सांसद की छवि खराब करने की साजिश का आरोप

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भारती जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रमुख महेश कुमार गौड़ पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं पूर्व मंत्री इटेला राजेंद्र की छवि खराब करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

रविवार को जारी एक संयुक्त बयान में भाजपा विधायकों धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता, रामा राव पवार, पैदी राकेश रेड्डी और पलवई हरीश राव ने श्री गौड़ द्वारा लगाए गए आरोपों की कड़ी निंदा की और इन्हें निराधार और मनगढ़ंत बताया। श्री गौड़ ने दावा किया था कि श्री राजेंद्र ने शमीरपेट में एक फार्महाउस में बीआरएस विधायक हरीश राव से मुलाकात की और कालेश्वरम परियोजना जांच के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से फोन पर बातचीत की।उन्होंने मांग की कि कथित बैठक के सबूत 24 घंटे के भीतर पेश किए जाएं या फिर टीपीसीसी प्रमुख सार्वजनिक रूप से स्वीकार करें कि आरोप झूठे हैं और माफी मांगें। पिछड़े वर्ग (बीसी) के नेता और तेलंगाना आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में इटेला राजेंद्र के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, भाजपा विधायकों ने कहा कि उन्होंने अपनी ईमानदारी, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के लिए सभी समुदायों में सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने महेश कुमार गौड़ पर राजनीतिक असुरक्षा और इटेला के कद से मेल न खाने की अक्षमता के कारण व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया। भाजपा विधायकों ने यह भी आरोप लगाया कि महेश कुमार गौड़ के बीआरएस नेतृत्व के साथ लंबे समय से संबंध हैं, जिसमें निजामाबाद से 2014 के लोकसभा चुनावों में कविता का समर्थन करना भी शामिल है, और वह उन्हें कांग्रेस में शामिल करने और उनके लिए मंत्री पद सुरक्षित करने की पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने उन पर कांग्रेस की सेवा करने का दिखावा करते हुए केसीआर के पक्ष में गुप्त राजनीति करने का आरोप लगाया। कालेश्वरम परियोजना की ओर मुड़ते हुए, उन्होंने दावा किया कि उस समय वित्त मंत्री के रूप में कार्य करने वाले ईटेला राजेंद्र की कथित वित्तीय अनियमितताओं में कोई भूमिका नहीं थी, क्योंकि इस परियोजना को तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर के निर्देशन में एक विशेष रूप से गठित निगम के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना की कि विपक्ष में रहते हुए पहले मांग करने के बावजूद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच शुरू करने में विफल रही। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार को न केवल कालेश्वरम परियोजना में बल्कि बीआरएस शासन के अन्य प्रमुख मुद्दों जैसे मिशन भागीरथ, धरणी पोर्टल, बिजली खरीद समझौते, ई-कार रेसिंग और फोन टैपिंग में भी सीबीआई जांच का आदेश देकर अपनी ईमानदारी साबित करने की चुनौती दी।

लोगों को मोदी के नेतृत्व पर भरोसा, भाजपा तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि भारत और पूरी दुनिया के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।हैदराबाद में पार्टी की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और पार्टी कार्यकर्ताओं से तेलंगाना के हर घर तक यह संदेश पहुंचाने का आह्वान किया।

रेड्डी ने भ्रष्टाचार के प्रति मोदी के शून्य-सहिष्णुता दृष्टिकोण की प्रशंसा की और दावा किया कि उनकी सरकार अपने पूरे कार्यकाल में घोटालों से मुक्त रही है। इसके विपरीत, उन्होंने पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार और बीआरएस जैसी क्षेत्रीय पार्टियों पर भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने भारी कर्ज और धन के कथित दुरुपयोग का हवाला देते हुए तेलंगाना को वित्तीय संकट में धकेलने के लिए दोनों पार्टियों को दोषी ठहराया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में आतंकी हमलों में 42,000 लोग मारे गए, जिनमें नागरिक और सैनिक शामिल थे, लेकिन मोदी के शासन में कोई बड़ा हमला नहीं हुआ और भारत ने सर्जिकल और हवाई हमलों से जवाब दिया। पठानकोट प्रतिक्रिया और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान के आईएसआई नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया। बुनियादी ढांचे की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों और पूरे भारत में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों के एक साथ आधुनिकीकरण की ओर इशारा किया। उन्होंने जीएसटी के कार्यान्वयन, डिजिटल लेनदेन के विस्तार, रक्षा निर्यात में मेक इन इंडिया की सफलता और मोबाइल फोन के आयात से निर्यात की ओर भारत के कदम बढ़ाने जैसी उपलब्धियों पर जोर दिया। सामाजिक कल्याण पर रेड्डी ने मोदी सरकार के तहत बनाए गए 4 करोड़ घरों, मुफ्त खाद्य वितरण, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण का उल्लेख किया। उन्होंने पिछड़े वर्गों के अधिकारों और ग्रामीण विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। बीआरएस और कांग्रेस दोनों की आलोचना करते हुए उन्होंने पूर्व के तहत केंद्रीकृत भ्रष्टाचार और बाद के तहत विकेंद्रीकृत भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की छह गारंटी जैसे उनके अधूरे वादों ने जनता को निराश कर दिया है। उन्होंने कहा, ये परिवार और भ्रष्ट दल तेलंगाना को नहीं बचा सकते हैं, उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से विजन 2047 के लिए एक झंडे और एजेंडे के तहत एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने 5 जून को पर्यावरण दिवस और 20 जून को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसी आगामी पहलों को भी रेखांकित किया और भाजपा नेताओं से राज्य भर में संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। तेलंगाना में डबल इंजन सरकार बनाने के भाजपा के लक्ष्य की पुष्टि करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि पार्टी राज्य में मोदी के शासन मॉडल को लाने और आगामी विधानसभा चुनावों में विजयी होने के लिए दृढ़ संकल्प है।

बदमाशों ने एटीएम से 20 लाख उड़ाए

सूर्यपेट (तेलंगाना), 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में सूर्यपेट जिले के हुजूरनगर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एटीएम से बदमाशों ने शनिवार रात 20 लाख रूपये लूट लिये।

पुलिस के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने लिंगगिरी रोड पर स्थित एटीएम में गैस कटर का इस्तेमाल करके सेंध लगाई और 20 लाख रुपये की नकदी लूट ली। चोरी के बाद हमलावरों ने एटीएम में आग लगा दी, जिससे वह नष्ट हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच की। अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.